THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 95 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.6 2082 मंगलवार, 1 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

4 साल में 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट लॉन्च किए जाएंगे

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अब अंतरिक्ष में अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने जा रहा है। सरकार ने तय किया है कि 2029 (अगले 4 साल में) तक 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, ये सभी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भारत की आंख बनेंगे और पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर लगातार नजर रखेंगे। सैटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड होंगे। 36 हजार किमी. ऊंचाई पर ये आपस में कम्युनिकेट कर सकेंगे। इससे पृथ्वी तक सिग्नल भेजने, मैसेज-तस्वीरें भेजने में आसानी होगी। यह पूरा अभियान रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के तहत चलाया जा रहा है और इसके लिए सरकार ने 'स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फेज-3' (एसबीएस-3) योजना बनाई है। >14

फार्मा कंपनी में विस्फोट-12 की मौत

> 34 लोग घायल > पीएम मोदी ने किया 2 लाख आर्थिक मदद का एलान

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के संगारेड्डी में सोमवार को एक फार्मा प्लांट में हुए संदिग्ध विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 34 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मच्छामैलारम औद्योगिक एस्टेट में सिगाची फार्मा कंपनी में जहां विस्फोट हुआ, वहां कई श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। उन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं।

घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया, हादसे में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 34 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और उनका इलाज जारी है।

उनकी हालत के बारे में तत्काल पता नहीं चल पाया है, क्योंकि बचाव अभियान अभी भी जारी है। आग बुझाने के लिए दमकल गाड़ियों को लगाया गया। मल्टी जोन II के महानिरीक्षक वी. सत्यनारायण ने बताया कि मच्छामैलारम में रासायनिक उत्पादन फैक्ट्री सिगाची फार्मा में विस्फोट हुआ। यह घटना सुबह 8:15 से 9:35 बजे के बीच हुई। घटना में कुल 12 लोगों की मौत हो चुकी है। 34 अन्य घायल हैं। छह शव बरामद किए गए हैं। चंदा नगर में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। हम 20 मिनट में ही घटनास्थल पर पहुंच गए थे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल 10 दमकल गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर हैं। आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक फार्मास्युटिकल कंपनी है, जो सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), इंटरमीडिएट्स, एक्सिपिएंट्स, विटामिन-मिनरल मिक्सचर्स, संचालन और प्रबंधन (ओएंडएम) सेवाओं के लिए काम करती है।

पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा, घटना से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

सीएम रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया

यह पूछे जाने पर कि क्या यह विस्फोट था या फिर कोई अन्य दुर्घटना? एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि यह विस्फोट था। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया है और अधिकारियों को फंसे हुए श्रमिकों को बचाने और उन्हें सबसे अच्छा इलाज मुहैया कराने के लिए सभी कदम उठाने का निर्देश दिया।

एन. रामचंदर राव तेलंगाना अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 30 जून(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भाजपा के वैचारिक और संगठनात्मक आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय नेतृत्व ने एन. रामचंदर राव को तेलंगाना राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है, जो केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का स्थान लेंगे। यह नियुक्ति पार्टी के अपने मूलभूत सिद्धांतों पर लौटने और राज्य में अपने जमीनी स्तर के जुड़ाव को मजबूत करने के स्पष्ट इरादे का संकेत देती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के अनुभवी, रामचंदर राव वैचारिक स्पष्टता, कानूनी कौशल और दशकों के राजनीतिक अनुभव का एक दुर्लभ संयोजन लेकर इस पद पर आए हैं। 1970 और 1980 के दशक के उतार-चढ़ाव भरे दौर में एक साहसी छात्र नेता, रामचंदर राव वामपंथी छात्र संगठनों के प्रभुत्व को चुनौती देकर उस्मानिया विश्वविद्यालय में प्रमुखता से उभरे। ऐसे दौर में जब नक्सली विचारधारा ने विश्वविद्यालय की छात्र संघ राजनीति में अपनी जड़ें जमा ली थीं, राव ने दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ एबीवीपी के जवाबी आंदोलन का नेतृत्व किया। >14

भाजपा विधायक टी राजा सिंह का इस्तीफा

रामचंदर राव को स्टेट चीफ बनाने की खबर से नाराज, कहा-चुप्पी को सहमति न समझें

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने सोमवार को पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गोशामहल विधायक ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बनाने की खबरों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। टी. राजा सिंह ने सदमे और निराशा का हवाला देते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी. राजा सिंह के खिलाफ 105 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें 18 सांप्रदायिक अपराधों से जुड़े हैं। 2022 में उन्हें पार्टी से निलंबित किया गया था। अक्टूबर 2023 में उनका निलंबन रद्द किया गया था। जिसके बाद उन्होंने गोशामहल से चुनाव लड़ा था और तीसरी बार जीत दर्ज की थी। गोशामहल से तीन बार चुने गए विधायक ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अपील की है कि वे इस फैसले पर दोबारा विचार करें और तेलंगाना में सही नेतृत्व नियुक्त करें। यह पत्र व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के बारे में नहीं है, बल्कि उन लाखों वफादार भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के दर्द और हताशा को दर्शाता है, जो खुद को दरकिनार और अनसुना महसूस करते हैं। कुछ चुनिंदा लोग पर्दे के पीछे से शो चला रहे हैं, जिससे आंतरिक असंतोष और जमीनी स्तर से जुड़ाव खत्म हो रहा है। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं जो हमारे साथ आस्था में खड़े थे और जो आज निराशा महसूस कर रहे हैं। हालांकि मैं पार्टी से अलग हो रहा हूं, परंतु मैं हिंदुत्व की विचारधारा, धर्म की सेवा और गोशामहल की जनता के लिए पूर्ण रूप से समर्पित हूं। मैं अपनी आवाज को और ज्यादा मजबूती से उठाता रहूंगा और हिंदू समाज के साथ दृढ़ता से खड़ा रहूंगा। >14

तेलंगाना सरकार गिग वर्कर्स के अधिकारों के लिए पेश करेगी कानून : 4.2 लाख श्रमिकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य में गिग श्रमिकों के अधिकारों के लिए कानून पेश करने जा रही है। गिग वर्कर्स मतलब वो लोग जो छोटे-मोटे काम करते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट में कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य में 4.2 लाख गिग वर्करों की सुरक्षा और सहायता के लिए कानून पेश करने वाली है। 12हासचिव ने कहा कि विधेयक में मुख्य प्रवाधान शामिल होंगे, इसमें एग्रीगेटर्स द्वारा गिग वर्कर्स का अनिवार्य पंजीकरण। साथ ही श्रमिकों, एग्रीगेटर्स और सरकार को शामिल करते हुए एक त्रिपक्षीय बोर्ड का गठन शामिल है। यह गिग वर्कर कल्याण की निगरानी करेगा। इसके अलावा, श्रमिकों के लिए कल्याण कोष का प्रबंधन त्रिपक्षीय बोर्ड द्वारा किया जाएगा। एग्रीगेटर एक ऐसी इकाई या प्लेटफॉर्म है, जो विभिन्न स्रोतों से जानकारी, डेटा या सेवाओं को इकट्ठा करके एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा कोलकाता गैंगरेप का मामला : सीबीआई जांच की उठाई गई मांग

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। कोलकाता गैंगरेप केस में सुप्रीम कोर्ट के वकील सत्यम सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही, उन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की गई है, जो इस मामले को लेकर विवादित टिप्पणी कर रहे हैं। वकील सत्यम सिंह ने अपने पत्र में पीड़िता को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और उसके परिजनों को सुरक्षा देने की मांग की है। इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक सुरक्षा उपाय, जिनमें अनिवार्य सीसीटीवी निगरानी, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ और नियमित सुरक्षा ऑडिट शामिल हैं, की मांग की गई है। वहीं, वकील ने अपने पत्र में पश्चिम बंगाल में यौन अपराधों के खिलाफ कानूनों को मजबूत करने के लिए 'अपराजिता विधेयक' को तुरंत लागू किए जाने की मांग की है। >14

जम्मू-कश्मीर में एलओसी से पाकिस्तानी आतंकियों का गाइड गिरफ्तार

श्रीनगर, 30 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में केरी सेक्टर में रविवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक बड़ी घुसपैठ को सेना ने नाकाम कर दिया। इस ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक पाकिस्तानी गाइड को पकड़ लिया है।

पकड़े गए युवक की पहचान 22 वर्षीय मोहम्मद आरिब अहमद के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के कोटली जिले के निकियाल इलाके के डेटोटे गांव का रहने वाला है। सेना के मुताबिक, पकड़ा गाइड आतंकियों की घुसपैठ में मदद कर रहा था। आतंकियों ने घने जंगल और कठिन पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर एलओसी पार करने की कोशिश की थी। सेना की गोलीबारी के बाद दूसरे आतंकी भाग गए। दरअसल, सेना और बीएसएफ ने खुफिया सूचना के आधार पर संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। केरी सेक्टर में 4 से 5 हथियार लैस आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों को जवानों ने ट्रैक किया और तुरंत कार्रवाई की।

हूल दिवस : पीएम मोदी ने संथाल क्रांति के वीरों को दी श्रद्धांजलि

> कहा-उनकी शौर्यगाथा हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। हूल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संथाल क्रांति के वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ऐतिहासिक संथाल विद्रोह को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो, के साथ-साथ अन्य बहादुर आदिवासी शहीदों की चिरस्थायी विरासत को नमन किया, जिन्होंने औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ अपने प्राणों की आहुति दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है। ऐतिहासिक संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरांगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संथाल क्रांति के योद्धाओं को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर लिखा, आज हूल दिवस पर हम उन वीर आदिवासी भाइयों-बहनों को नमन करते हैं, जिन्होंने महान सिदो और कान्हू के नेतृत्व में औपनिवेशिक शासन के खिलाफ ऐतिहासिक संथाल हूल विद्रोह का बिगुल फूंका।

यह जनक्रांति न केवल अपनी जमीन, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए थी, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण अध्याय भी बनी। इस विद्रोह में हजारों आदिवासी भाइयों-बहनों ने प्राणों की आहुति दी, इसने अन्याय के खिलाफ एकजुटता की मिसाल कायम की। उन वीर हुतात्माओं का साहस और बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

ब्रिक्स में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली 30 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करने वाले हैं। सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री 2 से 3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 साल बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने हाल ही में भारी जीत के बाद पदभार संभाला है।

भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं। दशकों से कई क्षेत्रों में हमारे संबंध विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। आर्थिक मुद्दे वार्ता का मुख्य विषय होंगे। भारत और घाना के बीच करीब 3 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है, जिसमें सोने के आयात का बड़ा योगदान है। इस दौरे के दौरान कृषि, पश्चिम अफ्रीका में टीका विकास केंद्र, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे पर फोकस किया जाएगा। कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

तीन घंटे में तीन बार कांपी धरती : अंडमान में भूकंप के तेज झटके, रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 4.7 रही

पोर्ट ब्लेयर, 30 जून (एजेंसियां)। अंडमान सागर में सोमवार को धरती तीन बार कांप उठी। महज तीन घंटे के अंदर तीन भूकंप दर्ज किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, सबसे तेज झटका दोपहर 12.06 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.7 रही। लगातार आ रहे भूकंप के झटकों ने इलाके की संवेदनशीलता को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

सोमवार सुबह अंडमान सागर में पहला भूकंप 10:09 बजे आया। एनसीएस के अनुसार, इसकी तीव्रता 4.7 मापी गई। यह भूकंप समुद्र के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई पर आया।

भूकंप का केंद्र 9.43 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 94.17 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। स्थानीय लोगों ने हल्का कंपन महसूस किया, हालांकि किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है।

बोधगया मंदिर एक्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से 'सुप्रीम' इनकार

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 के अधिकारों को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से संबंधित हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। दरअसल, बिहार के बोधगया में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल महाबोधि मंदिर परिसर भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से संबंधित चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है। माना जाता है कि बोधगया वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। 1949 के अधिनियम के अधिकारों को चुनौती देने वाली याचिका न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से याचिका में की गई मांग के बारे में पूछा। वकील ने कहा, याचिकाकर्ता की मांग है कि बोधगया मंदिर अधिनियम को अधिकारों के दायरे से बाहर मानते हुए रद्द किया जाना चाहिए।

'कमजोर समुदायों के खिलाफ है आरएसएस'

दत्तात्रेय होसबाले के बयान पर खड़गे की प्रतिक्रिया

बेंगलूरू, 30 जून (एजेंसियां)। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने बीते दिनों संविधान की प्रस्तावना से समाजिकता और धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटाने की बात कही। हासबाले के इस बयान के बाद देश में सियासी गर्माहट तेज होती दिख रही है। ऐसे में अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर संविधान के किसी भी शब्द को छुआ गया तो कांग्रेस उसकी कड़ी विरोधी होगी और वह अंतिम दम तक लड़ाई करेगी।

होसबाले को बताया मनुस्मृति का समर्थक :

बेंगलूरू में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे होसबाले को मनुस्मृति का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि वे गरीबों और कमजोर वर्ग को आगे बढ़ने नहीं देना चाहते। वे हजारों साल पुरानी व्यवस्था को बनाए रखना चाहते हैं। इसलिए वे समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और संविधान के मुख्य सिद्धांतों को पसंद नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ होसबाले की सोच नहीं, बल्कि पूरी आरएसएस की विचारधारा है।

क्या बोला था दत्तात्रेय होसबाले ने :

बता दें कि दत्तात्रेय होसबाले ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था कि संविधान की मूल प्रस्तावना में ये शब्द बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने नहीं डाले थे। उन्होंने बताया कि ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे, जब देश में मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए थे और संसद काम नहीं कर रही थी। साथ ही होसबाले ने सुझाव दिया कि इन शब्दों को लेकर फिर से चर्चा होनी चाहिए कि इन्हें प्रस्तावना में रखना चाहिए या नहीं। साथ ही खड़गे ने पूरे आरएसएस को कमजोर समुदायों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि आरएसएस गरीब, दलित, पिछड़े वर्गों और अन्य कमजोर समुदायों के खिलाफ है। अगर वे सचमुच हिंदू धर्म के रक्षक हैं तो पहले छुआछूत जैसी कुरीतियों को खत्म करें। खड़गे ने आरएसएस के पास इतना संसाधन और सदस्य हैं, उन्हें छुआछूत खत्म करने के लिए काम करना चाहिए, न कि केवल बातें बनाकर देश में भ्रम फैलाना।

खड़गे ने आरएसएस से की अहम अपील :

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि देश में साम्प्रदायिक सौहार्द और एकता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने आरएसएस से अपील की कि वे केवल बयानबाजी न करें बल्कि काम करें। खड़गे ने कहा कि हम संविधान के किसी भी शब्द को छूने नहीं देंगे। यह हमारे देश की आत्मा है और हम इसकी रक्षा के लिए पूरी ताकत से लड़ेंगे।

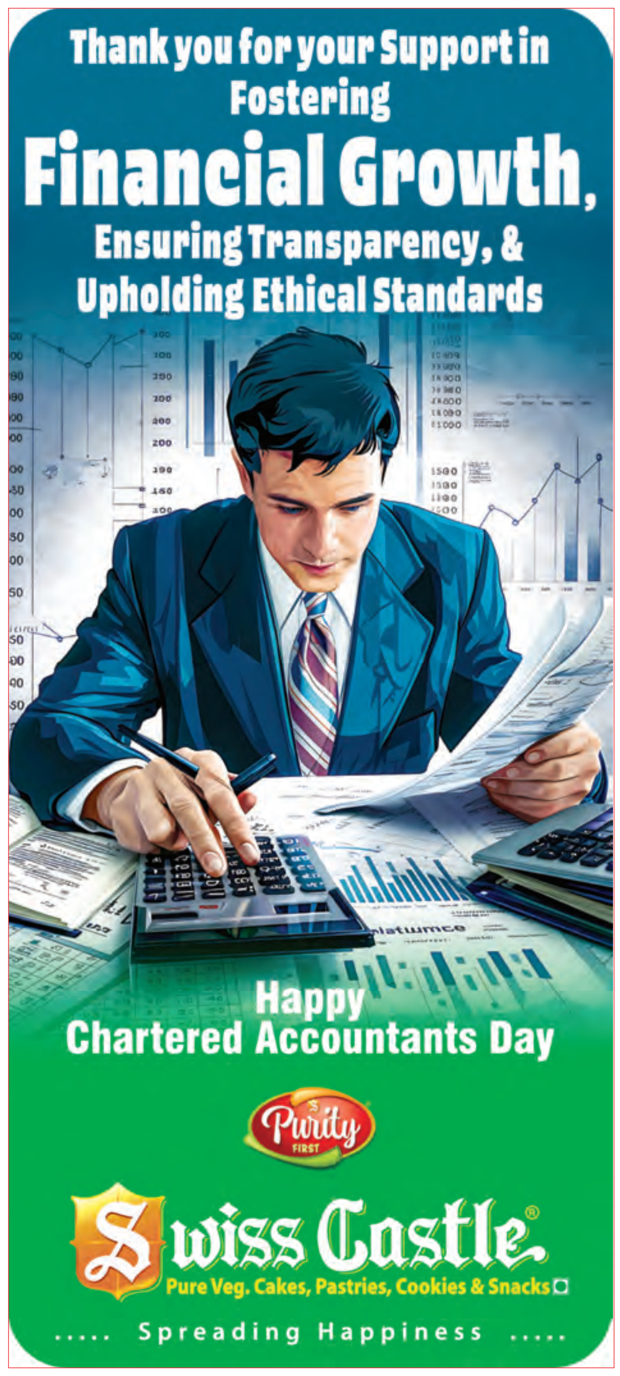

ऑपरेशन सिंदूर में हमारे विमान तबाह हुए : भारतीय अफसर

> बयान को संदर्भ से अलग पेश किया गयाः दूतावास > दूतावास बोला-बयान तोड़ा-मरोड़ा

जकार्ता/नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास के सैन्य अफसर कैप्टन शिव कुमार (डिफेंस अटैची) के एक बयान पर विवाद हो गया है। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना को पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों (डिफेंस एस्टैबलिशमेंट) पर हमला करने की अनुमति नहीं थी। उसे सिर्फ आतंकी ढांचे को निशाना बनाने के निर्देश थे। इसी वजह से भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खो दिए।' कैप्टन शिव कुमार 10 जून को जकार्ता की एक यूनिवर्सिटी में 'भारत-पाक वायु युद्ध और इंडोनेशिया की सामरिक रणनीति' विषय पर सेमिनार में बोल रहे थे। इसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। राजनीतिक नेतृत्व द्वारा तय निर्देशों के कारण ऑपरेशन के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना पाक सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं कर सकी। हमने कुछ विमान खोए। राजनीतिक नेतृत्व से सैन्य प्रतिष्ठानों या उनकी वायु रक्षा प्रणाली पर हमला न करने का निर्देश था। डिफेंस अटैची सशस्त्र बलों (आर्म्ड फोर्सेस) के सदस्य होते हैं, जो विदेशों स्थित दूतावास में देश के रक्षा प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं।

भारत ने सबसे पहले पाक एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट किया- कैप्टन कुमार

कैप्टन कुमार ने कहा, 'नुकसान के बाद भारत ने रणनीति बदली और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सबसे पहले दुश्मन का एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट किया। इसके बाद हमारे हमले सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और ब्रह्मोस जैसी सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर सफल हो सके।' इससे पहले सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक इंटरव्यू में कुछ विमान खोने की बात स्वीकार की थी।

इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास ने ने कहा- 'डिफेंस अटैची का बयान संदर्भ से हटाकर बताया जा रहा है। उनके प्रजेंटेशन की मंशा और मूल उद्देश्य को गलत पेश किया गया। प्रजेंटेशन में कहा गया है कि भारतीय सेना राजनीतिक नेतृत्व के अधीन कार्य करती है, जो हमारे पड़ोस के कुछ देशों से अलग है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था। भारत की प्रतिक्रिया उकसावे वाली नहीं थी।

कांग्रेस बोली, सरकार ने देश को गुमराह किया

कांग्रेस ने सरकार पर देश को 'गुमराह' करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'पहले सीडीएस ने सिंगापुर में महत्वपूर्ण खुलासे किए। अब वरिष्ठ रक्षा अधिकारी इंडोनेशिया में ऐसे दावे करते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने और विपक्ष को विश्वास में लेने से क्यों इनकार कर रहे हैं?

खुद को आईएएस अधिकारी बताकर 'भारत सरकार' की प्लेट लगी कार में घूम रहा था शख्स

मुंबई से गिरफ्तार

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों को बेवकूफ बनाता था। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय चंद्रमोहन सिंह के रूप में हुई है। वह बिहार का निवासी है। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को गृह मंत्रालय का अधिकारी बताकर मुंबई में सीमा शुल्क विभाग के गेस्ट हाउस में ठहरा था। साथ ही, भारत सरकार की नंबर प्लेट वाली कार में शहर में घूम भी रहा था।

ट्रैफिक नियम उल्लंघन से आरोपी आया शक के घेरे में

यह मामला तब सामने आया जब दादर इलाके में एक ट्रैफिक कांस्टेबल ने ट्रैफिक नियम उल्लंघन करने के आरोप में इस व्यक्ति को रोका था। उस वक्त सिंह ने खुद को आईएएस अधिकारी बताकर मौके से बच निकला। एक गुप्त सूचाना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को मालाड स्थित एक होटल के बाहर उसे कार में एक ड्राइवर के साथ देखा। अधिकारी ने बताया कि जब उससे पूछताछ होने लगी, तब उसने खुद को आईएएस अधिकारी बताया और फर्जी पहचान पत्र दिखाया। लेकिन जांच के दौरान उसने कबूल कर लिया कि दस्तावेज नकली हैं।

फर्जीवाड़ा के मकसद का पता लगा रही पुलिस

पुलिस को उसके पास से एक और फर्जी दस्तावेज मिला, जिसमें वह खुद को रक्षा मंत्रालय का कर्मचारी बता रहा था। पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि, पुलिस को अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि उसने यह फर्जीवाड़ा किस मकसद से किया था।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का कांग्रेस पर बड़ा हमला

दावा-पार्टी के 150 सांसदों को रूस से मिलती थी फंडिंग

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। 2011 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी की ओर से जारी एक दस्तावेज को एक्स पर साझा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को रूस से फंडिंग मिली थी। इन सांसदों ने रूस के एजेंट के तौर पर काम किया था।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और गुलामी। यह अवर्गीकृत गुप्त दस्तावेज 2011 में सीआईए ने जारी किया था। इसके मुताबिक दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को सोवियत रूस ने फंडिंग की थी। ये सांसद रूस के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे? उन्होंने कहा कि पत्रकारों का एक समूह उनका एजेंट था। रूस ने कुल 16,000 समाचार प्रकाशित कराए थे। इसका अमेरिकी खुफिया एजेंसी के दस्तावेज में जिक्र है। उस समय के आसपास रूसी खुफिया एजेंसियों के 1100 लोग भारत में थे, जो नौकरशाहों, व्यापारिक संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों और राय निर्माताओं को अपनी जेब में रखकर भारत की नीतियों को आकार और सूचनाएं भी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने उस समय चुनाव के नाम पर जर्मन सरकार से पांच लाख रुपये लिए और वे हारने के बाद इंडो-जर्मन फोरम की अध्यक्ष बन गईं। क्या यह देश है या गुलामों, एजेंटों और बिचौलियों की कठपुतली?

हिंदी वाला आदेश वापस होने पर महाविकास अघाड़ी एकजुट

उद्धव बोले-पांच जुलाई को निकालेंगे विजय रैली

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी भाषा से जुड़े सरकारी आदेश (जीआर) को वापस लेने के बाद विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी एकजुट हो गया है। आदेश वापस होने को विपक्षी दलों ने बड़ी जीत बताया है। इसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने विजय रैली निकालने का एलान किया है। ठाकरे ने कहा कि पांच जुलाई को विजय रैली निकाली जाएगी। वहीं एनसीपी (शरद) के नेता रोहित पवार ने आदेश वापस होने को राज और उद्धव ठाकरे के विरोध का असर बताया है।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं उन राजनीतिक दलों की सराहना करता हूं जो अलग-अलग रुख के बावजूद इस मुद्दे पर हमारे साथ आए। सरकार ने अस्थायी रूप से सरकारी आदेश (जीआर) को रद्द कर दिया है। अगर सरकार ने इसे रद्द नहीं किया होता, तो हम पांच जुलाई को विरोध प्रदर्शन करते। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के कई नेता हमारे साथ शामिल होने जा रहे हैं। हम पांच जुलाई को एक विजय रैली निकालेंगे। हमने मराठी नफरत करने वालों को मुक्का मारा है, यह एकता ऐसे ही बनी रहनी चाहिए। भाषा नीति को लेकर डॉ. नरेंद्र जाधव के नेतृत्व में एक नई समिति रिपोर्ट देगी। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के फैसले के लिए वित्तीय विशेषज्ञों को नियुक्त किया है। एनसीपी-एससीपी नेता रोहित पवार ने कहा कि राज्य सरकार को दिल्ली से सरकारी आदेश (जीआर) लागू करने का आदेश मिला था, इसलिए उन्होंने ऐसा किया। हमारा मानना है कि प्राथमिक शिक्षा में मराठी भाषा पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे जबरदस्ती थोपा गया। उन्होंने काहा कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने इस कदम के खिलाफ पांच जुलाई को एक बड़ी रैली करने का फैसला किया। हमने इस रैली का समर्थन किया। राज्य सरकार ने सरकारी आदेश (जीआर) वापस लेने का फैसला किया। यह दोनों भाइयों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के कारण संभव हुआ।

उनको पांच जुलाई को एक बड़ी रैली, एक विजय रैली आयोजित करनी चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने कहा कि जब मराठी लोग एकजुट हुए, तो उनके दबाव के कारण सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। ठाकरे बंधु भी इस मुद्दे पर एक साथ आए हैं, लेकिन मराठी लोगों की एकता के कारण सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। एनसीपी-एससीपी नेता जयंत पाटिल ने बताया कि महाराष्ट्र के लोग जानते हैं कि हिंदी एक वैकल्पिक भाषा है। लेकिन इसे अनिवार्य बनाने से महाराष्ट्र में काम नहीं चला। इसीलिए सरकार को त्रिभाषा नीति पर अपना सरकारी आदेश (जीआर) वापस लेना पड़ा।

हिंदी भाषा विवाद : 'झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति, महाराष्ट्र में ऐसे ही काम हो रहा'

बीजेपी पर राउत का पलटवार

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की ओर से त्रिभाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के भाजपा के आरोपों पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। ये लोग महाराष्ट्र में इसी नीति के साथ काम कर रहे हैं। अगर उद्धव ठाकरे ने वास्तव में माशेलकर समिति पर एक रिपोर्ट पेश की थी, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एक समिति की रिपोर्ट जारी की गई है और कैबिनेट में रखी गई है। क्या इस पर चर्चा नहीं हो सकती? आपने कैबिनेट के साथ जबरदस्ती हिंदी पर चर्चा की। आपने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि यह एक राष्ट्रीय नीति है। यदि कोई राष्ट्रीय नीति राज्य के सामने आती है, तो उस पर चर्चा करना बहुत महत्वपूर्ण है। देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं, क्या उन्हें इतना ज्ञान नहीं है? हिंदी भाषा विवाद पर एनसीपी-एससीपी विधायक रोहित पवार ने कहा, 'महाराष्ट्र सरकार द्वारा त्रिभाषा नीति के संबंध में जारी किए गए जीआर का कई राजनीतिक दलों ने विरोध किया था। मराठी पत्रकार और सामाजिक संगठन भी इसके खिलाफ थे। जब वे सभी इस मामले पर एकजुट हुए, तो इसने सरकार पर दबाव बनाया और आखिरकार राज्य सरकार ने त्रिभाषा नीति पर जीआर वापस लेने का फैसला किया। हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं। हालांकि, हम प्राथमिक शिक्षा में हिंदी की अनिवार्य शिक्षा के खिलाफ हैं।

इससे पहले देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने साफ कहा था कि महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी या किसी तीसरी भाषा को लेकर कोई नया नियम लागू नहीं होगा। राज्य सरकार ने विवाद को गंभीरता से लेते हुए एक विशेषज्ञ समिति बनाने का फैसला किया था। जब तक समिति की रिपोर्ट नहीं आती, तब तक पुरानी व्यवस्था ही लागू रहेगी।

मंदिर के सुरक्षाकर्मी की पुलिस हिरासत में मौत

छह पुलिस अधिकारी निलंबित, एआईएडीएमके ने उठाए सवाल

शिवगंगा, 30 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में मंदिर के एक सुरक्षाकर्मी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई। पुलिस ने उसे एक कार चोरी के मामले में हिरासत में लिया गया। मामले में छह पुलिस अफसरों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही एआईएडीएमके ने घटना को लेकर सवाल उठाए हैं।

शिवगंगा जिले के एसपी आशीष रावत ने बताया कि मदपुरम कालीअम्मन मंदिर से एक भक्त की कार में चोरी के मामले में पूछताछ के लिए मंदिर के सुरक्षाकर्मी अजित कुमार (28) को हिरासत में लिया गया था। पुलिस हिरासत में उसकी मौत हो गई। अजित के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि मौत का कारण प्राकृतिक नहीं है, बल्कि हिरासत के दौरान यातना है।

भुवनेश्वर एसीपी बोले-कोई बैरिकेडिंग तक आए तो टांग तोड़ देना

भुवनेश्वर, 30 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में हुई भगदड़ के विरोध में भुवनेश्वर में कांग्रेस के प्रदर्शन से एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एडिशनल कमिश्नर नरसिंह भोल बैरिकेडिंग के पास तैनात पुलिसवालों को निर्देश देते नजर आ रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों के पैर तोड़ने हैं, उन्हें पकड़ना नहीं है। साथ ही ये कहते भी दिख रहे हैं कि जो भी पैर तोड़ेगा वो मुझ से इनाम लेकर जाना। दरअसल, कांग्रेस और कई विपक्षी पार्टियां भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री के घर के सामने प्रदर्शन करने वाली थीं। इसे देखते हुए सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई थी।

पुलिस ने बैरीकेड लगा कर प्रदर्शनकारियों को रोकने की तैयारी की थी। इसी दौरान एडिशनल कमिश्नर की बातें वीडियो में रिकॉर्ड हो गईं। वहीं, ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि भगदड़ की घटना की प्रशासनिक जांच की जिम्मेदारी डेवलपमेंट कमिश्नर अनु गर्ग को सौंपी गई है, जो मुख्यमंत्री को 30 दिनों के अंदर रिपोर्ट सौंपेंगी। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में 6 की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची।

आईएफएस संजीव चतुर्वेदी के मामलों की सुनवाई से अब 14वें जज ने भी हाथ खींचे

नैनीताल, 30 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड कैडर के बहुचर्चित आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी से जुड़े एक और मामले की सुनवाई से अब एक अन्य न्यायाधीश ने स्वयं को अलग कर लिया है, इससे न्यायपालिका के भीतर हड़कंप मच गया है। यह कोई सामान्य घटना नहीं है, बल्कि यह चौंकाने वाला 14वां ऐसा मामला है जब संजीव चतुर्वेदी द्वारा दायर या उनसे संबंधित किसी केस की सुनवाई से न्यायाधीशों ने खुद को 'अलग' कर लिया हो। भारतीय न्यायिक प्रणाली में यह अभूतपूर्व मामला एक रिकॉर्ड है। ताजा मामला नैनीताल की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा कुशवाहा से जुड़ा है। उन्होंने संजीव चतुर्वेदी द्वारा केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के न्यायाधीश मनीष गर्ग के विरुद्ध दायर आपराधिक मानहानि वाद की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया। चतुर्वेदी ने नवंबर 2023 में यह वाद दायर किया था, आरोप है कि न्यायाधीश गर्ग ने 16 अक्टूबर 2023 को खुले न्यायालय में उनके प्रति आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था। एसीजेएम नेहा कुशवाहा ने अपने को अलग करने का आधार कैट के ही एक अन्य न्यायाधीश डी.एस. महरा से पूर्व पारिवारिक संबंध बताया है। चौंकाने वाली बात यह है कि डी.एस. महरा वही न्यायाधीश हैं जिनकी अध्यक्षता वाली पीठ ने अक्टूबर 2024 में संजीव चतुर्वेदी को न्यायाधीश मनीष गर्ग के विरुद्ध मानहानि का मामला दायर करने के लिए आपराधिक अवमानना नोटिस जारी किए थे। एसीजेएम ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि पारिवारिक संबंधों के कारण डी.एस. महरा उनके सरकारी आवास पर आते रहते हैं, इसलिए उनके द्वारा इस मामले की सुनवाई न्यायोचित नहीं होगी। यह घटनाक्रम संजीव चतुर्वेदी के लिए न्याय की राह में लगातार खड़ी हो रही बाधाओं को दर्शाता है। इससे पहले भी, सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई (नवंबर, 2013 में हुड्डा और अन्य की सीबीआई जांच की मांग से संबंधित), न्यायमूर्ति यू.यू. ललित (अगस्त 2016), शिमला की एक अदालत के न्यायाधीश (अप्रैल 2018), कैट दिल्ली के तत्कालीन अध्यक्ष न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हन रेड्डी (मार्च 2019), कैट दिल्ली के एक अन्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर.एन. सिंह (फरवरी 2021), उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल (मई 2023), और जस्टिस मनोज तिवारी, उत्तराखंड उच्च न्यायालय (फरवरी, 2024) और यहां तक कि कैट के न्यायाधीशों की एक पीठ (मनीष गर्ग और छबिलेंद्र राउल, नवंबर 2023) और न्यायमूर्ति राजीव जोशी (जनवरी 2025) सहित कुल 14 न्यायाधीश उनके विभिन्न मामलों की सुनवाई से खुद को अलग कर चुके हैं।

लापता मजदूरों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बडकोट (उत्तरकाशी), 30 जून (एजेंसियां)। देर रात सिलाई बैंड के समीप बादल फटने से यमुनोत्री हाईवे का करीब 20 मीटर हिस्सा बह गया। वहीं, ऊपरी क्षेत्र में बादल फटने से टेंट्स में रह रहे नौ मजदूर पानी और मलबे के तेज बहाव में बहने से लापता हो गए। बाद में दो लोगों के शव बड़कोट में यमुना नदी में मिले।

सात लापता लोगों को ढूंढने के लिए आज सोमवार सुबह से सिलाई बैंड और यमुना तट पर खोज बचाव अभियान चल रहा है। स्यानाचट्टी में यमुना नदी में बनी झील को खोलने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यहां पर मशीनें नहीं पहुंच पाई हैं।

खबरे जरा हटके

अपनी साइकिल में शख्स ने की ऐसी जोड़तोड़, बन गई 'गरीबों की कार'

आसपास के लोग देखते रह गए ये जुगाड़!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार भारतीय लोगों को प्रतिभा की तरीफ करते हुए कहा था, "...कितने तेजस्वी लोग हैं यहां..." बस सोशल मीडिया पर लोगों ने इसी हिस्से को अपने मीम्स और वीडियोज़ में शामिल कर लिया. यही वजह है कि पीएम मोदी का यह वाक्यांश कई वीडियोज़ में सुनने को मिल जाता है. बेशक लोग इसे तंज की तरह इस्तेमाल करते हैं. पर अक्सर यह तंज भी सटीक ही बैठता है. ऐसा कुछ इस वीडियो के लिए भी आप मानेंगे जब उसे देखेंगे. वीडियो में एक गरीब आदमी ने अपनी साइकिल को बहुत ही दिलचस्प तरीके से कार में तब्दील कर दिया. लोग अपने वाहन को सजाते हैं. सुंदर दिखने के लिए उसे चमकाते हैं. उसमें सजावट के तरह तरह के सामान लगाते हैं. लेकिन क्या कोई अपनी साइकिल को बड़ा दिखाने के लिए कुछ भी लगाने की हिम्मत भी कर सकता है? क्या वह ऐसी कोशिश कर सकता है कि केवल किसी तरह से कुछ पन्नियां और लकड़ी या बांस लगाकर वह साइकिल को कार की तरह बड़ा बना दे? इस वीडियो में एक शख्स ने ऐसा ही कुछ किया है. वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि शख्स ने हर चीज़ जुगाड़ से जुटाई है और उसके बाद ही साइकिल को ये आकार दिया है.

साइकिल को किया मॉडिफाई

वीडियो में एक आदमी कहता दिख रहा है, "गरीब हैं तो क्या हुआ, कार नहीं ले पाए तो अपनी साइकिल को ही मॉडिफाई करके कार जैसी बना दिया" इसमें सबसे खास बात ये थी कि शख्स ने अपनी साइकिल के आगे के हिस्से में कार की तरह लाइटें भी लगा रखी है. जो कि कार की लाइट की ही तरह है. इसके अलावा साइड का फ्रेम देख लगता है कि उसमें खिड़कियां भी हैं.

आदमी की खींच लेता है ये छोटी सी टॉय ट्रेन जैसा स्टीम इंजन, ताकत और आकार देख हर कोई रह जाता है दंग!

आपने छोटी कार छोटे हवाई जहाज बहुत देखे होंगे. इस तरह के छोटे वाहन जो चलते हैं, प्रोटो टाइप कहे जाते हैं. कई विमानों में तो अब ड्रोन्स आ गए हैं जिनका तकनीकी तौर पर बहुत ज्यादा उपयोगिता बढ़ गई है और उन्हें युद्ध में खास तौर पर इस्तेमाल होता है. लेकिन आखिर छोटी ट्रेन की क्या उपयोगिता है? बिलकुल नहीं क्योंकि छोटी ट्रेन को चलाने के लिए उसके लिए ट्रैक भी वैसा ही तैयार करना होगा.पर एक शख्स ने एक छोटी सा स्टीम इंजन बनाया है और साथ ही उसके लिए एक ट्रैक भी. खास बात ये है कि यह छोटा सा स्टीम इंजन अपने साथ इस शख्स को भी खींच लेता है. इसका वीडियो काफी वायरल हुआ है.

वीडियो में हम देखते हैं कि एलेक्स फ्लेचर नाम एक शख्स एक छोटी से स्टीम इंजन में आग जला रहा है जिसके ऊंचाई एक फुट से भी काफी कम है. इसके बाद वह इंजन का ढक्कन बंद कर देता है. यह सब वैसा ही है जैसा कि बड़े असली स्टीम इंजन में होता है. इंजन एक ट्रैक पर खड़ा है जिसकी पटरियां छोटी हैं और यह ट्रैक भी एक छोटे से पुलनुमा संरचना पर है. इसके बाद हम देखते हैं कि इंजन में से धुंआ निकल रहा है. फ्लेचर इंजन के पीछे बैठा है और उसके पैर ट्रैक के दोनों तरफ हवा में लटके हैं. तभी इंजन चालू हो जाता है और धीरे धीरे आगे बढ़ने लगता है. यहां हमें समझ में आता है. फ्लेचर तो एक प्लेट पर बैठे हैं जिसे इंजन खींच रहा है और फ्लेचर इंजन के साथ आराम से आगे सफर कर रहे हैं.

खतरनाक रास्तों से गुजरने के बाद मिलता है ये मंदिर नदी के अंदर भी हैं मूर्तियां, मन्नत मांगने आते हैं लोग!

आपने कई पुरानी खंडहर हो चुकी इमारतें देखी होंगी जो डरावनी लगती हैं. ऐसी इमारतों के बारे में लोग अक्सर चर्चा करते हैं. वीरान होने के कारण इनमें जाने से लोग कतराते हैं और डरते भी हैं. पर क्या कोई मंदिर भी डरावना हो सकता है? क्या ऐसा हो सकता है कि किसी मंदिर के अंदर जाने में डर लगे. कई मंदिर ऐसे होते हैं जो ऐसे जंगल के अंदर हों जहां जाने में मुश्किलें हो और सुनसान इलाके में होने की वजह से डर लगे. लेकिन इंडोनेशिया के बाली में एक मंदिर ऐसा ही जहां जाने से वाकई डर लगता है क्योंकि यह ना केवल जंगल के बीच है, बल्कि इसके आसपास सब कुछ खतरनाक भी लगता है.

इस वीडियो में इसे देख कर भी लगता है कि वहां जाना खतरनाक होगा. वीडियो में इस मंदिर के बाहर उसके अंदर जाने का एक रास्ता बताया गया है जो कि खतरनाक लगता है. पहले नदी के आसपास ऊंचे नीचे पत्थरों से गुजर कर झरने के पास से जाना होता है. नदी के अंदर भी कई तरह की मूर्तियों को होना बताया जाता है. झरने के आसपास काई आदि होने जगह के खतरनाक होने का एक और संकेत लगता है. झरने के आसपास सांप जैसी आकृतियां दिल को सकून देने वाला नजारा तो नहीं बनाते हैं. लेकिन इन्हें देख कर अजीब और खतरे का अहसास देने वाले ख्याल जरूर आने लगते हैं. वीडियो में मंदिर की ओर जाने वाली महिलाएं संकरे रास्ते और झरने के पास से होते हुए चट्टानों के बीच पत्थर की मूर्तियों के पास जा कर पूजा करती दिख रही है. वैसे तो इंडोनेशिया के बाली में सबसे खतरनाक मंदिर तनाह लोट मंदिर माना जाता है.

सुविचार: सम्मान एक दो-तरफा रास्ता है यदि आप इसे पाना चाहते हैं तो आपको इसे देना होगा

टीपीसीसी प्रमुख और मंत्रियों ने खड़गे की बैठक की तैयारियों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 4 जुलाई को एलबी स्टेडियम में पार्टी के ग्राम स्तरीय अध्यक्षों की बैठक में भाग लेने वाले हैं, जिसके लिए नेताओं ने सोमवार को तैयारियों का निरीक्षण किया। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और वक्ति श्रीहरि, सांसद अनिल कुमार यादव, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र, विधायक दानम नागेंद्र, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी, एसएटी अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के उपाध्यक्ष फहीम कुरैशी, पूर्व सांसद वी हनुमंत राव और अन्य नेताओं के साथ एलबी स्टेडियम का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मंच की व्यवस्था, पार्किंग सुविधाओं और वीआईपी प्रवेश सहित विभिन्न रसद पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की गई तानाशाही नीतियों का विरोध करने के लिए हैदराबाद में एक बैठक में बोलने के लिए जा रहे हैं और वह केंद्र सरकार की असंतुलित नीतियों को उजागर करने की योजना बना रहे हैं। महेश कुमार गौड़ ने निजामाबाद बैठक के दौरान राज्य सरकार के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी आलोचना की और कहा कि अमित शाह के पास कांग्रेस पर टिप्पणी करने की विश्वसनीयता नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ देश के हितों से समझौता किया है।

राज्यपाल ने अग्नि दुर्घटना में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार सुबह संगारेड्डी जिले के मच्छामैलारम औद्योगिक क्षेत्र में हुई दुखद अग्नि दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

यहां जारी एक विज्ञप्ति में राज्यपाल ने दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने श्रम, रोजगार प्रशिक्षण और कारखानों (एलईटीएफ) के प्रमुख सचिव एम. दान किशोर से भी बात की और उन्हें पीड़ितों को हर संभव सहायता और सर्वोत्तम चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। जिष्णु देव वर्मा ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए समाज को जिम्मेदारी लेनी चाहिए : पुलिस आयुक्त

ऑपरेशन मुस्कान को लेकर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बाल श्रम प्रणाली के उन्मूलन का आह्वान किया है जो उन बच्चों का बचपन खराब करती है जिन्हें खुशी से पढ़ना और खेलना चाहिए। ऑपरेशन मुस्कान-XI की अभिसरण बैठक आज राचकोंडा आयुक्तालय कार्यालय, नेरडेमेट में आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि बाल श्रम प्रणाली समाज में एक बीमारी बन गई है और यह कई मासूम बच्चों के बचपन को नष्ट कर रही है। सीपी ने कहा कि बाल श्रम का मूल कारण मुख्य रूप से माता-पिता की गरीबी है, जिसके कारण बच्चे भीख मांगने के चंगुल में फंस जाते हैं और अपना सुनहरा भविष्य भी खो देते हैं। उन्होंने कहा कि गरीबी के कारण असामाजिक तत्वों के चंगुल में फंसने वाले बच्चे कभी-कभी किशोर अपराधी बन जाते हैं और असामाजिक ताकतों द्वारा छोटे बच्चों का इस्तेमाल अपराध करने के लिए किए जाने की भी संभावना है। सीपी ने माता-पिता को सलाह दी कि वे अपनी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना अपने बच्चों को श्रम बाजार में न धकेलें। सीपी ने कहा कि सरकार बच्चों की शिक्षा के लिए कई मुफ्त कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाएं चला रही है और उनका लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन में सार्वजनिक भागीदारी का आह्वान किया और कहा कि लोगों को भी इसे अपनी नैतिक जिम्मेदारी माननी चाहिए। सीपी ने

कहा कि राचकोंडा से मानव तस्करी और बाल श्रम को खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। "हम मानव तस्करी पर कड़ी नजर रख रहे हैं और विशेष टीमों द्वारा बच्चों को बचाया गया है और तस्करों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।" सीपी ने कहा। उन्होंने याद दिलाया कि ओडिशा और बिहार जैसे अन्य राज्यों से पलायन करने वाले श्रमिकों के लिए उनके इलाके में कार्य स्थल स्कूल स्थापित किए गए हैं, ताकि उनके बच्चे अपनी शिक्षा जारी रख सकें। इस अभिसरण बैठक में डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती टी उषा, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष के नरेंद्र रेड्डी, रंगा रेड्डी जिला, एएम राजा रेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी जिला, बी जयश्री, यदाद्री-भुवनगिरी जिला, टी श्याम प्रसाद, आरडीओ, मलकाजगिरी, के नरसिम्हा राव, डीडब्ल्यूओ, यदाद्री-भोंगिरी जिला, एम पूर्ण चंद्र, एडी ओ/ओ डीईओ, शिक्षा, आरआर जिला, वेंकटेश्वरलू, राज्य समन्वयक, स्वैच्छिक कार्रवाई संघ, मेडचल के डीसीपीओ मोहम्मद इम्तियाज रहीम, रंगा रेड्डी के जी प्रवीण कुमार और यादाद्री जिले की श्रीमती कविता, सहायक श्रम अधिकारी पी साई सुमन, एस देवेंद्र, पुलिस निरीक्षक, एएचटीयू, सभी राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम विभाग के अधिकारी, एनजीओ की चाइल्डलाइन और (9) संभागीय टीम के अधिकारी, एएचटीयू स्टाफ ने भाग लिया।

आईएमडी ने हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मानसून की गति में तेजी का संकेत देते हुए हैदराबाद मौसम विभाग ने सोमवार शाम को अपने पूर्वानुमान में कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग ने तेलंगाना के सभी जिलों में गरज के साथ बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की। हैदराबाद मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटों में जिन जिलों में भारी बारिश हो सकती है, उनमें जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु और भद्राद्री कोत्तागुडेम शामिल हैं। तेलंगाना के सभी जिलों में आंधी, बिजली और तेज हवा की चेतावनी जारी की गई है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी एक सप्ताह तक तेलंगाना के लगभग सभी जिलों में बादल छाए रहने की संभावना है तथा दिन का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हैदराबाद और इसके आसपास के जिलों, जिनमें मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी शामिल हैं, में बादल छाए रहेंगे, हालांकि बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है।

बीआरएस नेताओं ने की तत्काल राहत और सुरक्षा ऑडिट की मांग

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को संगारेड्डी जिले के पठानचेरूवु के पास मच्छमैलारम औद्योगिक क्षेत्र में एक रासायनिक कारखाने में हुए रिएक्टर विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस घटना में कथित तौर पर कम से कम 10 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना को 'बेहद दुखद' बताते हुए रामाराव ने अधिकारियों से घटनास्थल पर फंसे श्रमिकों के बचाव प्रयासों में तेजी लाने और घायलों के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा ऑडिट करने की आवश्यकता पर बल दिया और दुर्घटना की गहन जांच की मांग की। उन्होंने मृतकों के लिए प्रार्थना भी की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव ने कहा कि रिएक्टर में विस्फोट के बाद लगी आग के कारण कई कर्मचारी संयंत्र के अंदर फंस गए। उन्होंने सरकार से प्रभावित लोगों को बचाने और घायलों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। राव ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की और सरकार से पीड़ितों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की अपील की। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने भी इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों को उचित सहायता तथा घायलों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की।

दिलसुखनगर स्टोर से चोर ने चुराए 5 लाख रुपये के फोन

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के दिलसुखनगर में एक चोर मोबाइल फोन शोरूम में घुस गया और कथित तौर पर 5 लाख रुपये मूल्य के फोन लेकर फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात को शोरूम का स्टाफ दुकान बंद करके घर चला गया था। सोमवार को करीब 3 बजे एक अज्ञात व्यक्ति तौलिया से अपना चेहरा छिपाकर दुकान में घुसा और दुकान में रखे महंगे मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। सुबह जब स्टोर मैनेजर और कर्मचारी शोरूम लौटे तो उन्होंने दुकान में चोरी होने का पता लगाया और सरूरनगर पुलिस को इसकी सूचना दी। चोर की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है तथा फिंगरप्रिंट की जांच की जा रही है। मामले की जांच चल रही है।

साइबराबाद पुलिस ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को दी भावभीनी विदाई

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय ने सोमवार को आयुक्त कार्यालय के सभागार में बारह (12) सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए एक गरिमापूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने की, साथ ही संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डॉ. गजराव भूपाल ने विभाग के लिए अधिकारियों की उल्लेखनीय सेवा और योगदान को स्वीकार किया। समारोह के दौरान, आयुक्त ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को उनके पेंशन दस्तावेज प्रदान किए और उनके पूरे करियर के दौरान उनके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कानून और व्यवस्था बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं और विभाग के विकास और दक्षता में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद एक संतुष्ट जीवन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने उन्हें अपने परिवार पर ध्यान केंद्रित करने, शौक पूरा करने और सामुदायिक सेवा में संलग्न होने की सलाह दी, ताकि समाज में योगदान जारी रखने के लिए उनके अनुभव का उपयोग किया जा सके। विदाई समारोह को यादगार बनाया गया क्योंकि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों के साथ उनके परिवार के सदस्य और सहकर्मी भी शामिल हुए, जिससे माहौल काफी गर्मजोशी भरा और भावनात्मक हो गया। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों को अपनी प्रशंसा और शुभकामनाएं देने के लिए एसबी डीसीपी साई श्री, सीएआर मुख्यालय डीसीपी संजीव, प्रशासन एडीसीपी रविचंदन रेड्डी, माधापुर एसबी एडीसीपी रविकुमार, मेडिकल एसबी एडीसीपी एफ. रहमान, सीएआर मुख्यालय सीएसडब्ल्यू एडीसीपी हनुमंत राव, एसबी एसीपी बी.प्रकाश, सीएआर मुख्यालय एसीपी अरुण, सीएओ वेंकट रेड्डी, एस्टेट ऑफिसर आरआई हिमाकर और एएसआई सहकारी समिति प्रभारी जी. मल्लेशम सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

ब्रेन डेड दर्जी के अंग जरूरतमंद मरीजों को किए गए दान

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहर नगर, गोदावरीकानी, पेद्दापल्ली निवासी 56 वर्षीय दर्जी थुम्मा रामकृष्ण, जिन्हें डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था, के परिवार के सदस्यों ने राज्य द्वारा संचालित जीवनदान अंग दान पहल के तहत जरूरतमंद मरीजों को मृतक के अंग दान करने का फैसला किया है। गुरुवार, 26 जून को रामकृष्ण ने चक्कर आने की शिकायत की और अपने घर पर गिर पड़े। परिवार के सदस्यों ने उन्हें तुरंत हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। आईसीयू सुविधा में आपातकालीन उपचार के बाद भी मरीज की हालत में सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों की टीम ने रविवार, 29 जून को शाम 4.15 बजे उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। दर्जी के तत्काल परिवार के सदस्यों, (जिसमें उनकी पत्नी थुम्मा राजनिर्मला भी शामिल हैं) ने उनकी किडनी और लीवर दान करने और तीन ज़रूरतमंद मरीजों की मदद करने की सहमति दी। अस्पताल, जहां उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया था, के सर्जनों ने लीवर (01) और किडनी (02) को निकाला और उन्हें जीवनदान अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर रोगियों को आवंटित किया।

श्रीधर बाबू ने अपने पूर्व पीए को अतिरिक्त कलेक्टर के रूप में पदोन्नति पर बधाई दी

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने अपने पूर्व निजी सचिव के. चंद्रमोहन को विशेष ग्रेड डिप्टी कलेक्टर से अतिरिक्त कलेक्टर के रूप में उनकी पदोन्नति पर हार्दिक बधाई दी है। चंद्रमोहन ने सोमवार को मंत्रियों के आवास पर मंत्री से मुलाकात की, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

राजस्व विभाग में वरिष्ठ अधिकारी चंद्रमोहन ने श्रीधर बाबू के निजी सचिव के रूप में लगभग एक दशक तक काम किया। उस दौरान श्रीधर बाबू ने शिक्षा, नागरिक आपूर्ति और विधायी मामलों सहित प्रमुख विभागों को संभाला। उन वर्षों को याद करते हुए, मंत्री ने कहा कि विधायी मामलों के मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान ही विधानसभा में तेलंगाना विधेयक पेश किया गया था। मंथनी के मूल निवासी चंद्रमोहन ने मंत्री के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए गहरी भावना व्यक्त की। उन्होंने

कहा कि तेलंगाना गठन आंदोलन के दौरान ऐसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना उनके जीवन का एक सौभाग्य और अविस्मरणीय अध्याय था। मंत्री के साथ अपने कार्यकाल के बाद, चंद्रमोहन ने पूर्व मुख्य सचिव एस.के. जोशी और सोमेश कुमार के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने कामारेड्डी जिले में अतिरिक्त कलेक्टर के रूप में कार्य किया। वह वर्तमान में सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के निजी सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। वह तेलंगाना सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) डिप्टी कलेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर भी हैं। चंद्रमोहन के साथ 32 अन्य अधिकारियों को भी अतिरिक्त कलेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया है।

दो किशोर और एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बोलारम पुलिस ने सोमवार को दो लड़कों सहित मोबाइल फोन चोरों के तीन सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार कर एक मोबाइल फोन और स्कूटर बरामद किया।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जीडीमेटला निवासी डी. रवि और 15 तथा 17 वर्ष की आयु के दो लड़कों के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तीनों ने कैब चालक सुजीत को निशाना बनाया और 27 जून को गोलनाका बस स्टॉप पर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। सूचना मिलने के बाद तीनों को पकड़ लिया गया।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. SANDT_CAMC-CIB-TIB-CHE

कार्य का नाम : 02 वर्ष की समयावधि हेतु वाल्टियर मण्डल के श्रीकाकुलम रोड स्टेशन पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, सिंगल लाइन TIB, मल्टी लाइन TIB और AGDB के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।

विज्ञापित मूल्य (₹): 10,41,468.00, EMD (₹) : 20,800.00, निविदा दस्तावेज की लागत (₹): 2,360/-, पूरा होने की अवधि : 24 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 01.07.2025

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक- 15.07.2025 को 1730 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http:// www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर / वाल्टियर
PR-299/Q/25-26

नागोले के पास एक व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को नागोल के निकट तिम्माईगुडा में एक सुनसान स्थान पर अज्ञात व्यक्तियों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। जूस की दुकान चलाने वाले काचीगुड़ा निवासी पीड़ित अशोक यादव (40) पर पत्थरों और धारदार हथियारों से गर्दन, सिर और शरीर के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों पर हमला किए जाने का संदेह है। उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जांचकर्ताओं को संदेह है कि पीड़ित हमलावरों के साथ एकांत स्थान पर गया था और किसी अज्ञात मुद्दे पर बहस के बाद उसकी हत्या कर दी गई। स्थानीय निवासियों ने सुबह शव देखा और पुलिस को सूचित किया। मामले की जांच कर रही नागोल पुलिस हत्यारों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आसपास के इलाकों और घटनास्थल की ओर जाने वाली सड़कों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

हैदराबाद का बीबी का आलम

200 साल पुरानी मुहर्रम परंपरा

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दबीरपुरा स्थित अलाउ-ए-बीबी में गमगीन माहौल है और हजारों लोग, जिनमें से अधिकतर काले परिधान पहने हुए हैं, यहां स्थापित बीबी का आलम (बीबी फातिमा का झंडा) पर नमाज अदा करने के लिए उमड़ रहे हैं। बीबी का आलम हर साल मुहर्रम महीने के पहले दिन ऐतिहासिक आशूरखाना (शोक सभा आयोजित करने की जगह) पर स्थापित किया जाता है, जो लगभग एक सदी से चला आ रहा है। धार्मिक और राजनीतिक संबद्धता से परे कई गणमान्य व्यक्ति इस जगह पर आलम को प्रसाद चढ़ाने आते हैं।

मानकों को स्थापित करने की प्रथा कुतुब शाही काल से चली

आ रही है जब मुहम्मद कुतुब शाह की पत्नी ने गोलकुंडा में बीबी फातिमा की याद में एक अलम स्थापित किया था। बाद में, आसफ जाही युग के दौरान, अलम को दबीरपुरा में अलाव ए बीबी में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसे विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए बनाया गया था। मुख्य द्वार पर लगी पट्टिका पर निर्माण का वर्ष 1%84 अंकित है। जिस कमरे में आलम स्थापित है वह एक सुरक्षित कमरा है और आलम को ताबूत के डिजाइन पर बनी तिजोरी में रखा गया है। तेलंगाना शिया यूथ कॉन्फ्रेंस के सैयद हामिद हुसैन जाफ़री बताते हैं कि इस अलम में लकड़ी का एक टुकड़ा है जिस पर बीबी फ़ातिमा को दफ़न करने से पहले अंतिम बार वज़ू किया गया था। जाफ़री ने कहा, 'माना जाता है कि यह अवशेष गोलकुंडा के राजा अब्दुल्ला कुतुब शाह के शासनकाल के दौरान इराक के कर्बला से गोलकुंडा पहुंचा था।'

'आलम' में छह हीरे और अन्य जवाहरात हैं, जिन्हें अज़ाखाना-ए-मदार-ए-दक्कन के निर्माता मीर उस्मान अली खान ने दान किया था। वे बताते हैं कि आभूषणों को छह काली थैलियों में रखा जाता है और मानक से बांधा जाता है। मुहर्रम महीने के 10वें दिन 'यौम-ए-आशूरा' पर अलम को एक सजे-धजे हाथी पर ले जाया जाता है।

राचकोंडा में जून तक सड़क दुर्घटनाओं में 360 से अधिक लोगों की मौत

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में इस वर्ष की पहली छमाही जून तक हुई 1,822 सड़क दुर्घटनाओं में कुल 363 लोगों की मौत हो गई है। यह संख्या जल्द ही वर्ष 2024 में हुई 1,713 सड़क दुर्घटनाओं में हुई 374 मौतों की कुल संख्या को पार कर जाने की उम्मीद है। राचकोंडा पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में स्व-स्किड दुर्घटनाएं सबसे ऊपर हैं, जो विशेष रूप से रात्रि में लापरवाही से वाहन चलाने और नशे में वाहन चलाने के कारण होती हैं।

2024 में कुल 96 सेल्फ-स्किड सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 77 लोगों की मौत हुई, जबकि इस साल अब तक 140 मामले सामने आए, जिनमें 112 लोगों की जान चली गई। यह भी देखा गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय होने वाली ज़्यादातर मौतें हेलमेट न पहनने की वजह से हुई। ग्रामीण इलाकों में हेलमेट पहनने का चलन बहुत कम है। सुरक्षित सवारी प्रथाओं को बढ़ावा देने और जीवन को खतरे में डालने वाले उल्लंघनों से निपटने के लिए, राचकोंडा पुलिस ने एक सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है, जिसके तहत बिना हेलमेट के पकड़े गए दोपहिया वाहन चालकों को तुरंत हेलमेट खरीदने और पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, यह तरीका न केवल प्रवर्तन के माध्यम से हेलमेट के उपयोग के महत्व को पुष्ट करता है, बल्कि मौके पर सुधारात्मक कार्रवाई की सुविधा देकर वास्तविक समय अनुपालन भी सुनिश्चित करता है।

राष्ट्रपति ने 24 स्टूडेंट्स को दिए मेडल-उपाधि

सीएम योगी ने द्रौपदी मुर्मू का वेलकम किया, शिवराज सिंह चौहान ने भांजे-भांजियों को प्रणाम किया

बरेली, 30 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज यानी सोमवार को बरेली पहुंचीं। वह आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। सुबह 9:50 बजे उनका विमान त्रिशूल एयरबेस पर लैंड किया। वहां राष्ट्रपति का स्वागत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी ने किया। राष्ट्रपति ने आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को पीएचडी की उपाधि और मेडल प्रदान किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा- बीमारी के रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। इसमें आईवीआरआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा- मैं जिस परिवेश से आती हूं वो प्रकृति के निकट है।

संस्थान ने हासिल कीं कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां

राष्ट्रपति ने कहा- 1889 में स्थापित इस संस्थान ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध कार्यों और इस संस्थान के नाम दर्ज अनेक पेटेंट्स, डिजाइन, कॉपीराइट्स की भी चर्चा की। उन्होंने कहा- प्रिवेंशन इज बेटर देन क्योर' कहावत पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी पूरी तरह से लागू होती है। बीमारियों के रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। इस संस्थान के लिए गर्व का विषय़ है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनेक टीके यहीं पर विकसित किए गए। राष्ट्रपति ने उपाधि व पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा-पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर गर्व हो रहा है कि बेटियां अन्य क्षेत्र की तरह पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह शुभ संकेत है। उन्होंने कैटल शेड की चर्चा करते हुए कहा कि मां, बहन गायों की सेवा करती थीं। गायों व पशुओं से माता-बहनों का जुड़ाव अधिक है। इस क्षेत्र में बेटियों का जुड़ाव देखकर बहुत अच्छा लगा। राष्ट्रपति ने कहा-वन हेल्थ की अवधारणा महत्वपूर्ण होती जा रही है। माना जाता है कि मानव, घरेलू तथा जंगली जानवर, वनस्पति व व्यापक पर्यावरण एक-दूसरे पर आश्रित हैं। हमें अपनी परंपरा व इस अवधारणा का अनुसरण करते हुए पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। प्रमुख पशु संस्थान के रूप में इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट जेनेटिक बीमारियों के नियंत्रण और रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने-समझने की शक्ति दी है। उसका उपयोग जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

पशु संपदा का संरक्षण व विकास हमारा कर्तव्य

राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज गांव-गांव में घरेलू पशु नहीं दिख रहे हैं। यह पशु खेती में सहयोग करते हैं। आज टेक्नोलॉजी तो आई, लेकिन जमीन में खेती के साथी केंचुआ आदि समाप्त हो रहे हैं। इससे जमीन बंजर हो रही है। जमीन उर्वरता के लिए किसानों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों व आमजन को सोचना चाहिए। पशु संपदा का संरक्षण व विकास हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

टेक्नोलॉजी के प्रयोग से लाए जा सकते हैं क्रांतिकारी बदलाव

राष्ट्रपति ने कहा- टेक्नोलॉजी अन्य क्षेत्र की तरह पशु चिकित्सा और देखभाल में भी क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है। टेक्नोलॉजी के प्रयोग से देश भर के पशु चिकित्सा को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम एडिटिंग, एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी, एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स जैसे टेक्नोलॉजी के प्रयोग से इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके आईवीआरआई जैसे संस्थानों को पशु रोगों के निदान और पोषण उपलब्ध कराने के लिए स्वदेशी व सस्ते उपाय ढूंढने चाहिए। साथ ही उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए, जिनके साइड इफेक्ट्स न केवल पशुओं, बल्कि मनुष्यों व पर्यावरण को भी प्रभावित करते रहे हैं।

मनरेगा बना भ्रष्टाचार का अड्डा

शाहपुर पंचायत में फर्जी हाजिरी और फोटो से लाखों की लूट का आरोप

बाराबंकी, 30 जून (एजेंसियां)। सरकार की महत्वाकांक्षी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को उनके गांव में ही रोजगार प्रदान करना है, बाराबंकी में भ्रष्टाचार का गढ़ बनती जा रही है। ताजा मामला ब्लॉक मसौली के ग्राम पंचायत शाहपुर का है, जहां मनरेगा योजना के तहत चल रहे गड़रहा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। किसान यूनियन के सदस्यों ने इस संबंध में गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) की मिलीभगत से फर्जी मस्टररोल भरे जा रहे हैं और सरकारी धन का खुलेआम बंदरबांट किया जा रहा है।

किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने बताया कि मौके पर काम करने वाले मजदूरों की संख्या मुश्किल से 25 से 30 होती है, लेकिन मस्टररोल में 81 लोगों की हाजिरी चढ़ाई जाती है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि काम करने का केवल एक ही फोटो बार-बार ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाता है, जिससे फर्जीवाड़े को छिपाया जा सके। जब किसान मजदूर संगठन के लोगों ने इस धांधली के संबंध में ग्राम प्रधान से जानकारी लेनी चाही, तो उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताया और कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। किसान नेता अमित सोनी का स्पष्ट कहना है कि ग्राम पंचायत शाहपुर में मनरेगा योजना के तहत हो रहे विकास कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक और ग्राम पंचायत सचिव को इस पूरे मामले में संलिप्त बताया है। यह मामला मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना में पारदर्शिता की कमी और जवाबदेही के अभाव को दर्शाता है। शिकायतकर्ताओं ने इस संबंध में लोकायुक्त और अन्य उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा है, जिसमें मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। बहरहाल, सच्चाई क्या है, यह तो विस्तृत जांच के बाद ही पता चल पाएगा। अब देखना यह होगा कि इस मामले में शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई होती है, या फिर सरकारी धन की यह बंदरबांट इसी तरह जारी रहेगी, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों को रोजगार से वंचित रहना पड़ेगा।

महिला ने 3 बच्चों के साथ खाया जहर

नालंदा, 30 जून (एजेंसियां)। नालंदा में पति से झगड़े के बाद महिला ने 3 बच्चों के साथ जहर खा लिया है। इलाज के दौरान सोमवार सुबह मां की मौत हो गई है। घरेलू विवाद से परेशान एक महिला ने आत्महत्या कर लिय.ा है। मामला दीपनगर थाना क्षेत्र के मघड़ा गांव का है। खुशबू कुमारी (35) ने रात में अपने पति राजीव रविदास के साथ हुए विवाद के बाद यह कदम उठाया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी और पीड़ित बच्चे कल्लू कुमार (8) के अनुसार, बीती रात मां-बाप के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई थी। सुबह खुशबू कुमारी ने सामान्य दिनचर्या के अनुसार सभी के लिए नाश्ता तैयार किया। उनके पति राजीव रविदास मजदूरी के लिए बिहार शरीफ चले गए। पति के जाने के कुछ समय बाद ही खुशबू कुमारी ने खेतों में छिड़काव के लिए इस्तेमाल होने वाले सल्फास के पाउडर को पानी में मिलाकर शरबत बनाया। महिला ने पहले अपने तीनों बच्चों-10 साल की सुगी कुमारी, 8 साल की कल्लू कुमार और 4 साल की आर्यन कुमार को यह जहरीला घोल पिलाया, और फिर खुद भी इसका सेवन कर लिया।

16 साल छोटे प्रेमी के साथ महिला का सुसाइड

बुलंदशहर, 30 जून (एजेंसियां)। बुलंदशहर में एक शादीशुदा महिला और उसके 16 साल छोटे प्रेमी ने सुसाइड कर लिया। महिला ने अपने घर में फांसी लगाई। जैसे ही इस बात की जानकारी लड़के को हुई, उसने घर के पास बने बकरी फार्म में जाकर फांसी लगा ली। दोनों ने 1 घंटे के अंदर जान दी। गांव के लोगों के मुताबिक, दोनों को 16 दिन पहले परिजनों ने एक साथ देखा था। जिसके बाद प्रेमिका का अपने पति से विवाद हुआ था। महिला को दोबारा प्रेमी से न मिलने की चेतावनी दी गई थी।

सीएम योगी बोले : आईवीआरआई की 136 वर्षों की साधना प्रेरणास्रोत-संवेदनाओं को विज्ञान से जोड़ते हैं वैज्ञानिक

बरेली, 30 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में शोधकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। आप जैसे वैज्ञानिक मूक पशुओं की आवाज बनते हैं। आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को पदक और उपाधियां वितरित कीं।

मुख्यमंत्री ने बरेली को भारत की पौराणिक और आध्यात्मिक नगरी बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में पांचाल देश के रूप में विख्यात था। यहां सात प्राचीन नाथ मंदिर हैं, जिन्हें 'नाथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित किया जा रहा है। बाबा अलखनाथ, वनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वरनाथ, मढ़ीनाथ, धोपेश्वरनाथ और श्री पशुपातिनाथ मंदिर बरेली की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जहां मंदिरों की श्रृंखला बरेली को आध्यात्मिक पहचान देती है, वहीं आईवीआरआई ने इसे आधुनिक वैज्ञानिक पहचान प्रदान की है।

'हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है आईवीआरआई'

सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर दो लाख से अधिक कोविड जांच करवाईं। सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई की प्रतिबद्धता यह दिखाता है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है।

संस्थान ने लंपी से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई-योगी

सीएम योगी ने कहा कि लंपी स्किन डिज़ीज की दूसरी लहर के दौरान जब गोवंश बुरी तरह प्रभावित हुआ, तब आईवीआरआई द्वारा विकसित टीके ने उत्तर प्रदेश को संक्रमण से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों को उनके मूक प्राणियों की सेवा के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी खोजों ने किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। पशुधन की उन्नत नस्ल देकर अन्नदाता को सशक्त किया है। आईवीआरआई की 136 वर्षों की यह साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

आपराधिक घटनाएं

22 साल के प्रेमी और 32 साल की प्रेमिका ने फंदा लगाकर दी जान, दोनों में हुआ था विवाद

बुलंदशहर, 30 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से सनसनी फैलाने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रेमी युगल ने खुदकुशी कर ली। प्रेमी और प्रेमिका ने अपने-अपने घरों में फंदा लगाकर जान दे दी। जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के अहमदगढ़ थाना इलाके के गांव उटरावली में प्रेम प्रसंग के चलते गीता (32) और करण (22) ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

परिजन और ग्रामीणों को देर रात दोनों के खुदकुशी करने की जानकारी हुई। ग्रामीणों में दबी जुबान में बताया कि करण अपने मामा कृष्णपाल के यहां रहता था। वह गांव के एक बकरी फार्म पर नौकरी करता था। पड़ोस में रहने वाली महिला से प्रेम प्रसंग हो गया था। रविवार देर शाम दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद दोनों ने अपने-अपने घर में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

जिस हाथ से लड़की को छेड़ा, पुलिस ने वही हाथ तोड़ा

मुजफ्फरनगर, 30 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में एक 65 साल के मुस्लिम व्यक्ति ने बीच सड़क पर युवती से छेड़छाड़ की। उसे बैड टच किया। युवती ने पहले व्यक्ति को पकड़ कर बीच सड़क पर पीटा। फिर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद उसका वही हाथ तोड़ दिया, जिससे उसने छेड़छाड़ की थी। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। एक फुटेज में आरोपी बीच सड़क लड़की को छेड़ता दिख रहा है। जबकि दूसरी फुटेज में आरोपी का हाथ कांप रहा है। घटना खालापार कोतवाली क्षेत्र की है।

पैसे कमाने मॉरिशस गया, गुड़गांव में लटकी मिली लाश

महराजगंज, 30 जून (एजेंसियां)। मॉरिशस कमाने गए महराजगंज के युवक का शव गुरुग्राम में फंदे से लटका मिला। वह किराए के मकान में रहता था। मकान में रहने वाले दूसरे किराएदारों ने उसका शव सीढ़ी से लटकता देखा। युवक को वीजा में गड़बड़ी के चलते मुंबई डिपोर्ट किया गया था।

इसके बाद वो गुरुग्राम में नौकरी तलाश रहा था। घटना गुरुग्राम के डूंडाहेड़ा की है। पुलिस ने मृतक युवक के परिजनों को सूचना दे दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक निचलौल तहसील के धरमौली गांव का रहने वाला था। शुरुआती जांच में युवक पर काफी कर्ज होने की बात सामने आई है। वह इसीलिए अपने गांव नहीं लौटा था।

टीचर ने सिपाही को दौड़ाकर मारी गोली

बागपत, 30 जून (एजेंसियां)। बागपत में एक टीचर ने हेड कॉन्स्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी। रविवार दोपहर दोनों में क्रिकेट खेलने को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ कमेंट किए। बात इतनी बढ़ गई कि टीचर ने हेड कॉन्स्टेबल को मारने का प्लान बना लिया। रविवार रात हेड कॉन्स्टेबल कहीं से घर लौट रहा था। रास्ते में टीचर घात लगाकर बैठा था। उसे देखते ही टीचर ने फायरिंग कर दी। बचने के लिए भागा तो दौड़ाकर हेड कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। गोली पेट को चीरती हुई आर-पार हो गई। वह अचेत होकर वहीं गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर घरवाले मौके पर पहुंचे। लेकिन आरोपी तब तक भाग चुका था। आनन-फानन में हेड कॉन्स्टेबल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला कोतवाली क्षेत्र के सुनहैड़ा गांव का है।

गनर को अंदर न जाने पर एमएलसी व पुलिस अधिकारी में हुई बहस

बार-बार डील के बारे में जवाब मांगते दिखे एमएलसी पाठक

कानपुर, 30 जून (एजेंसियां)। एमएलसी अरुण पाठक की सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों के हथियार के साथ ग्रीनपार्क स्टेडियम के अंदर प्रवेश करने से मना करने के मामले को लेकर एमएलसी और वहां तैनात एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा से बहस हो गई। जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। वह आपरेशन सिंदूर कप क्रिकेट मैच के अवसर पर रविवार को वहां आमंत्रित थे।

बताया जा रहा है कि इस बीच वहां पर तैनात एसीपी कैंट ने भी अपनी बात रखनी चाही तभी एडीसीपी बीच में आ गई और एमएलसी की ओर इंगित करती हुई वह महिला एसीपी को रोकते हुए बोली तुम रुको मैं इन्हें एक कार्यक्रम के दौरान डील कर चुकी हूं। इसी बात को लेकर अरुण पाठक गुस्सा हो गए। इसके बाद एमएलसी पाठक एडीसीपी से बार-बार पूछने लगे कि डील क्या किया है, पहले इसका उत्तर दो। एडीसीपी के पास इसका कोई जवाब नहीं था। मामला बढ़ने लगा तो वह वहां से से चली गईं। थोड़ी देर के बाद वहां महापौर प्रमिला पांडेय व कुछ और भाजपा पदाधिकारी भी पहुंच गए। उसके बाद मामला शांत हुआ। बताया जा रहा है कि मामला उस समय बढ़ा जब एसीपी कैंट की ओर से एमएलसी पाठक की सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों से उनका बैज नंबर और नाम पूछा जाने लगा। इस संबंध में अरुण पाठक का कहना है कि वह महिला अधिकारी के बयान से आहत हैं। डील करना क्या होता है, वे इसका जवाब दें। क्योंकि पुलिस कर्मी उनकी सुरक्षा में लगे है, ऐसे में उनके विषय में जो कुछ पूछना था तो हमसे कहतीं। यह ठीक नहीं था।

प्रयागराज की दलित लड़की को आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी

प्रयागराज, 30 जून (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नाबालिग लड़की को अगवा किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गए। जबरन धर्म परिवर्तन कराया। फिर उसे जिहाद के नाम से ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़ित वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां रेलवे पुलिस को उसने आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस नाबालिग को प्रयागराज लेकर आई।

पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद कैफ और उसकी साथी एक नाबालिग लड़की को अरेस्ट कर लिया। आरोपियों के गिरोह में कौन-कौन शामिल हैं? यह गिरोह अब तक कितने लोगों को शिकार बना चुका है? इसकी जांच के लिए पुलिस की 3 टीमें बनाई गई हैं। वहीं मामला आतंकी ट्रेनिंग से जुड़ा होने के कारण एटीएस की प्रयागराज यूनिट फूलपुर थाने पहुंची। एटीएस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आतंकी साजिश को लेकर जांच शुरू की है। बताया गया कि एटीएस पीड़ित नाबालिग दलित से भी पूछताछ करेगी।

यूपी रेलवे का नया नियम बना मुसीबत

32 हजार यात्रियों ने ईएफटी से किया सफर, 80 लाख जुर्माना वसूला गया

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)। केस 1 : शोभित यादव वृंदावन सेक्टर पांच के रहने वाले हैं। उन्हें शनिवार को पुष्पक एक्सप्रेस से मुंबई जाना था। उन्होंने स्लीपर में टिकट बुक करवाने का प्रयास किया, लेकिन रिग्रेट होने से मायूस हो गए। शनिवार रात वह स्टेशन पहुंचे और टीटीई से एक्स्ट्रा फेयर टिकट (ईएफटी) बनवाया। उन्होंने टिकट दर 635 रुपये के अतिरिक्त 250 रुपये जुर्माना भरा और यात्रा की।

केस 2 : नेहा सिंह पेशे से इंजीनियर हैं। दिल्ली जाने के लिए आईआरसीटीसी एप पर लखनऊ मेल में थर्ड एसी बुकिंग में रिग्रेट चल रहा था। आरक्षण केंद्र पहुंचने पर भी टिकट बुक नहीं हुआ। नतीजा, वह रविवार को यात्रा नहीं कर सकीं। सोमवार सुबह वह तत्काल कोटे में किस्मत आजमाया। टिकट नहीं मिलने पर बस से दिल्ली गई।

ये दो केस महज बानगी हैं।

इन दिनों रेलवे का नया नियम यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया है। स्लीपर व एसी बोगियों में वेटिंग टिकटों की संख्या सीमित करने से टिकट बुकिंग रिग्रेट हो रही है। मजबूरी में यात्री स्टेशन पर टीटीई से एक्स्ट्रा फेयर टिकट (ईएफटी) बनवाकर सफर करने का मजबूर हैं। ईएफटी पर टिकट मूल्य के साथ 250 से 400 रुपये तक जुर्माना भी वसूला जाता है। हफ्तेभर में 32 हजार यात्रियों ने ईएफटी पर यात्रा की है। इन्होंने 2.25 करोड़ रुपये अदा किए हैं। इनसे ईएफटी के एवज में 80 लाख रुपये जुर्माना भी वसूला गया है। नये नियम के अनुसार ट्रेनों में कुल सीटों की 25 प्रतिशत सीटें ही वेटिंग में बुक होंगी। इसके बाद बुकिंग रिग्रेट हो जाता है और टिकट बुक नहीं होते। ये व्यवस्था अभी ट्रायल पर है। लखनऊ से दिल्ली, मुंबई, हावड़ा आदि रूट की ट्रेनों में वेटिंग का कोटा तेजी से भर जा रहा है। इसके बाद यात्रियों को ऑनलाइन या काउंटर से टिकट मिल ही नहीं रहे हैं। ऐसी स्थिति में स्लीपर व थर्ड एसी से सफर करने वाले बगैर टिकट ही स्टेशन पहुंच रहे हैं। टीटीई से ईएफटी बनवा रहे हैं। अफसरों के अनुसार उत्तर, पूर्वोत्तर, उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर एक हफ्ते के अंदर ईएफटी बनवाने वालों की संख्या अचानक से बढ़ गई है।

रेलवे मालामाल, यात्री हो रहे कंगाल

दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल ने बताया कि रेलवे जब वेटिंग के टिकट जारी करता था तो उसे सिर्फ टिकट की कीमत मिलती थी। अब लोग मजबूरी में ईएफटी बनवा रहे हैं, जिनसे जुर्माना भी वसूला जा रहा है। इससे रेलवे तो मालामाल हो रहा है, लेकिन यात्री कंगाल हो रहे हैं।

इसलिए रेलवे ने वेटिंग टिकट किए सीमित

रेलवे अधिकारी बताते हैं कि आरक्षित बोगियों में वेटिंग टिकट पर यात्रा करने की संख्या बढ़ती जा रही थी। इससे सीट पर कब्जा, एसी की कूलिंग में कमी, गंदगी की शिकायतें भी बढ़ गई थीं। वेटिंग टिकट पर लोग यात्रा न करें, इसके लिए ही वेटिंग टिकटों की संख्या सीमित करने का नया नियम ट्रायल के तौर पर लागू किया गया है।

पहले 350 तक जाती थी वेटिंग, अब 105 पर सिमटी

लखनऊ से मुंबई, दिल्ली व हावड़ा रूट की ट्रेनों में पहले वेटिंग लिस्ट 350 तक पहुंच जाती थी। नए नियम के बाद से वेटिंग 105 तक सिमट रही है। इसके बाद टिकट नहीं बुक होते। मसलन, लखनऊ से मुंबई जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में वेटिंग 350 तक होती थी, जो अब 105 पर सिमट गई है। ऐसे ही थर्ड एसी की वेटिंग 78 से 35, थर्ड एसी इकोनॉमी 85 से 30, सेकेंड एसी 25 से 10 और फर्स्ट एसी 10 से चार तक रह गई है।

मुंह में पन्नी ठूंसकर 6 साल की बच्ची से रेप

हरदोई, 30 जून (एजेंसियां)। यूपी के हरदोई में घर के बाहर खेल रही 6 साल की बच्ची से 23 वर्षीय पड़ोसी युवक ने रेप कर दिया। बच्ची ने चिल्लाने की कोशिश की तो मुंह में पन्नी ठूंस दी। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी और शव को घर से 400 मीटर दूर नाले में फेंक दिया।

बच्ची के लापता होने की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। पुलिस ने ग्रामीणों के शक के आधार पर आरोपी युवक को हिरासत में लिया। आरोपी लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा। जब पुलिस ने उसकी कनपटी पर गन तान दी तो आरोपी ने अपना पूरा जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर शुक्रवार शाम पुलिस ने शव को नाले से बरामद किया, जिसे पुआल के नीचे दबाकर छिपाने की कोशिश की गई थी। वहीं शाम में क्राइम सीन रीक्रिएशन के लिए जब पुलिस आरोपी को घटना स्थल ले जा रही थी तो उसने पुलिस की पिस्टल छीनकर हमला कर दिया और भागने का प्रयास किया।

पत्नी की मौत, पति पर मर्डर का आरोप

बहन बोली-7 साल पहले हुई थी शादी जीजा का भगिनी से था अफेयर

बेगूसराय, 30 जून (एजेंसियां)। बेगूसराय में एक महिला की मौत हो गई। इस मामले में मायके वालों ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, ससुराल पक्ष का कहना है महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना नावकोठी थाना क्षेत्र के चकमुज्जफर गांव स्थित वार्ड नंबर-13 की है।

मृतका विकास राम की पत्नी पूनम देवी (25) है। घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की छानबीन कर रही है। ससुराल के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो गए हैं। घटना के संबंध में मृतका की बहन बबीता देवी ने बताया कि 7 साल पहले पूनम की शादी विकास के साथ हुई थी। विकास का प्रेम संबंध शादी से पहले से ही रिश्ते की भगिनी से चलता था। जिसको लेकर पति-पत्नी में बराबर मनमुटाव होता था। कल दोपहर में हमारी बहन से बात हुई थी, उसे समय तक ठीक थी। शाम में वह लड़की मेरे बहन के घर आई, तो विकास ने पूनम को पानी लेने के लिए भेज दिया।

आरएसएस महासचिव होसबाले के खिलाफ यूथ कांग्रेस की शिकायत

> संविधान की प्रस्तावना से सोशलिस्ट-सेक्युलर हटाने से लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान होगा

बेंगलुरु, 30 जून (एजेंसियां)। यूथ कांग्रेस ने बेंगलुरु में आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि होसबाले ने प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द को हटाने की बात कही है। युवा कांग्रेस लीगल सेल के चेयरमैन श्रीधर, को-चेयरमैन समृद्ध हेगड़े ने आरोप लगाया यह सिर्फ एक वैचारिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह संविधान की मूल भावना को कमजोर करने का प्रयास है।

श्रीधर ने पत्र में लिखा कि इस तरह के सार्वजनिक बयान लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाते हैं और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। होसबाले ने कहा था कि मूल संविधान में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं थे। इमरजेंसी के समय इन्हें जोड़ दिया गया था। तो क्या ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।

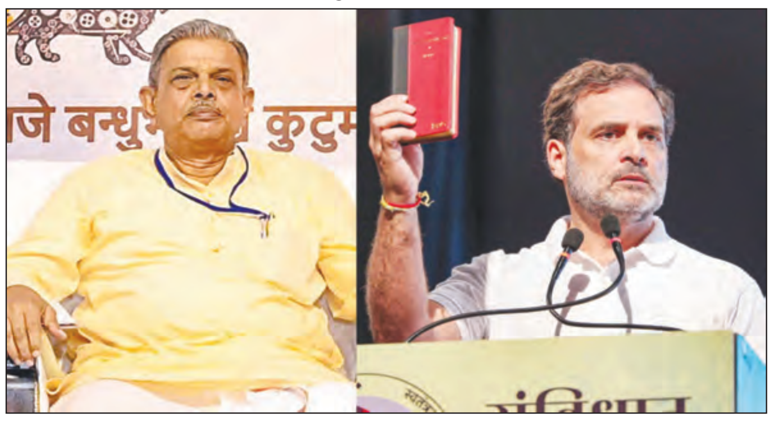

26 जून को दिल्ली में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम और 27 जून को हैदराबाद में 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम में दत्तात्रेय होसबाले ने कहा था कि मूल संविधान में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं थे। इमरजेंसी के समय इन्हें जोड़ दिया गया था। उन्होंने कहा था- आपातकाल के दौरान भारत के संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द सेक्युलरिज्म और सोशलिज्म जोड़े गए। ये पहले संविधान की प्रस्तावना में नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। चर्चा हुई दोनों प्रकार के पक्ष रखे गए। तो क्या ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।

उन्होंने कहा था कि इमरजेंसी के समय संविधान की हत्या की गई थी और न्यायपालिका की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई थी। इमरजेंसी के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में डाला गया, 250 से ज्यादा पत्रकारों को कैद किया गया, 60 लाख लोगों की जबरन नसबंदी करवाई गई। अगर ये काम उनके पूर्वजों ने किया था तो उनके नाम पर माफी मांगनी चाहिए।'

सीपीआई (एम) सांसद-संविधान की भावना को कमजोर न करें

सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद संतोष कुमार ने भी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लेटर लिखकर कहा कि संगठन संविधान की भावना को माने और उसे कमजोर करने की कोशिश बंद करे। कुमार ने अपने पत्र में लिखा कि सोशलिस्ट और सेक्युलर जैसे शब्द भारत की विविधता और न्यायपूर्ण समाज की नींव हैं। इन्हें हटाने की बात करना आजादी के समय जनता से किए गए वादों को तोड़ने जैसा है।

राहुल गांधी ने कहा था-आरएसएस-बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए

दत्तात्रेय के बयान पर राहुल गांधी ने X पोस्ट में लिखा था-भाजपा-आरएसएस बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है।'

पुरी में भगदड़ के एक दिन बाद भक्तों की भीड़

भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़े हजारों लोग

पुरी, 30 जून (एजेंसियां)। पुरी में रविवार को हुई भगदड़ के एक दिन बाद सोमवार को हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने श्री गुंडिचा मंदिर के पास कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पुलिस अधिकारी सौरेंद्र प्रियदर्शी ने बताया कि मंदिर के सामने बैरिकेडिंग लगाई गई है और सुचारू रूप से दर्शन के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं।

सोमवार रात मंदिर में 'पहुड़ा' यानी भगवान के विश्राम का समय नहीं हुआ, क्योंकि कई जरूरी धार्मिक अनुष्ठान निर्धारित थे। मंगलवार सुबह 7:40 बजे 'मंगल आरती' हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने बिना किसी परेशानी के हिस्सा लिया। भगवान जगन्नाथ को करीब 20 दिनों बाद पकाया हुआ प्रसाद 'आदापा मंडप प्रसाद' अर्पित किया गया। मान्यता है कि 'आदापा मंडप' पर विराजे भगवान के दर्शन करने से सारे पाप मिट जाते हैं।

सुरक्षा में बड़े स्तर पर हुए बदलाव

पुलिस प्रशासन ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में बिना किसी अवरोध के दर्शन की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना के बाद बड़े स्तर पर प्रशासन में बदलाव किए हैं ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंगलवार को भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। नई नियुक्ति के तहत पुरी के जिलाधिकारी चंचल राणा और एसपी पिनाक मिश्रा ने भी जिम्मेदारी संभाल ली है। दोनों अधिकारी मौके पर रहकर लगातार व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। रथ यात्रा 27 जून से शुरू हुई है और 8 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान 'आदापा बीजे', 'बहुड़ा यात्रा' और 'सुनाबेशा' जैसे प्रमुख अनुष्ठान होंगे। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा 5 जुलाई तक श्री गुंडिचा मंदिर में विराजमान रहेंगे।

भाजपा टीएमसी से पूछ रही तीखे सवाल

गिरिराज बोले-ममता सरकार में महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं बंगाल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। कोलकाता लॉ कॉलेज में विधि छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर देशभर में आक्रोश है। वहीं इस मामले में अब सियासत भी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार में बंगाल न तो हिंदुओं के लिए सुरक्षित है और न ही महिलाओं के लिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ममता बनर्जी खुद महिला होते हुए भी इस शर्मनाक घटना और टीएमसी नेताओं की विवादित टिप्पणियों पर चुप हैं। यह चिंता की बात है।

मुख्तार अब्बास नकवी ने भी टीएमसी को घेरा

इसी तरह, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि इस घटना पर टीएमसी नेताओं की प्रतिक्रिया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार अपराध को नजरअंदाज कर रही है। नकवी ने कहा कि ऐसा लगता है कि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। यह स्थिति बेहद गंभीर है और इसमें तुरंत कार्रवाई की जरूरत है।

हालांकि दूसरी ओर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इस मामले में भाजपा के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा जांच एजेंसी कब से बन गई? उन्हें अपने राज्यों की भी सच्चाई देखनी चाहिए। यह समाज में फैलती मानसिक विकृति है, इसका इलाज राजनीतिक फायदा नहीं, बल्कि बौद्धिक जागरूकता है। गौरतलब है कि भाजपा ने इस मामले की जांच के लिए चार सदस्यों की एक फैक्ट-फाइंडिंग टीम बनाई है, जो इस घटना की पूरी जानकारी जुटाकर पार्टी नेतृत्व को रिपोर्ट सौंपेगी।

अमरनाथ के लिए जम्मू में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

> 2 जुलाई को पहला जत्था बेस कैंप से रवाना होगा > जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जम्मू, 30 जून (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी। इसके लिए सभी इंतजाम लगभग पूरे हो गए है। इस साल अब तक करीब 3.5 लाख श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। जिन श्रद्धालुओं ने अभी तक ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए जम्मू में ऑफलाइन पंजीकरण सोमवार से शुरू हो गया है। प्रशासन की ओर से स्पेशल रजिस्ट्रेशन सेंटर बनाए गए हैं। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवतीनगर बेस कैंप से रवाना होगा। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 9 अगस्त (38 दिन) तक पहलगाम रूट और बालटाल रूट से होगी। अनंतनाग जिले में पारंपरिक पहलगाम रूट 48 किमी लंबा है, जबकि गांदरबल जिले में बालटाल रूट की लंबाई 14 किमी है।

श्रद्धालु बोले-आतंकियों का डर नहीं

यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। रजिस्ट्रेशन कराने आए एक श्रद्धालु ने कहा, 'इस बार लोग उत्साहित हैं। पहलगाम हमले के बाद भी अब कोई डर नहीं है। व्यवस्थाएं अच्छी हैं और प्रशासन हमारे साथ है।' एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, 'मुझे बाबा अमरनाथ पर भरोसा है। आतंकवादी जो चाहें करें, हम पर इसका कोई असर नहीं होगा। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे जम्मू-कश्मीर आएं ताकि हमारी सेना और सरकार यह कह सके कि हम पर आतंकियों की हरकतों का कोई असर नहीं हैं।'

यात्रा रूट पर 50 हजार से ज्यादा जवान मुस्तैद

यात्रा शुरू होने से पहले पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। इसके चलते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे मल्टी स्टेज सिक्योरिटी तैनात की है। यह हाईवे यात्रा के अहम रास्तों में से एक है। हाईवे पर सीआरपीएफ का K-9 दस्ता (डॉग स्क्वॉड) भी तैनात किया गया है। लैंडस्लाइड की प्री प्लानिंग के लिए सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और जम्मू-कश्मीर स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स ने रविवार को हाईवे पर समरोली, तोल्डी नाला में जॉइंट मॉक ड्रिल की। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तकनीकी इनपुट और चेहरा पहचानने के सिस्टम (एफआरएस) के जरिए वैरिफिकेशन किया जाएगा। काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जा रहे हैं। सशस्त्र बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। लगभग 42 हजार से 58 हजार जवान तैनात होंगे।

पुरी भगदड़-एग्जिट गेट बंद कर वीआईपी एंट्री हो रही थी

प्रत्यक्षदर्शी बोले-ट्रक घुसने से भगदड़ मची, एंबुलेंस दूर खड़ी थी, लोगों ने घायलों को उठाया

भुवनेश्वर, 30 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के समय मौजूद लोगों ने बताया- एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट था। एग्जिट गेट बंद कर दिया गया था। वहीं से वीआईपी एंट्री करवाई जा रही थी। आम भक्तों के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। पुलिस भीड़ को संभाल नहीं पाई।

इसी बीच, रथ के सामने पूजा सामग्री से लदे दो ट्रक घुस आए, जिससे कई भक्त ट्रक से टकराकर गिर पड़े। इससे ही भगदड़ मच गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं था। एंबुलेंस एक किमी दूर थी। घायलों को लोग हाथों पर उठा ले गए। पुरी में रविवार सुबह 4:20 बजे जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मच गई। इसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हुए। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन के लिए भारी भीड़ जुटी थी।

चुराचांदपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने चार लोगों की गोली मारकर हत्या की, इलाके में तनाव

इंफाल, 30 जून (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में पिछले साल से जारी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वालों में एक 60 वर्षीय महिला भी शामिल है। हमला चुराचांदपुर जिले के मोंगजंग गांव के पास दोपहर करीब 2 बजे हुआ। जब पीड़ित कार में यात्रा कर रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोंगजंग गांव चुराचांदपुर शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर स्थित है। चुराचांदपुर जिला मुख्यालय में मौजूद एक अन्य अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार पीड़ितों को नजदीक से गोली मारी गई।

शिलोम के घर से सोनम का लैपटॉप और गहने मिले

इसी लैपटॉप से बुक किए थे शिलॉन्ग के टिकट; सर्च हिस्ट्री डिलीट की

इंदौर, 30 जून (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यापारी राजा रघुवंशी मर्डर केस की जांच में जुटी शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी एक बार फिर मध्यप्रदेश में है। एसआईटी की टीम ने शिलोम जेम्स के इंदौर स्थित घर और रतलाम स्थित ससुराल में तलाशी ली। शिलोम के घर से सोनम का लैपटॉप, गहने और पेनड्राइव जब्त किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजा और सोनम के हनीमून ट्रिप पर शिलॉन्ग जाने के टिकट इसी लैपटॉप से बुक किए गए थे। इसकी ब्राउजर हिस्ट्री भी डिलीट की गई थी। यह भी जानकारी सामने आई है कि सोनम ने शिलॉन्ग के अलावा कुछ और शहरों को भी चिह्नित किया था, जहां वह राजा की हत्या कर सके। यह सब लैपटॉप की सर्च हिस्ट्री से हटाया गया। लैपटॉप में कुछ निजी कंपनियों से जुड़े दस्तावेज और फाइनेंशियल डेटा भी मिला है।

कुछ लोगों से संपर्क में था शिलोम आज क्राइम ब्रांच के दफ्तर में शिलोम से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, राजा हत्याकांड के बाद शिलोम कुछ लोगों के संपर्क में था। वह मोबाइल पर लगातार उनसे बात कर रहा था। एसआईटी उनकी जानकारी निकालना चाहती है। फिर उनसे भी सवाल-जवाब किए जाएंगे।

शिलोम के ससुराल से बैग बरामद इससे पहले शिलॉन्ग एसआईटी की टीम शनिवार रात इंदौर पहुंची और शिलोम को लेकर उसके घर गई थी। यहां रात में उसकी पत्नी और बहन से पूछताछ की। दूसरे दिन रविवार सुबह एसआईटी के सदस्य क्राइम ब्रांच की टीम के साथ रतलाम पहुंचे। उनके साथ शिलोम, उसकी पत्नी और साली भी थीं। टीम ने यहां से एक बैग जब्त किया है। इसमें लैपटॉप होना बताया जा रहा है। शिलॉन्ग पुलिस दो कारों से रविवार दोपहर 3 बजे मंगलमूर्ति कॉलोनी पहुंची थी। यहां जेम्स का ससुराल है। मकान म्यूचल फंड का काम करने वाले उसके ससुर मनोज गुप्ता का है। पिछले 15 दिन से इस घर पर ताला लगा हुआ था।

यहां करीब 1 घंटे तलाशी के बाद शिलॉन्ग पुलिस शिलोम को लेकर वापस इंदौर रवाना हो गई। जब दैनिक भास्कर ने बात करना चाही तो एसआईटी के अधिकारियों ने नो कमेंट्स कह दिया। पार्ट ऑफ इन्वेस्टिगेशन कहा और कार में बैठ गए। वे शिलोम को पत्नी और साली को लेकर साथ नहीं गए।

ससुराल में नहीं मिला मनोज गुप्ता शिलॉन्ग एसआईटी की टीम ने इंदौर-रतलाम बायपास के एक ढाबे पर कई घंटे तक सीनियर अफसरों से बात की।

दिल्ली में कोरोना से दो की मौत

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में कोरोना से दो बुजुर्गों ने दम तोड़ दिया। दोनों पहले से अस्पताल में दूसरी बीमारी का इलाज करवा रहे थे।

इलाज के दौरान संक्रमण होने से स्थिति गंभीर हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को 73 वर्षीय पुरुष ने दम तोड़ा। वह पहले से मेटास्टेटिक लंग कार्सिनोमा, एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, बी/एल निमोनिया, उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे।

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का किया भंडाफोड़, 60 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर, 30 जून (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है । इस कार्रवाई में राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की गई। इस कार्टेल को पाकिस्तानी तस्कर तनवीर शाह और कनाडा में रहने वाला हैंडलर जोबन कलेर संचालित कर रहा था।

पंजाब पुलिस ने इस ऑपरेशन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर से नौ प्रमुख तस्करों और हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों ने ड्रग तस्करी के इस विशाल नेटवर्क की कमर तोड़ दी, जो न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय था। बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपए आंकी गई है। पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस सफल कार्रवाई की जानकारी साझा की। पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन नार्को-आतंक के खिलाफ उनकी सतत लड़ाई का हिस्सा है।

पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने इस बारे में पूरी जानकारी दी। उनके वीडियो को पंजाब पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी जारी किया गया। इस वीडियो में उन्होंने कहा, "पंजाब पुलिस ने नशे के विरुद्ध बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने एक ऑपरेशन के तहत 60 किलो हेरोइन बरामद की है। इस ऑपरेशन से हमने बहुत बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसके बाद से कई राज्यों से हमने लोगों को गिरफ्तार किया है।

पत्नी की नाबालिग बहन से दुष्कर्म का दोषी अदालत ने सुनाई 10 साल जेल की सजा

ठाणे, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक अदालत ने पत्नी की नाबालिग चचेरी बहन से दुष्कर्म के दोषी व्यक्ति को सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी को 10 साल कठोर कारावास की सजा दी है। अदालत ने कहा कि इस सजा से एक संदेश जाना चाहिए कि ऐसे अपराध के दोषियों से पूरी सख्ती से निपटा जाएगा। ठाणे की विशेष पोक्सो अदालत के जज डीएस देशमुख ने अपने आदेश में बचाव पक्ष की उन दलीलों को खारिज कर दिया, जिसमें बचाव पक्ष ने कहा कि दोषी और नाबालिग के बीच सहमति से संबंध बने थे।

अदालत ने कहा कि पोक्सो कानून के तहत नाबालिग की सहमति वैध नहीं होती। मामले के अनुसार, 35 वर्षीय दोषी व्यक्ति महाराष्ट्र के उल्हासनगर का निवासी है, जिसने अपने चचेरी बहन से शादी की थी और दोनों का एक बेटा भी है। अभियोजन पक्ष का कहना है कि नाबालिग पीड़िता साल 2016 में अपने पिता की मौत के बाद आरोपी के नवी मुंबई स्थित आवास पर रह रही थी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि पत्नी के सो जाने के बाद आरोपी नाबालिग को गलत तरीके से छूता था। साथ ही आरोपी ने नाबालिग को धमकी दी कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया तो वह अपनी पत्नी को छोड़ देगा। आरोपी ने शादी के नाम पर नाबालिग का यौन शोषण किया।

दलाई लामा का 90वां जन्मदिवस

धर्मशाला के त्सुग्लाखांग मंदिर में समारोह, हजारों श्रद्धालुओं ने दी शुभकामनाएं, तिब्बत में चल रहे आंदोलन पर चर्चा

धर्मशाला, 30 जून (एजेंसियां)। कांगड़ा में धर्मशाला के मैकलोडगंज स्थित मुख्य तिब्बती मंदिर त्सुग्लाखांग में सोमवार को 14वें दलाई लामा का 90वां जन्मदिवस मनाया गया। तिब्बती चंद्र कैलेंडर के अनुसार यह आयोजन पांचवें महीने के पांचवें दिन किया गया। दलाई लामा का जन्म ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 6 जुलाई 1935 को हुआ था। समारोह का आयोजन डोमी प्रांत के लोगों ने किया। यह दलाई लामा का जन्मस्थान है। दलाई लामा गोल्फ कार्ट से मंदिर परिसर पहुंचे। मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें उनकी प्रतीक्षा कर रही थीं। उनके आगमन पर परिसर जयकारों से गूंज उठा।

कलाकारों ने प्रस्तुत किए तिब्बती नृत्य और गीत

कार्यक्रम में कलाकारों ने पारंपरिक तिब्बती नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। दलाई लामा की दीर्घायु के लिए विशेष प्रार्थना की गई। तिब्बती स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े कार्यकर्ताओं ने तिब्बत में चल रहे आंदोलन पर चर्चा की।

विदेशी श्रद्धालु भी हुए शामिल

मंदिर को पारंपरिक झंडियों और फूलों से सजाया गया था। स्थानीय निवासी, तिब्बती समुदाय, भिक्षु-भिक्षुणियां और विदेशी श्रद्धालु समारोह में शामिल हुए। दलाई लामा 1959 में तिब्बत से निर्वासन के बाद धर्मशाला में रह रहे हैं। वे शांति, करुणा और अहिंसा के वैश्विक प्रतीक हैं। उनके जन्मदिवस पर दुनिया भर से शुभकामनाएं मिल रही हैं। आगामी सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों का आयोजन केंद्रीय तिब्बती प्रशासन करेगा।

लाखों अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा

उनकी यह संभावित घोषणा न केवल तिब्बती समुदाय के लिए, बल्कि लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और अरुणाचल जैसे क्षेत्रों में रहने वाले लाखों अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दलाई लामा इन इलाकों में न केवल आध्यात्मिक गुरु हैं, बल्कि सामाजिक और नैतिक मार्गदर्शक भी हैं।

उत्तराधिकारी की नियुक्ति पर चीन का विरोध

हालांकि इस विषय को लेकर चीन पहले ही विरोध जता चुका है, और भविष्य में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति को नियंत्रित करने की कोशिशों में जुटा है। लेकिन दलाई लामा स्पष्ट कर चुके हैं कि उनका अगला पुनर्जन्म किसी स्वतंत्र समाज में होगा, और यह पुरुष भी हो सकता है या महिला भी। गौरतलब है कि वर्ष 2011 में दलाई लामा ने राजनीतिक भूमिका से स्वयं को अलग करते हुए लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सीटीए सरकार को जिम्मेदारी सौंपी थी। अब 2 जुलाई को होने वाली संभावित घोषणा को लेकर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध समुदाय और वैश्विक स्तर पर भी निगाहें धर्मशाला पर टिकी हुई हैं। यदि दलाई लामा पुनर्जन्म को लेकर कोई औपचारिक घोषणा करते हैं, तो यह तिब्बती इतिहास में एक नया अध्याय साबित हो सकता है।

2 जुलाई को पुनर्जन्म पर कर सकते हैं घोषणा

इस विशेष मौके पर एक और बड़ी घोषणा की संभावनाएं सामने आ रही हैं। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के अध्यक्ष सिक्योंग पेंपा त्सेरिंग के अनुसार, दलाई लामा 2 जुलाई को पुनर्जन्म को लेकर एक ऐतिहासिक घोषणा कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, 2 से 4 जुलाई के बीच धर्मशाला स्थित सीटीए मुख्यालय में तिब्बत की चार प्रमुख बौद्ध परंपराओं-साक्य, काग्यू, निंग्मा और गेलुग के वरिष्ठ धर्मगुरुओं के साथ दलाई लामा गहन विचार-विमर्श करेंगे।

भीड नियंत्रण में चूक क्यों ?

जब भी किसी भीड भरे कार्यक्रम में भगदड मचती है तो सबसे पहले शासन व प्रशासन पर ही उंगली उठना जायज है। कई लोग भीड के हवाले हो कर अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। इसके बाद भी भीड़ नियंत्रण में सरकारें लगातार फेल होती नजर आ रहीं हैं। पहले महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में भगदड़ मची। फिर बेंगलुरू की घटना सामने आई। अब पुरी रथयात्रा में भगदड़ ने तीन लोगों की जान ले ली। ऐसे में सवाल लाजमी है कि आखिर कहां और क्यों चूक हो रही है? ओडिशा के पुरी में रथयात्रा के दौरान मची भगदड़ ने एक बार कई सवाल खड़े कर दिए। ये अकेला मामला नहीं है, इससे पहले प्रयागराज महाकुंभ के दौरान भी भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई थी। बेंगलुरू में भी आईपीएल विजेता टीम आरसीबी के स्वागत समारोह के दौरान भगदड़ में कई लोगों को जान गंवानी पड़ी। एक के बाद एक हो रही घटनाओं ने सरकार-प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा? पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार को अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रक भीड़ वाली जगह पर घुस गए। ये ट्रक भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के पास पहुंच गए। इससे वहां अफरा-तफरी मच गयी। भगदड़ के बाद मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जिलाधिकारी और एसपी का ट्रांसफर कर दिया। इससे पहले बेंगलुरु में भी भगदड़ मचने से 11 लोगों की जान चली गई थी। ये हादसा उस समय हुआ था जब आईपीएल बेंगलुरु का विक्ट्री सेलिब्रेशन होने वाला था। आयोजन के दौरान स्टेडियम के बाहर उमडी फैंस की भारी भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई। नतीजतन 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक घायल हुए थे। यह घटना 4 जून 2025 को हुई थी। इसी तरह प्रयागराज महाकुंभ में भी भगदड़ मची थी, जिसमें 30 लोगों की जान चली गई थी। ये घटना मौनी अमावस्या से पहले 28-29 जनवरी की रात करीब एक से दो बजे के बीच की है। भीड की वजह से बैरिकेडिंग टूट गई, इसके बाद भगदड़ मची। ब्रह्म मुहूर्त में स्नान के इंतजार में सो रहे लोगों पर भीड़ चढ़ती चली गई। इससे यह बड़ा हादसा हुआ था। भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई और 90 लोग घायल हुए थे। सवाल है कि जब तीनों ही आयोजन पहले से तय थे। इसके लिए पुलिस और प्रशासन ने हर जरूरी तैयारी कर रखी थी। हर किसी को पता था कि ऐसे आयोजन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। फिर भी भगदड़ की घटना सवाल खड़े करती है। इसमें सीधे-सीधे पुलिस और स्थानीय प्रशासन के चूक को नकारा नहीं जा सकता। आम लोगों को भी भीड़भाड़ वाली जगह पर खुद सतर्कता बरतने की जरूरत है। किसी भी बड़े आयोजन में भीड़ नियंत्रण हमेशा से एक जटिल चुनौती रही है। खासकर बड़े आयोजनों और धार्मिक समारोहों में बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। लेकिन पर्याप्त संसाधनों की कमी से भीड़ नियंत्रण में मुश्किलें आ सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि ऐसे आयोजन के लिए विस्तृत योजना बनाना चाहिए। जरूरी संसाधनों की व्यवस्था करना भी अहम है। सुरक्षा बलों की तैनाती करना और उन्हें भीड़ को कंट्रोल करने के लिए प्रशिक्षित करना भी जरूरी है।

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़ कहीं भूस्खलन।

संजीव ठाकुर

भारत में वर्षाकाल मे भीषण प्राकृतिक वर्षा के फलस्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है।देश के साथ एकसाथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।

यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

कठिन हालात में भी मरीजों को जीवनदान देते डाक्टर

योगेश कुमार गोयल

समाज के प्रति चिकित्सकों के समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष देश में एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। गंभीर से गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों की जान बचाने का हरसंभव प्रयास करने वाले चिकित्सक वाकई सम्मान के सबसे बड़े हकदार भी हैं। चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनियाभर में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करते नजर आए थे। उस विकट दौर में देश में ड्यूटी के दौरान सैंकड़ों चिकित्सकों की मौत हुई थी लेकिन फिर भी चिकित्सक जी-जान से लोगों की जान बचाने में जुटे नजर आए थे। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान तो बहुत से चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ को अपनी छुट्टियां रद्द कर प्रतिदिन लंबे-लंबे समय तक कार्य करना पड़ा था और ऐसे बहुत से चिकित्साकर्मी महीनों-महीनों तक अपने परिवार और छोटे बच्चों से भी दूर रहे थे। हालांकि कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कोई कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था और बिना योग्य चिकित्सकों के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा। चिकित्सक दिवस की स्थापना भारत में वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है।

वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली।

उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए।

डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी।

उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी। चिकित्सा एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे केवल आजीविका का साधन मानना इसके व्यापक सामाजिक और मानवीय महत्व को छोटा करना होगा। यह महज एक पेशा नहीं बल्कि समाज की सेवा, पीड़ित मानवता की सहायता और जीवन रक्षा का माध्यम है। एक सच्चा चिकित्सक न केवल बीमार व्यक्ति का इलाज करता है बल्कि उसके परिवार की आशाओं को भी संजीवनी देता है।

इसीलिए समाज में डॉक्टरों को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और बदले में उनसे भी सेवा, समर्पण और ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर लापरवाही, अनावश्यक जांचों और अत्यधिक शुल्क वसूली के आरोप भी सामने आते रहे हैं, जिससे कुछ चिकित्सकों की छवि धूमिल होती है परंतु यह भी सच है कि सभी डॉक्टरों को इस दृष्टि से नहीं देखा जा सकता।

आज भी अधिकांश चिकित्सक अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा और करुणा के साथ निभा रहे हैं। वे कठिनतम परिस्थितियों में भी मरीजों को न केवल जीवनदान देते हैं बल्कि उम्मीद और विश्वास की लौ भी जलाए रखते हैं। कई बार डॉक्टर मौत से जूझ रहे मरीजों को पुनः जीवन देने में सफल होते हैं। इसलिए एक समर्पित और संवेदनशील डॉक्टर न केवल चिकित्सा जगत का रत्न होता है बल्कि वह समाज का भी एक सच्चा प्रहरी होता है। ऐसे डॉक्टर सदैव सम्मान और आभार के सच्चे अधिकारी होते हैं क्योंकि वे निस्वार्थ सेवा के जरिए जीवन को नया आयाम देते हैं।

वंशानुगत रोगों पर भारी आज की जीवनशैली

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अब वंशानुगत बीमारियों से भी भारी हमारी बिगड़ती जीवनशैली होती जा रही हैं। वंशानुगत बीमारियों से ज्यादा जानलेवा बीमारियां हमारी बदलती जीवनशैली के कारण होती जा रही है। हमारा खान-पान, रहन-सहन, प्रकृति से दूरी, बदलती जीवनचर्या यह सब वंशानुगत बीमारियों पर भारी पड़ती जा रही है। वंशानुगत बीमारियों से तो राहत प्राप्त की जा सकती है पर हमारी जीवनशैली के कारण होने वाली बीमारियां साइलेंट अटैक का काम करती है और पता ही नहीं चलता कि कब जानलेवा बन जाती है। जानी मानी पत्रिका नेचर मेडिसिन में प्रकाशित एक रिपोर्ट से साफ हो गया है कि अब जीन से ज्यादा जीवन पर खतरा खराब या अव्यवस्थित जीवनशैली के कारण हो गया है। यह माना जाता रहा है कि कुछ बीमारियां वंशानुगत या यों कहे कि आनुवांशिकी के कारण जन्मजात होती है व उम्र के साथ वे अपना असर दिखाना आरंभ कर देती है वहीं बदलती जीवनशैली और हमारा रहन-सहन, आहार-विहार उससे भी गंभीर असर दिखाने लगा है। विशेषज्ञों की माने तो जीन प्रभावित लोग बेहतर और संतुलित जीवनशैली से अपनी जीवन रेखा को बड़ा कर सकते हैं वहीं बदलती जीवनशैली के कारण असामयिक मौत की संभावनाएं 78 फीसदी तक अधिक हो गई है। दरअसल नेचर मेडिसिन पत्रिका में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शौधार्थियों के आलेख में यह दावा किया गया है। शोधार्थियों द्वारा यूके बायोबैंक से 5 लाख लोगों का आंकड़ा प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधार्थियों द्वारा 164 फैक्टर और जेनेटिक जोखिमों का विस्तृत अध्ययन किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं हैं। जीवनशैली और आहार-विहार में बदलाव के कारण ही आज हार्ट संबंधी रोग, कैंसर, डाइबिटिज, ब्लड प्रेशर, अनिद्रा, डिप्रेशन और इसी तरह की कई बीमारियां आम होती जा रही है। क्या बच्चे, क्या युवा और क्या बुजुर्ग इन बीमारियों से अछूते नहीं रह पा रहे हैं। कल तक रईसों और उम्र के पड़ाव के अवसर पर होने वाली बीमारियां पूरी साम्यवादी सोच के साथ किसी को भी अपने दायरें में लेने लगी है। यहां तक कि युवाओं के मौत के आंकड़ें को बढ़ाने में हमारी जीवनशैली खास भूमिका निभाने लगी है।

एक समय था जब सूर्योदय से पहले उठने और रात नो साढ़े नो बजे तक सो जाने की सामान्य परंपरा रही है तो प्रातःकाल भ्रमण, दिन में भोजन के बाद कुछ समय के लिए आराम और रात को खाना खाने के बाद थोड़ी चहल कदमी अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरुरी मानी जाती थी। स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य सामग्री और खान-पान में संयम के साथ ही शुद्धता पर जोर दिया जाता था। जिस तरह की हमारी कार्यशैली होती थी या यों कहे कि जिस तरह का श्रम किया जाता था उसी अनुरुप भोजन पर भी जोर दिया जाता था ताकि शरीर को तदनुरुप पोष्टिक तत्व मिल सके। आज हालात में तेजी से बदलाव आया है। रसोई और रसोई सामग्री की शुद्धता और गुणवत्ता की बात तो करना ही बेमानी होगा।

मिलावट या फिर रासायनिक खाद-कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण वस्तुओं की गुणवत्ता में कमी आना तो स्वाभाविक ही है इसके साथ ही चंद लाभ के लिए खाद्य सामग्री में मिलावट आम होती जा रही है। इसके साथ ही प्रदूषित वातावरण बीमारियों का कारक तो बन ही रहा है इसके साथ ही दवाएं भी बेअसर होती जा रही है। यह वास्तविकता है जिसे हम नकार नहीं सकते। एक शोध के अनुसार केवल धुम्रपान के कारण ही 21 तरह की बीमारियां जकड़ सकती है तो पारिवारिक व रोजगारपरक तनाव के चलते 17 तरह की बीमारियां सीधे सीधे प्रभावित करती है। आज हमारे खान-पान का बदलाव तो इसी से समझा जा सकता है कि जंक फूड या बाहर खाना खाना हमारी प्राथमिकता बनता जा रहा है शहर के किसी भी कोने में निकल जाओं तो शाम से लेकर देर रात तक फास्ट फूड-जंक फूड और इसी तरह के रेस्ट्रा या स्ट्रीट वेंडर्स के ठेलों पर भीड़ दिखाई दे जाएगी। घर का खाना तो अब बच्चों की पंसद से दूर होता जा रहा है।

रही सही कसर ऑनलाइन प्लेटफार्म ने पूरी कर दी और अब तो आधी रात को भी गली मोहल्लों में स्वीगी या इसी तरह की संस्था से जुड़े कार्मिक को आसपास ही खाद्य सामग्री सप्लाई करते हुए आसानी से देखा जा सकता है। फास्ट फूड या जंक फूड के मामलें में यह जानना या मालूम करना तो बेमानी हो जाता है कि आप द्वारा मंगाई जा रही सामग्री चाहे वह पिज्जा हो, डोसा हो, पाव भाजी हो या और कुछ, उसमें प्रयोग में लाई जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता और स्वास्थ्य के मानकों पर कितनी खरी होगी। ऐसा नहीं है कि आज ही ऐसा होने लगा हो, पहले भी कचोरी, समोसे, जलेबी, मिर्च बड़ा आदि आदि के प्रति लोगों का रुझान रहता आया है। पर एक सीमा तक ही उनके उपयोग की सलाह दी जाती थी। आज तो जब जी चाहा ऑनलाइन आर्डर दिया और चंद समय में हाजिर। जहां तक शुद्ध हवा और शुद्ध पानी का प्रश्न है तो आज आरओ और बोतलबंद पानी की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाये जाने लगे हैं।

नई लेखिका आई है — और मंडी के गिद्ध जाग उठे हैं

नई लेखिका जैसे ही साहित्य के आंगन में प्रवेश करती है, एक उत्सव-सा माहौल बनता है। वह कलम लेकर आई है — शब्दों को जीवन देने, अनुभवों को साझा करने और संवेदनाओं को स्वर देने के लिए। पर क्या केवल शब्दों की शक्ति ही काफी है इस जगत में टिके रहने के लिए?

नहीं। इस मंडी में उसकी लेखनी से पहले उसका चेहरा देखा जाता है। किताब से पहले उसकी उम्र पूछी जाती है। विचारों से पहले उसकी वाणी और मुस्कान पर चर्चा होती है। और दुर्भाग्यवश, यही वह बिंदु है जहाँ साहित्यिक क्षेत्र का स्याह सच उभरता है।

आज भी देश के तमाम साहित्यिक मंचों, गोष्ठियों और पत्रिकाओं में एक नारी लेखिका को 'रचनाकार' कम और 'सौंदर्य' अधिक समझा जाता है। वरिष्ठों की प्रशंसा के शब्दों में सराहना से अधिक 'संकेत' होते हैं। मंच पर बुलावा केवल कविता पाठ के लिए नहीं होता, बल्कि उस 'नवयौवना' ऊर्जा को भुनाने की एक शातिर कोशिश होती है।

"आप बहुत अच्छा लिखती हैं" कहने वाले बहुत होते हैं। लेकिन उनमें से कई की नज़रों में लफ्ज़ नहीं, लार होती है। गोष्ठी के बाद की पार्टियों में कविता का नहीं, शरीर का मूल्यांकन होता है। और जो लेखिका इन सबके लिए 'ना' कहती है, उसे 'घमंडी', 'असहयोगी', और 'बदतमीज़' कहा जाता है।

साहित्य की यह मंडी उस बौद्धिक आज़ादी की कब्रगाह बन चुकी है, जिसका स्वप्न लेकर कई स्त्रियाँ अपनी कलम उठाती हैं। नई लेखिका को मंच नहीं, मौन मिलते हैं। समर्थन नहीं, संशय मिलते हैं। उसके हर शब्द के पीछे मंशा तलाशने की कोशिश होती है — "किसके लिए लिखा?", "किसके कहने पर?", "किस इरादे से?" यह वही समाज है जो एक ओर 'मी टू' आंदोलनों पर अख़बारों में कॉलम लिखता है, और दूसरी ओर साहित्यिक सम्मेलनों में युवा लेखिकाओं को एकांत में बुलाकर "व्यक्तिगत मार्गदर्शन" देने को तैयार हो जाता है।

इस मानसिकता ने न केवल नई प्रतिभाओं को कुचला है, बल्कि साहित्य के प्रति महिलाओं के विश्वास को भी तोड़ा है। लेखन की दुनिया को जिनका घर बनना था, वहां दरवाज़े बंद मिलते हैं अगर वे 'समझौता' नहीं करतीं।

इतिहास गवाह है अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, मन्नू भंडारी, मृणाल पांडे, वंदना राग जैसी लेखिकाओं ने न केवल कलम चलाई, बल्कि उस पितृसत्ता के खिलाफ भी लिखीं जो साहित्य की गली में भी घर बनाए बैठी थी। उन्होंने यह रास्ता संघर्षों से सींचा, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक चेतना छोड़ी। लेकिन फिर भी सवाल खड़ा होता है क्यों आज भी नई लेखिका को अपनी गरिमा की रक्षा के लिए चुप रहना पड़ता है या लड़ना पड़ता है? क्यों अब भी वरिष्ठ पुरुष लेखकों के लिए 'नारी-लेखन' एक 'आसान निशाना' बना हुआ है? कई बार तो लेखिका की लेखनी को ही पुरुष संरचना में ढालने की कोशिश की जाती है। थोड़ा कम उग्र लिखो, ज्यादा संवेदनशील बनो, रोमांटिक कविताएं ज्यादा सराही जाती हैं" ये सब नए नामों को सिखाने वाले 'गुरुजन' के परामर्श होते हैं। लेकिन सच तो ये है कि यह 'अनुरूपता' नहीं, बल्कि 'अनुनय' की मांग होती है।एक अन्य पक्ष यह भी है कि जब कोई लेखिका सफल हो जाती है तो उसकी सफलता का श्रेय उसके किसी 'पुरुष मार्गदर्शक' को दे दिया जाता है। जैसे उसकी प्रतिभा खुद उसकी नहीं थी, बल्कि किसी के 'संपर्क' और 'संरक्षण' से मिली हुई थी। और जब वह इन चीज़ों से इनकार करती है — तो उसकी कविताओं की समीक्षा नहीं होती, बल्कि उसके चरित्र की। यही दोहरा मापदंड इस मंडी की रीढ़ बन गया है। अब ज़रूरत है इस व्यवस्था को सवालों के कटघरे में खड़ा करने की।

जाकी रही भावना जैसी

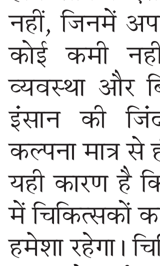

डॉ टी महादेव राव

जो दूसरों के पाप गिनाएगा क्या वह पाप से बच जायेगा। उंगली एक सामने होगी बाकी तीन तो आमने होगी। पाप गिनाकर करोगे क्या खुद पापी हो पुण्य भरोगे क्या। अब भी सुधर जा बंदे छोड़ दे गोरख धंधे।

इंसान की खिदमत कर ले नेकी से तो झोली भर ले। पापी पापी सब करे पर पाप से बचे न कोय। खुद को धो ले पाप से जो पुण्यात्मा होय। सुबह सुबह पार्क में छोटू के साथ बैठे मैं सड़क से जाते एक साधु को इस तरह आवाज लगाते सुना।

छोटू! यह जो कह रहा है, किसको कह रहा है? मुझे लगता है नेताओं को और नेताओं के नेता को संबोधित तो नहीं कर रहा? भैया? यह पूरे मानवों को दर्पण दिखा रहा है। कहते हैं न जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। आइने में उसी का प्रतिबिंब दिखेगा जो सामने रहेगा!

वाह छोटू! तुम तो दार्शनिक हो गए! अच्छा बताया। लेकिन मुझे क्यों लग रहा है कि यह सबसे बड़े नेता को कह रहा है।

वह इसलिए कि पिछले लोगों के पाप गिनाने में, गलतियां निकालने में, ऐब ढूंढने में उनका विश्व कीर्तिमान स्थापित है। दूसरे वे हमेशा नकारात्मक मानसिक अवस्था में बात करते लगते हैं।

जैसे अभी कल परसों उन्होंने बड़े दुख के साथ मनाया आपातकाल की अर्ध शती। सही कहा। वह घोषित आपातकाल का समय कुछ समय के लिए था लेकिन पिछले दस वर्षों से जो अघोषित आपातकाल चल रहा है, उसका क्या? गुंजे को खुद का कालापन कहां दिखता है? वह खुद को लाल गोरा मानता है। जैसे दिए को कहां मालूम होता है कि उसके नीचे अंधेरा है। ठीक इसी तरह खुद के पाप, स्वयं की गलतियां कहां दिखती हैं?

सच है। लेकिन एक बात तुम इतिहास में जाकर खोज सकते हो कि अगर आपातकाल नहीं लगता पचास वर्ष पूर्व तो अब भैया जो बहुत बड़े भैया बन बैठे हैं उसकी नौबत नहीं आती। उसी इमरजेंसी के फलस्वरूप जनसंघ, जनता पार्टी फिर भाजपा जैसे दलों का आविर्भाव हुआ।

उस समय की सरकार के विरोध जो लहर चली उसी का फायदा इस पार्टियों को मिला। है कि नहीं? भैया! आपका कहना तो सही है। उन्हें तो इमरजेंसी का आभार मानना चाहिए जिसकी बदौलत अस्तित्व बना, सत्ता मिली, अधिकार मिला और अब जो चांदी काटी जा रही है, यह उसी का परिणाम है। कहना तुम्हारा सौ फीसदी सही है। उन्हें संविधान की हत्या का दिन मनाने की बजाए मान्यता प्राप्ति और सत्ता संप्राप्ति महोत्सव मनाना चाहिए। खुश होना चाहिए इतिहास को गरियाने और पिछली सरकारों के लोगों के दोष निकालने की बजाय। बीज जिस वजह से पड़ी आज के सत्ता सुख की उसे तो केवल कृतघ्न ही गलत मानता हैं। कृतज्ञ को चाहिए कि उनका उपकार मानें, उनका एहसान मानें जिन्होंने आज तथाकथित विश्वगुरु और शांति दूत बनने योग्य उस समय बनाया था, उनका। यह मातम का नहीं खुशी का मौका है इनके लिए।

2 जुलाई को बाबा श्याम का बदलेगा रूप

विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम को हारे का सहारा कहा जाता है। भक्तों में मान्यता है कि जो भी भक्त इनके दरबार में आकर मनोकामना मांगता है। वह पूरी हो जाती है। यही कारण है कि इस मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं के भीड़ रोजाना उमड़ती है। विश्व प्रसिद्ध खाटूश्याम जी मंदिर से जुड़े भक्तों के लिए आज हम एक बड़ी अपडेट लेकर आए हैं। 2 जुलाई से खाटूश्याम के मंदिर में बाबा श्याम का श्रृंगार बदलने वाला है।

इससे पहले एक दिन के लिए खाटूश्याम जी मंदिर बंद रहेगा। आपको बता दें कि अमावस्या के दिन बाबा श्याम का अभिषेक विभिन्न प्रकार के द्रव्यों से किया जाता है, जिससे उनकी प्रतिमा अपने मूल स्वरूप में नजर आने लगती है। इस स्वरूप को शालिग्राम रूप कहा जाता है। शुक्ल पक्ष के सात दिन बाबा श्याम इस रूप में रहते हैं। इस प्रकार, खाटू बाबा की प्रतिमा 23 दिन श्याम वर्ण और 7 दिन शालिग्राम रूप में दर्शन देती है। बाबा का स्वरूप श्रृंगार से बदलता है। 2 जुलाई से श्याम वर्ण में भक्तों को दर्शन देंगे

श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 1 जुलाई को विशेष तिलक श्रृंगार के चलते खाटूश्याम जी मंदिर बंद होगा। 2 जुलाई को मंदिर के मुख्य महंत मोहनदास जी महाराज दीपक पूजा अर्चना और मंत्र उच्चारण के साथ बाबा श्याम का तिलक श्रृंगार करेंगे। श्रृंगार के बाद 5 बजे संध्या आरती के समय बाबा श्याम के मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोले जाएंगे। तिलक श्रृंगार के बाद श्याम वर्ण में बाबा श्याम भक्तों को दर्शन देंगे।

दो रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं बाबा श्याम

बाबा श्याम भक्तों को हर महीने दो अलग-अलग रूपों में दर्शन देते हैं। कृष्ण पक्ष में वे श्याम वर्ण (पीला रंग) के रूप में और शुक्ल पक्ष में पूर्ण शालिग्राम (काला रंग) के रूप में दर्शन देते हैं। महंत मोहनदास महाराज ने बताया कि कृष्ण और शुक्ल पक्ष के अनुसार बाबा का श्रृंगार अलग-अलग होता है। कृष्ण पक्ष में बाबा को ललाट से गालों तक चंदन का लेप किया जाता है, जिसे श्याम वर्ण रूप कहा जाता है।

यूपी का यह मंदिर है ऐतिहासिक, अज्ञातवास में आये थे पांडव

बहराइच शहर के किनारे स्थित मंदिर गुल्लाबीर जहां की अनेकों मान्यताएं हैं।यह एक प्रसिद्ध स्थान है। यहा से तमाम लोगों की मान्यताएं पूरी हुई है। पांडव को जब एक वर्ष का अज्ञातवास हुआ।वह इसी स्थान पर आकर रुके थे। यहां होली के बाद बहुत बड़ा आठे का मेला लगता है। इस मंदिर में हनुमान जी चौरे के रूप में विराजमान है।

शहर में स्थित गुल्लाबीर एक प्रसिद्ध मंदिर है। इस मंदिर में हनुमान जी चौरे के रूप में विराजमान है। मन्दिर को 84 कोस का कोतवाल भी कहा जाता है। मंदिर पर मुंडन संस्कार,अनुप्रासन, वर वधु के विवाह के बाद पूजन भी होता हैं। मन्नतें पूरी होने पर भी लोग यहां भोज करते है। यहां आने वालों को मन की शांति की प्राप्ति होती है। सुंदर वातावरण हरेभरे पेड़ पौधे मानो वापस आने से रोकते हो।

गुल्लाबीर मन्दिर में शीतला माता, वैष्णो माता, बजरंगबली, शिव परिवार,मारी माता, काली माता ,शनि देव ,भैरव बाबा ,अर्ध नागेश्वर परशुराम मंदिर, विराजमान हैं। लोग यहां बहराइच के साथ-साथ अन्य जिले से भी आते हैं। यहा आए हुए। श्रद्धालु सूचना पट पर लिखकर अपनी मन्नतें भी मांगते है। इसके साथ ही यहां पर ईट रखने की भी परंपरा लंम्बे समय से चलती आ रही है।

आजादी के वक्त सेनानियों,राजाओं की बैठक इसी स्थान पर हुई थी। यह स्थान बहराइच शहर के किनारे रेलमार्ग लाईन से सटा बना है। जहां शान्ति पूर्ण वातावरण बना रहता है। जहां एक बार आप पहुंच जाएंगे तो वापस जाने का मन ही नहीं करेगा। यहां लगे हरे भरे पेड़ आप को एक सुंदर दृश्य देते है। आज भी इस स्थान और अनेकों पक्षी आकर अपनी मधुर धुन से लोगो को मोहित करती है।

बदलते वक्त के साथ-साथ मंदिर प्रांगण का समुद्रीकरण व नवीनीकरण भी समय-समय पर होता रहा है। मंदिर के सामने पड़े मैदान में सुंदर तालाब का निर्माण कराया जा रहा है। जिसको कुछ खास तरीके से लाल पत्थरों वाले ईद से निर्माण कराया जा रहा है। इसके आगे के हिस्से में एक गेट बनाया गया है। दो गुंबद नुमा बनाया गया है जो देखने में काफी ही मनमोहक और सुंदर लगता है। जिसको देखने के लिए हर रोज आसपास के लोग सुबह शाम आते हैं।

देश में बीजेपी की सरकार बनने के बाद गुल्लाबीर मंदिर प्रांगण में महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा बनवा गई जिसका लोकार्पण पर खुद मौजूदा वक्त में गृहमंत्री अमित शाह ने आकर किया था। इस स्थान पर राजनीतिक कैरियर में अपनी पहचान बना चुके कई राजनेता भी आ चुके हैं।और इसी स्थान से जनता को संबोधित भी किया है।

बहराइच बसने से लेकर अब तक की बात करें तो यह स्थान शहर के किनारे होने की वजह से शुरुआती दौर में वीरान हुआ करता था लोग यहां आने से भी डरते थे क्योंकि हर तरफ जंगल झाड़ियां चोर लुटेरों का खतरा बना रहता था लेकिन बदलते वक्त के साथ-साथ आज यह स्थान प्रसिद्ध होने के साथ-साथ चारों ओर आबादी से भी गिर गया है।

होली के बाद इस स्थान पर आठे का मेला लगता है। जिस मेले में जिले के साथ-साथ अन्य जिले के लोग भी आकर अपनी श्रद्धा को जताते हैं। इसके साथ ही आसपास के मौजूद लोग भी इस स्थान पर अपनी दुकान सजाते हैं। जिस मेले में लोग अपनी स्वेच्छा अनुसार हलवा पूरी, चना पूरी,पूरी सब्जी बनवाकर बाटते है।यह मेला होली के आठ दिन बाद लगता है। इस लिए इसे आठे का मेला कहा जाता है।

सफल होना चाहते हैं तो 5 बातें हमेशा ध्यान रखें

सफलता उन लोगों को मिलती है जो बाधाएं आने के बाद भी बिना रुके आगे बढ़ते हैं। जिन लोगों का पूरा ध्यान अपने लक्ष्य पर होता है और जो किसी भी लालच में नहीं उलझते हैं, सफल जरूर होते हैं। ये बात हम एक लोक कथा से समझ सकते हैं।

एक छोटे से गांव में एक किसान बहुत मेहनती था, लेकिन वह लगातार परेशानियों से घिरा रहता था। एक दिन वह गांव के प्रसिद्ध संत के पास गया और बोला, "गुरुदेव, मैं अपने जीवन में कुछ हासिल करना चाहता हूं, लेकिन हर बार जब कोई दिशा मिलती है, तो रास्ते में भटक जाता हूं। छोटे-छोटे कामों में उलझकर मेरा मुख्य काम अधूरा रह जाता है।"

संत मुस्कराए और बोले, "मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा, वहीं तुम्हें एक बात समझाऊंगा।" किसान ने सिर झुकाकर उनकी बात मानी और घर लौट आया।

अगले दिन संत उस किसान के घर पहुंचे, लेकिन किसान उस वक्त खेत में था। उसकी पत्नी ने संत का स्वागत किया और आराम से बैठाया। बेटे को भेजा गया कि वह पिता को खेत से बुला लाए।

कुछ ही देर में किसान घर लौट आया, उसके साथ उसका कुत्ता भी था, वह हांफ रहा था। संत उसे ने गौर से देखा और पूछा, "भाई, क्या तुम्हारा खेत बहुत दूर है?"

किसान ने कहा, "नहीं गुरुदेव, खेत तो पास ही है। आप ऐसा क्यों पूछ रहे हैं?"

संत ने कहा, "फिर तुम्हारा कुत्ता इतना थका हुआ क्यों है, जबकि तुम बिल्कुल सामान्य लग रहे हो?"

किसान हंसते हुए बोला, "गुरुदेव, मैं तो सीधे रास्ते से आया हूं, लेकिन मेरा कुत्ता हर मोड़ पर दूसरे कुत्तों को देखकर दौड़ता, भौंकता और लड़ता आया है। वह बार-बार अपने रास्ते से भटकता रहा, इसलिए इतनी थकावट है।"

संत ने गंभीर स्वर में कहा, "यही तो जीवन का सच है। जब हम अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं, तब रास्ते में अनेक 'भटकाव' आते हैं, लोभ, क्रोध, ईर्ष्या, और आलस। अगर हम हर छोटी बात पर प्रतिक्रिया देते रहेंगे, तो थक जाएंगे और लक्ष्य तक कभी नहीं पहुंच पाएंगे।"

"तुम्हारा लक्ष्य खेत से घर आना था, तुमने ध्यान रखा, सीधा चले, और बिना थके पहुंचे। कुत्ते ने हर व्यर्थ चीजों में उलझकर अपनी शक्ति गंवा दी। जीवन में भी अगर हम केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान रखें और बाकी चीजों को अनदेखा करना सीख जाएं तो सफलता बहुत जल्दी मिलती है।"

किसान की आंखों में समझ की चमक थी। वह चुपचाप सिर झुकाकर बोला, "मैं समझ गया, गुरुदेव।"

लाइफ मैनेजमेंट के 5 सूत्र

लक्ष्य पर केंद्रित रहना जरूरी है

संत ने किसान को समझाया कि ध्यान सिर्फ लक्ष्य पर देना चाहिए। जैसे किसान सीधे रास्ते से आया और थका नहीं, वैसे ही हमें भी जीवन में सीधा रास्ता चुनकर लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

व्यर्थ की बातों में न उलझें

किसान का कुत्ता रास्ते में दूसरे कुत्तों से उलझता रहा और थक गया। यही हाल हमारा भी होता है जब हम अनावश्यक विवादों में उलझते हैं और लक्ष्य से दूर हो जाते हैं।

समय की बर्बादी से बचें

इधर-उधर दौड़ने से लक्ष्य की दूरी और बढ़ जाती है। हर बार जब हम लक्ष्य से भटकते हैं, तो न केवल ऊर्जा जाती है, बल्कि समय भी नष्ट होता है।

लालच और प्रलोभन से दूर रहें

संत ने स्पष्ट कहा कि काम के दौरान कई लालच सामने आएंगे। यदि हम इन प्रलोभनों में फंसते हैं तो हमारी ऊर्जा बंट जाती है और मंजिल दूर हो जाती है।

धैर्य और निरंतरता जरूरी है

संत की सीख यह भी है कि जो व्यक्ति बिना थके, बिना भटके, निरंतर प्रयास करता रहता है, वही सफल होता है। हमें धैर्य बनाए रखना चाहिए और अपने काम में निरंतरता बनाए रखनी चाहिए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

सुरेश गांधी

हिमालय की गोद में बसा कैलाश पर्वत न केवल भूगोल की दृष्टि से एक अद्भुत स्थल है, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी यह सम्पूर्ण सृष्टि का केंद्र माना जाता है। यह वह जगह है जहां हिमालय की गोद में बसा है परमधाम और वास करते हैं स्वयं महादेव। बर्फ की चादर ओढ़े कैलाश पर्वत शिव के धाम का न सिर्फ प्रतीक है, बल्कि लास्मान सुरोवर में झलकता है महादेव के दिव्य दर्शन का सौभाग्य। यहां की ठंडी हवाओं में, बर्फ की चादरों में, और हर हिमखंड में शिव का ही आभास होता है। जी हां, कुबेर की नगरी, भगवान शिव का निवास, बौद्ध, जैन और सिख धर्म मानने वालों के लिए आस्था का केंद्र, वैज्ञानिकों के लिए रहस्य तो वेदों, पुराणों और लोककथाओं में अनगिनत कहानियां समेटे हुए है कैलाश मानसरोवर। कैलाश मानसरोवर भारत और तिब्बत की सीमा पर स्थित एक पवित्र स्थल है। इसे हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म में काफी अहम माना गया है। कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील का विशेष धार्मिक, ऐतिहासिक, और भौगोलिक महत्व है। हिन्दू धर्म में कैलाश पर्वत भगवान शिव का घर माना जाता है। मान्यता है कि शिवजी, पार्वती अपने दो पुत्र, गणेश और कार्तिकेय के साथ कैलाश पर्वत पर ही निवास करते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार, कैलाश पर्वत के दर्शन और मानसरोवर झील में स्नान करने से सभी पाप समाप्त हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पौराणिक कथानुसार कहा जाता है की ये जगह कुबेर की नगरी है। यहीं से भगवान विष्णु के चरण कमलों से निकलकर गंगा नदी कैलाश पर्वत की चोटी पर विकराल वेग के साथ गिरती है, जहां भगवान शिव उन्हें अपनी जटाओं में धारण कर लेते हैं और धरती में निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित कर देते हैं। बौद्ध धर्म में कैलाश पर्वत को एक पवित्र स्थल के रूप में पूजा जाता है। इसे "कांगरीनबो" कहा जाता है और यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना के लिए आते हैं। बौद्ध परंपरा में इसे बोधिसत्त्व के स्थान के रूप में माना जाता है। कैलाश पर्वत को बौद्ध धर्म में एक विशेष स्थान प्राप्त है। इसे बौद्धों द्वारा "ओम मणि पद्मे हूं" मंत्र का केंद्र भी माना जाता है, जो करुणा और ज्ञान का प्रतीक है। जैन धर्म में भी कैलाश पर्वत को विशेष स्थान प्राप्त है। यहां पर भगवान ऋषभदेव के तप करने की मान्यता है।

सिख धर्म में कैलाश पर्वत का उल्लेख भी मिलता है। कहा जाता है कि गुरु नानक देव ने यहां की यात्रा की थी। मानसरोवर झील को हिन्दू धर्म में पवित्र माना जाता है। इसे 'स्वर्ग की झील' भी कहा जाता है। कहते है जो भी व्यक्ति मानसरोवर झील की धरती को छू लेता है, वह ब्रह्मा के बनाए हुए स्वर्ग में पहुंच जाता है। मानसरोवर में पांडवों के जाने का उल्लेख भी पुराणों में मिलता है। खास यह है कि शरीर त्यागने के बाद माता सीता मानसरोवर के रास्ते से ही स्वर्ग लोक गई थी। भगवान शिव की कृपा के कारण ही सरोवर का जलस्तर हमेशा एक समान रहता है। मान्यता है कि कैलाश पर्वत के रास्ते 33 कोटि देवी देवता आते हैं और सरोवर में स्नान करते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह स्थान धरती का केंद्र है। धरती के एक ओर उत्तरी ध्रुव है, तो दूसरी ओर दक्षिणी ध्रुव। दोनों के बीचोबीच है कैलाश पर्वत। कहा जाता है कि आजतक कोई भी कैलाश पर्वत पर नहीं चढ़ सका है। दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों पर पर्वतारोहियों ने परचम लहराया है। लेकिन कैलाश पर कोई भी नहीं चढ़ सका है। कई लोगों ने दावा किया है कि जब भी इसपर चढ़ने की कोशिश की गई तब-तब तेजी से लोगों के शरीर में बदलाव होते हैं। कैलाश पर्वत की ऊँचाई लगभग 22,000 फीट (6,638 मीटर) है। यह पर्वत विश्व की चार प्रमुख नदियों सिंधु, ब्रह्मपुत्र, सतलज और करनाली का उद्गम स्थल भी है। कैलाश पर्वत की विशेषता यह है कि इस पर किसी ने अब तक चढ़ाई नहीं की। इसे मानव स्पर्श से परे, एक दिव्य, अलौकिक स्थान माना जाता है। कहते है भगवान शिव यहां अपने दिव्य ध्यान में लीन रहते हैं। कैलाश

के निकट स्थित लास्मान सुरोवर (जिसे मानसरोवर झील भी कहा जाता है) को अत्यंत पवित्र और मोक्षदायिनी माना जाता है। मान्यता है कि इसके जल में स्नान करने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं और आत्मा पावन हो जाती है। इस झील की खासियत है कि यह अपनी निर्मलता, शांति और दिव्यता के लिए प्रसिद्ध है। मानसरोवर का जल इतना स्वच्छ होता है कि इसमें कैलाश पर्वत की छवि स्पष्ट दिखती है।

कठिन लेकिन दिव्य यात्रा

कैलाश मानसरोवर की यात्रा अत्यंत कठिन मानी जाती है। ऊँचाई, ऑक्सीजन की कमी, तीव्र ठंड और दुर्गम रास्ते यात्रियों की परीक्षा लेते हैं। लेकिन हर कष्ट भी भक्तों के लिए आनंद का विषय बन जाता है क्योंकि इस यात्रा का हर कदम आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। भारत सरकार और चीन सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित इस यात्रा के दो प्रमुख मार्ग हैं। लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और नाथुला दर्रा (सिक्किम)। हालाँकि, तिब्बत की सीमा में प्रवेश के लिए चीन की अनुमति अनिवार्य होती है।

कैलाश परिक्रमा

कैलाश पर्वत की परिक्रमा (कोरला) अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है। यह लगभग 52 किमी की कठिन पदयात्रा है, जिसे भक्त तीन दिन में पूरा करते हैं। मान्यता है कि इस परिक्रमा को एक बार करने से हजारों जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। तिब्बती श्रद्धालु इसे दंडवत करते हुए परिक्रमा करते हैं, जिसे 'प्रणिपात परिक्रमा' कहा जाता है। **क्रमशः**

तेज, ऐश्वर्य और आरोग्य से भरा जीवन चाहिए तो इन सूर्य मंदिरों में जाकर करें दर्शन

कहते हैं, जब जीवन की दिशा भटकने लगे और आत्मा शांति की तलाश में भटकती रहे, तब सूरज के मंदिरों की ओर जाना चाहिए। भारत में ऐसे कई मंदिर हैं जहां सिर्फ श्रद्धा नहीं, ऊर्जा और दिव्यता का अनुभव होता है। हर राज्य की मिट्टी में बसी सूरज पूजा की ये परंपरा आज भी उतनी ही जीवित है जितनी सदियों पहले थी।आइए जानते हैं भारत के प्रसिद्ध सूर्य मंदिरों के बारे में।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रहों में सूर्य को राजा की पदवी प्रदान की गई है। सूर्य ग्रह की शुभता जिस भी जातक की कुंडली में हो, वह नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य आत्मा एवं पिता का प्रतिनिधित्व करता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार सूर्य को देवता होने के साथ-साथ ग्रह भी माना गया है। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार हिंदू धर्म में पंच देवता हैं, जिनमें गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी, मां दुर्गा के साथ-साथ सूर्यदेव शामिल हैं। ऐसे में सूर्य ग्रह को ज्योतिष में विशेष स्थान प्राप्त है। आइए देखते हैं भारत के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर।

ग्रहों के राजा सूर्यदेव को आयु, रूप, आरोग्य और ऐश्वर्य देने वाला माना गया है। इसके साथ ही यह व्यक्तित्व, अधिकार, सामान्य स्वास्थ्य, सरकारी नौकरी, राजनीतिक पद आदि के प्रतीक हैं। ऐसे में अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अशुभ स्थिति में हों तो उसके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की हानि का दंश झेलना पड़ता है। इसके साथ ही ऐसे जातक के जीवन में ऊर्जा का भी अभाव साफ दिखता है। ऐसे जातक के चेहरे से तेज गायब होता है। साथ ही सूर्य कुंडली में अशुभ/खराब स्थिति में हो तो स्वास्थ्य समस्याएं, नौकरी की समस्याएं, आंखों की परेशानी, आत्मविश्वास में कमी आने के साथ भाग्य के क्षेत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ज्योतिष के अनुसार सूर्य देव आरोग्य के देवता हैं। अगर कोई भक्त किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है, तो वह भगवान सूर्य के दर्शन कर अपने अच्छे स्वास्थ्य की मन्नत मांग सकता है। साथ ही, भगवान सूर्य देव भक्तों के सभी पाप भी हर लेते हैं। ऐसे में भारत में सूर्य मंदिर काफी संख्या में मौजूद हैं जहां जाकर दर्शन करने से जातक की कुंडली में सूर्य के अशुभ प्रभावों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही स्वास्थ्य, आय और धन की प्राप्ति के मार्ग भी खुल सकते हैं।

जगन्नाथ पुरी स्थित **कोणार्क सूर्य मंदिर** भारत का सबसे प्राचीन और सुप्रसिद्ध सूर्य मंदिर है, जो अपनी खूबसूरती और भारत की अद्भुत शिल्पकला के लिए विश्व विख्यात है। ओडिशा का कोणार्क सूर्य मंदिर एक विश्व धरोहर है।

ऐसा माना जाता है कि यहां भगवान के साक्षात दर्शन होते हैं। कोणार्क मंदिर अब एक ऐतिहासिक धरोहर बन गया है और यहां सक्रिय पूजा 16वीं शताब्दी के बाद से बंद हो गई।

गुजरात में मोढेरा में एक सूर्य मंदिर स्थित है। **मोढेरा का सूर्य मंदिर** गुजरात के मेहसाणा जिले में पुष्पावती नदी के किनारे बना है। मंदिर परिसर तीन भाग में बंटा हैं, जिसमें गुधा मंडप, सभा मंडप और कुंड है। इतना ही नहीं, इसका सभा मंडप 52 खंभों पर खड़ा हुआ है, जो साल के 52 हफ्तों को दर्शाता है। इसकी दीवारों पर पंच तत्वों को देखा जा सकता है। वहीं, अलग-अलग हिस्सों पर सूर्य की कई आकृतियां देखी जा सकती हैं। अब यहां पूजा की अनुमति नहीं है।

मार्तंड सूर्य मंदिर कश्मीर में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि 8वीं सदी में बने इस मंदिर को कर्कोटा वंश के राजा ललितादित्य मुक्तापिदा ने करवाया था। कश्मीरी वास्तुशिल्प कौशल का एक जीता-जागता उदाहरण है यह सूर्य मंदिर। हालांकि इसे 15वीं शताब्दी में शासक सिकंदर बुतशिकन ने नष्ट कर दिया था।

देश के 12 सूर्य मंदिरों में से नौ अकेले बिहार में हैं। इसमें से **औरंगाबाद का देवार्क मंदिर** काफी प्रसिद्ध है। यह मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले में देव नामक स्थान पर स्थित है। इस मंदिर में भगवान सूर्य की पूजा की जाती है। इस मंदिर की अनोखी बात यह है कि इस मंदिर का दरवाजा पूरब की ओर नहीं होकर पश्चिम की ओर है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर को सिर्फ एक रात में विश्वकर्मा द्वारा बनाया गया था। ऐसी मान्यता है कि इस जगह का नाम यहां के राजा रहे वृषपर्वा के पुरोहित शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी के नाम पर देव पड़ा था।

आंध्रप्रदेश के अरसावल्ली गांव से करीब 1 किमी पूर्व दिशा में भगवान सूर्य का लगभग 1300 साल पुराना भव्य मंदिर है। यहां पर भगवान सूर्य नारायण अपनी पत्नियों उषा और छाया के साथ पूजे जाते हैं। इस मंदिर की खासियत है कि यहां साल में दो बार सीधे मूर्ति पर सूर्य की पहली किरण पड़ती है। कहा जाता है कि इस मंदिर में भगवान सूर्यदेव के दर्शन मात्र से सुख और सौभाग्य मिलता

बिहार के भोजपुर जिले के बेलाउर गांव के पश्चिमी एवं दक्षिणी छोर पर स्थित **बेलाउर सूर्य मंदिर** काफी पुराना है, जिसे राजा द्वारा बनवाए 52 पोखरों में से एक पोखर के बीच में यह सूर्य मंदिर बना हुआ है।

बिहार के गया स्थित **दक्षिणायन सूर्य मंदिर** की प्रतिमा सतयुग काल की मानी जाती है। यहां भगवान सूर्य के साथ शनि और यम भी विराजमान हैं। यहां भगवान सूर्य की प्रतिमा काले पत्थर की है। मान्यता है कि प्रतिमा की स्थापना गयासुर द्वारा की गई है। इसकी स्थापना के बारे में सूर्य पुराण और वायु पुराण में वर्णन है।

राजस्थान के झालावाड़ का दूसरा जुड़वा शहर झालरापाटन को सिटी ऑफ वेल्स यानी घाटियों का शहर भी कहा जाता है, जहां शहर के बीचों-बीच सूर्य मंदिर स्थित है। इस मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा विराजमान है।

रश्मिका ने 'एनिमल' की आलोचनाओं पर तोड़ी चुप्पी बोलीं- 'फिल्म देखने के लिए मजबूर नहीं किया'

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'कुबेर' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके अलावा हाल ही में रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्म का भी पोस्टर जारी किया था। जिसमें वो अब तक के अपने सबसे अलग तरह के किरदार में नजर आएंगी। इस बीच रश्मिका ने दो साल पहले आई सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने उन प्रतिक्रियाओं पर भी रिएक्ट किया जिनमें 'एनिमल' की आलोचना की गई थी।

'अपनी तरह की फिल्में देखें'

रश्मिका मंदाना ने 'एनिमल' की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए अपनी फिल्म का बचाव किया। साथ ही उन्होंने कहा, 'अगर आप उन लोगों में से हैं जो फिल्म से प्रभावित होने वाले हैं, तो अपनी तरह की फिल्में देखें। कोई भी किसी को हर फिल्म देखने के लिए मजबूर नहीं कर रहा है। अगर ऐसा होता तो हर फिल्म को ब्लॉक कर दिया जाता। मुझे लगता है कि यह एक तरह की कैंसल कल्चर है। हम में से हर एक में ग्रे किरदार हैं, हम कभी भी काले और सफेद नहीं होते, हमारे अंदर ग्रे होता है।'

'यह सिर्फ एक फिल्म है, हमने सिर्फ एक्टिंग की है'

'एनिमल' को लेकर आगे बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'हमने यह फिल्म बनाई, इसने काम किया। लोगों को यह पसंद है। अगर किन्हीं लोगों को यह नापसंद है तो यह उनकी अपनी निजी बात है। हमने सिर्फ एक सिनेमा बनाया है और लोगों को सिर्फ फिल्म के लिए फिल्म देखनी चाहिए और इन किरदारों को निभाने वाले अभिनेता को जज नहीं करना चाहिए। इसे और किसी अर्थ में न लें, यह सिर्फ एक्टिंग है। हम स्क्रीन पर दिखावा कर रहे हैं। असल में हम अलग हैं, हमारा नेचर अलग है। एक एक्टर के तौर पर हम अलग हैं।'

न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड में विजय देवरकोंडा के साथ नेतृत्व करेंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इस बार न्यूयॉर्क में होने वाली इंडिया डे परेड में विजय देवरकोंडा के साथ नेतृत्व करेंगी।

रश्मिका अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के साथ इंडिया डे परेड में ग्रैंड मार्शल के रूप में नजर आएंगी। 15 अगस्त को होने वाली इस परेड में रश्मिका और विजय अपने अफेयर की चर्चाओं के बीच एक साथ सामूहिक रूप से नजर आएंगे।

44 साल की ये एक्ट्रेस बिकनी लुक में देती हैं अपनी बेटी को मात

मशहूर टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर यहां अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इन दिनों वह मॉरिशस में छुट्टियां बिता रही हैं। वह अपने बच्चों के साथ यहां खूब मजे कर रही हैं। यहां से उन्होंने अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

श्वेता तिवारी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें उन्होंने अपने बच्चों की भी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने बिकनी में कई पोज दिए हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि 44 साल की श्वेता तिवारी लुक के मामले में 24 साल की अपनी बेटी पलक तिवारी को मात देती हैं। वह अपनी बेटी की सहेली लगती हैं।

अपनी मां के साथ छुट्टियां बिताने मॉरिशस गईं पलक तिवारी ने भी अपनी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। वह बिकनी पहने तस्वीरों में काफी खूबसूरत लग रही हैं। उनके फैंस उनकी तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं।

ऐसा लगता है कि श्वेता तिवारी 'कसौटी जिंदगी की' के दिनों से अब तक उसी तरह हैं। उन पर उम्र का असर नहीं हुआ है। उनकी बेटी पलक तिवारी भी अपनी मां के नक्श-ए-कदम पर हैं। वह 24 साल की उम्र में काफी खूबसूरत दिखती हैं। आपको बता दें कि श्वेता तिवारी एक सिंगल मदर हैं।

उनकी पहली शादी राजा चौधरी से 1998 में हुई थी, जिनसे उन्हें पलक है। बाद में उन्होंने अभिनव कोहली से 2013 में शादी की, जिनसे उन्हें बेटा रेयांश है। हाल ही में पलक तिवारी के पिता राजा चौधरी ने पलक और इब्राहिम के कथित रिश्ते को लेकर कहा था कि उन्हें इस सब चीजों से दूर रहना चाहिए।

अविका गौर को मिले अवॉर्ड्स

2008 इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स, बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट

2008 इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स जुलाई, बेस्ट अभिनेत्री ड्रामा

2009 इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स, बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट

2010 इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स, बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट

2014 3 साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स, बेस्ट फीमेल डेब्यू (तेलुगु)

बालिका वधु से बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में अविका ने किया बेहतरीन काम

टीवी सीरियल से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अविका गौर ने साउथ की फिल्मों में भी अच्छी अदाकारी की है। उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनके बारे में अहम बातें।

अविका गौर टीवी का जाना माना चेहरा हैं। आज वह अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। बालिका वधु में आनंदी के किरदार से उन्होंने घर-घर पहचान बनाई। बॉलीवुड में वह शाहिद कपूर के साथ नजर आ चुकी हैं। हिंदी के अलावा उन्होंने साउथ की फिल्मों में अपना लोहा मनवाया है। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें।

टीवी सीरियल से घर-घर में बनाई पहचान

30 जून 1997 को अविका गौर महाराष्ट्र के मुंबई शहर में एक गुजराती परिवार में जन्मी। अविका ने यहीं से अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने सबसे पहले साल 2007 में टीवी सीरियल 'श्श्श्श...कोई है' से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने 2008 से लेकर 2010 तक प्रसारित हुए टीवी सीरियल 'बालिका वधू' में आनंदी का किरदार निभाया। इस टीवी सीरियल से वह हर घर में मशहूर हुईं। साल 2011 में अविका ने टीवी सीरियल 'ससुराल सिमर का' में बेहतरीन अदाकारी की। इसके अलावा वह 2017 में 'लाडो-वीरपुर की मर्दानी' में नजर आ चुकी हैं।

रियलिटी शो से सुर्खियों में रहीं अविका

अविका गौर ने न सिर्फ टीवी सीरियल में काम किया है बल्कि उन्होंने रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वह साल 2012 में 'झलक दिखला जा 5' में नजर आईं थीं। साल 2019 में वह 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 9' में भी नजर आईं। इस रियलिटी शो में वह 12वें नंबर पर रहीं।

शाहिद कपूर के साथ फिल्म में नजर आईं अविका

अविका गौर का सफर महज टीवी शो या रियलिटी शो तक नहीं रहा। उन्होंने बॉलीवुड में भी काम किया है। वह साल 2009 में सबसे पहले बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस फिल्म 'मॉर्निंग वॉक', 2010 में शाहिद कपूर के साथ 'पाठशाला' और 2012 में 'तेज' में नजर आईं। साल 2023 में वह हिंदी फिल्म '1920; हॉरर ऑफ द हार्ट' और साल 2024 में 'ब्लडी इश्क' में नजर आईं।

साउथ की फिल्मों में अविका ने की अदाकारी

अविका गौर ने अपनी छोटी सी उम्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने टीवी सीरियल में अपना लोहा मनवाया। इसके बाद बॉलीवुड का रुख किया। इसी के साथ साउथ की फिल्मों में भी काम किया। अविका गौर ने साल 2013 में तेलुगू फिल्म 'उय्याला जम्पाला', साल 2014 में 'लक्ष्मी रावे मा इंतिकी', 2015 में 'सिनेमा चुपिस्ता मावा' और 'थानू नेनू' में बेहतरीन आदाकारी की। अविका गौर ने 2013 से लेकर 2025 तक साउथ की तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं की कई फिल्मों में काम किया।

अविका गौर की लव लाइफ

अविका गौर ने 13 जून 2025 को अपने लंबे समय से बॉयफ्रेंड रहे मिलिंद चंदवानी से सगाई कर ली है। मिलिंद का अपना एनजीओ है। दोनों की मुलाकात एक दोस्त के जरिए हैदराबाद में हुई थी।

साल 2020 से दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था। पहले दोनों दोस्त थे। कुछ वक्त बाद मिलिंद ने उन्हें प्रपोज किया। दोनों एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर अक्सर तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

सुलझ गया विवाद, 'हेरा फेरी 3' में बाबू भैया बनकर लौट रहे परेश रावल, खुद की पुष्टि

फिल्म 'हेरा फेरी' की तीसरी कड़ी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। मगर, अचानक जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक मायूस हो गए। फिल्म 'हेरा फेरी 3' की रौनक आखिर राजू (अक्षय कुमार), श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबू राव (परेश रावल) से है। एक भी एक्टर की अनुपस्थिति दर्शक नहीं चाहते। ऐसे में जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक निराश हो गए। मगर, अब खुशखबरी ये है कि परेश रावल फिल्म में वापसी कर रहे हैं और यह पुष्टि खुद उन्होंने की है।

बोले- 'दर्शकों के लिए जिम्मेदारी बनती है'

परेश रावल का कहना है कि वे 'हेरा फेरी 3' में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने यह खुलासा किया है। एक्टर ने बीते दिनों फिल्म को लेकर चली कंट्रोवर्सी पर

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब सब रिजॉल्व हो गया है। शो में परेश रावल से जब फिल्म को लेकर विवाद के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'कोई विवाद नहीं है। जब कोई चीज इतने लोगों को भाती आती है, तब हमें अतिरिक्त रहना पड़ता है। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि दर्शकों के लिए। दर्शक बैठे हैं और वे आपको इतना प्यार करते हैं। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उन्हें देना चाहिए'।

विवाद पर कहा- 'सब ठीक हो गया'

परेश रावल ने आगे कहा, 'मेरा यही मानना है कि सब साथ में आएं। मेहनत करें। मुझे और कुछ नहीं। कुछ हुआ नहीं है, अब सबकुछ ठीक हो गया है। प्रियदर्शन, अक्षय या सुनील, सभी ग्रेट हैं। हम सभी कई वर्षों से दोस्त हैं'। परेश रावल के फिल्म से किनारा कर लेने की खबर से निराश हुए दर्शक यह जानकर खुश हो जाएंगे कि बाबू राव के रूप में परेश रावल फिल्म में नजर आएंगे।

साल 2000 में आया पहला भाग

फिल्म 'हेरा फेरी' साल 2000 में रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। वहीं, 'फिर हेरा फेरी' ने साल 2006 में दस्तक दी और इसे भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। पहली फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था और अब तीसरी कड़ी का निर्देशन भी वहीं कर रहे हैं। हालांकि, दूसरे भाग का निर्देशन दिवंगत निर्देशक नीरज वोरा ने किया था।

इंडस्ट्री में 25 साल पूरे होने पर करीना ने किया पोस्ट, बोलीं- '25 साल और हमेशा के लिए'

अभिनेत्री करीना कपूर के आज बॉलीवुड में 25 साल पूरे हो गए हैं। करीना ने साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'रिफ्यूजी' से बॉलीवुड में एंट्री की थी। आज 25 साल बाद करीना इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हैं। वो अपने वक्त में इंडस्ट्री के हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस में से एक रही हैं। आज बॉलीवुड में अपने 25 साल पूरे होने पर अब करीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है।

बॉलीवुड में करीना कपूर का सफर अब 25 साल का हो चुका है। इस मौके पर करीना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्पेशल पोस्ट किया है। इस पोस्ट में करीना ने अपनी डेब्यू फिल्म 'रिफ्यूजी' से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में करीना अपने डेब्यू को-एक्टर अभिषेक बच्चन के साथ नजर आ रही हैं। जबकि कुछ फोटोज में वो अकेले नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए करीना ने कैप्शन में ज्यादा कुछ नहीं लिखा है। करीना ने कैप्शन में सिर्फ लिखा, '25 साल और हमेशा के लिए' इसके साथ ही करीना ने कुछ एक इमोजी का इस्तेमाल किया है। जिनमें रेड हार्ट और इनफिनिटी का साइन शामिल है।

नहीं हुई थी दमदार शुरुआत

हालांकि, करीना कपूर का डेब्यू वैसा नहीं रहा था, जैसी उन्हें उम्मीद थी। क्योंकि 30 जून 2000 को रिलीज हुई उनकी डेब्यू फिल्म 'रिफ्यूजी' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। हालांकि, करीना की उनके अभिनय के लिए तारीफ हुई थी। वहीं फिल्म के गाने काफी हिट रहे थे। जो आज भी लोगों की प्ले लिस्ट में शामिल हैं।

'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं करीना

करीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो 25 साल बाद भी करीना इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और लगातार फिल्में कर रही हैं। करीना आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इन दिनों वो अपनी आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं।

आइटम गानों में करीना कपूर ने किया जबरदस्त डांस

44 साल की करीना कपूर ने 25 साल के अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में की हैं। इसके साथ उन्होंने कई फिल्मों में आइटम गानों में डांस किया है।

फेविकोल से

करीना कपूर ने 'फेविकोल से' गाने में बेहतरीन डांस किया है। यह गाना साल 2012 में आई फिल्म 'दबंग 2' का है। जब यह गाना रिलीज हुआ था तो हर शख्स की जबान पर यही गाना था। शादियों और समारोहों में भी यह गाना खूब बजा। इस गाने में करीना के साथ सलमान खान ने भी बेहतरीन डांस किया था।

चिंता ता ता चिता चिता

'चिंता ता ता चिता चिता' गाना करीना कपूर के सबसे बेहतरीन आइटम गानों में से एक है। इस गाने पर अक्षय कुमार ने बेहतरीन डांस किया है। हालांकि करीना कपूर ने अपने डांस से इस गाने में जान डाल दी है। यह गाना साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'राउडी राठौर' का है। गाने को मीका सिंह और वाजिद खान ने आवाज दी है।

मरजानी मरजानी

करीना कपूर के आइटम गाने 'मरजानी मरजानी' ने आते ही धमाल मचा दिया था। इस गाने की धुन कई शादियों और समारोहों में सुनी गई। गाने पर करीना कपूर के साथ शाहरुख खान ने खूब ठुमके लगाए थे। यह आइटम नंबर 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'बिल्लू' का है।

छलिया छलिया

करीना कपूर का आइटम नंबर 'छलिया छलिया' भी काफी मशहूर गाना है। इस गाने में उन्होंने अपने जीरो फिगर में बेहतरीन डांस किया है। यह गाना साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'टशन' का है। इस गाने को उन दिनों डीजे पर सबसे ज्यादा सुना गया।

दिल मेरा मुफ्त का

करीना कपूर के सबसे अच्छे डांस वाले गानों में 'दिल मेरा मुफ्त का' शामिल है। इस गाने में करीना कपूर ने अपनी बेहतरीन अदाएं दिखाई हैं। गाने में वह गुलशन ग्रोवर को रिझाते हुए नजर आ रही हैं। यह गाना 2012 में आई फिल्म 'एजेंट विनोद' का है। प्रीतम ने इस गाने को म्यूजिक दिया है।

ये मेरा दिल

साल 2006 में रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म 'डॉन' का 'ये मेरा दिल' गाना काफी मशहूर है। इस गाने में करीना ने जबरदस्त डांस किया है। गाने में करीना कपूर अपनी अदाओं से शाहरुख खान ध्यान बांटने की कोशिश करती हैं। यह गाना आज भी लोगों की जबान पर रहता है।

युवाओं में क्यों बढ़ गया है समय से करीब 20 साल पहले मौत का खतरा

लाइफस्टाइल और खानपान में गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में कई प्रकार की नॉन कम्युनिकेबल बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। 'नॉन कम्युनिकेबल डिजीज' वे बीमारियां हैं जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे नहीं फैलती हैं।

ये रोग आमतौर पर दीर्घकालिक होते हैं और इनके लिए आनुवंशिक, शारीरिक, पर्यावरणीय स्थितियां जिम्मेदार मानी जाती रही हैं, हृदय रोग-डायबिटीज और कैंसर ऐसी ही स्वास्थ्य समस्याएं हैं जिनका जोखिम सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, नॉन कम्युनिकेबल डिजीज समय से पहले मृत्यु के खतरे को भी बढ़ाते जा रहे हैं।

इसी संबंध में हाल ही में इंग्लैंड में किए गए एक सर्वे में पाया गया है कि 16 वर्ष या उससे अधिक आयु के 50 में से एक व्यक्ति को समय से पहले मृत्यु का खतरा हो सकता है। इसके लिए विशेषज्ञों ने मुख्यरूप से तीन कारणों को जिम्मेदार पाया है।

असमय मृत्यु के लिए कौन से कारण जिम्मेदार हैं, क्यों इसका जोखिम बढ़ता जा रहा है? आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

सेहत पर 'ट्रिपल अटैक'

इंग्लैंड के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, धूम्रपान-शराब की आदत के साथ लोगों में बढ़ती मोटापे की समस्या, ये तीन वजहें हैं जिनके कारण लोगों में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का जोखिम भी तेजी से बढ़ता जा रहा है, जो असमय मृत्यु का कारण बन रही हैं।

एक वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा कि इस "ट्रिपल खतरे" के कारण पिछले एक दशक में कैंसर और मधुमेह जैसी बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव भी बढ़ गया है। ये इतना खतरनाक है कि लोग समय से करीब 20 साल पहले मौत का शिकार हो रहे हैं, यानी इन बीमारियों ने बड़ी संख्या में लोगों की उम्र के दो दशक तक कम कर दिया है।

10 लाख से अधिक लोगों में असमय मृत्यु का जोखिम

चैरिटी एक्शन ऑन स्मोकिंग एंड हेल्थ (एश) द्वारा इंग्लैंड में किए गए स्वास्थ्य सर्वेक्षण के विश्लेषण से पता चला है कि इंग्लैंड में लगभग 1 मिलियन लोग (10 लाख) लोग असमय मृत्यु वाले जोखिमों के साथ जी रहे हैं। कुल आबादी के करीब 2.2% लोग तम्बाकू का उपयोग करते हैं,

सप्ताह में 14 यूनिट से अधिक शराब पीते हैं और अधिक वजन वाले या मोटे हैं। अधिक वजन से मतलब 25 या उससे अधिक का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) है।

सर्वे में क्या पता चला?

सर्वे में पाया गया है कि लगभग 1 करोड़ (जनसंख्या का 22%) लोगों में तीन में से दो समस्याएं (शराब-धूम्रपान या मोटापा) हैं, जबकि 33.9 मिलियन (73.6%) लोगों में कम से कम एक जोखिम कारक मौजूद हैं। अल्कोहल हेल्थ अलायंस के अध्यक्ष प्रोफेसर सर इयान गिलमोर ने कहा, यह चौंकाने वाली बात है कि इंग्लैंड में 50 में से एक वयस्क को तंबाकू, शराब और अस्वास्थ्यकर भोजन के संयोजन के कारण असमय मृत्यु का जोखिम बहुत अधिक है।

धूम्रपान, शराब और अधिक वजन कैंसर, हृदय रोग और यकृत रोग जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक बढ़ाते हैं। जब ये जोखिम कारक एक साथ होते हैं, तो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा और भी अधिक बढ़ जाता है।

दुनियाभर के लोगों को रहना चाहिए अलर्ट

लंबे समय तक या आजीवन धूम्रपान की आदत किसी व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा को लगभग 10 वर्ष कम कर देती है। इसी तरह ग्रेड तीन का मोटापा (40 से अधिक बीएमआई) के साथ गंभीर रूप से मोटापे से ग्रस्त होना भी लगभग इतना ही खतरनाक है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये अध्ययन भले ही सिर्फ इंग्लैंड के लोगों पर किया गया है पर इस इस "ट्रिपल खतरे" को दुनियाभर के लिए जोखिम के रूप में जाना जाना चाहिए। इन तीनों समस्याओं से दूरी बनाकर या इसमें सुधार करके आप कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव कर सकते हैं।

दालचीनी का पानी पीने से मिलते हैं ये बड़े फायदे

दालचीनी हमारी भारतीय रसोई का एक बेहद स्वादिष्ट और सुगंधित मसाला है। आयुर्वेद में दालचीनी को औषधीय गुणों का खजाना भी माना जाता है। सदियों से इसे खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी चमत्कारी माना जाता रहा है। दालचीनी का पानी पीने के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

यह साधारण-सा दिखने वाला पेय एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों और कई जरूरी खनिजों से भरपूर होता है, जो हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। नियमित रूप से दालचीनी का पानी पीने से हमारा पाचन तंत्र बेहतर होता है। इतना ही नहीं, यह न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि हमारी त्वचा और बालों के लिए भी

फायदेमंद होता है।

दालचीनी के पानी के प्रमुख फायदों और इसके सही तरीके से सेवन करने की विधि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

मधुमेह नियंत्रण में सहायक

दालचीनी का पानी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसमें मौजूद सिनामाल्डिहाइड जैसे यौगिक इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं, जिससे मधुमेह रोगियों को लाभ मिलता है। सुबह खाली पेट एक गिलास दालचीनी का पानी पीने से मधुमेह प्रबंधन में मदद मिलती है। हालांकि, मधुमेह की दवाइयां लेने वाले लोगों इसके सेवन से पहले डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

वजन घटाने में प्रभावी

दालचीनी का पानी मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जो वजन घटाने में सहायक है। इसमें मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भूख को नियंत्रित करते हैं, जिससे जंक फूड की क्रेविंग कम होती है। यह शरीर में फैट बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है। रोजाना एक गिलास दालचीनी का पानी पीने से कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाए

दालचीनी में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को हेल्दी रखते हैं। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को कम करता है। दालचीनी का पानी आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है और पाचन एंजाइमों को सक्रिय करता है। रोज एक गिलास दालचीनी का पानी पीने से पेट हल्का और स्वस्थ रहता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

दालचीनी का पानी कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है।

सेवन की सही विधि

एक चम्मच दालचीनी पाउडर या एक छोटी दालचीनी की छड़ी को एक गिलास पानी में रातभर भिगोएं या 5 मिनट उबालें। सुबह छानकर खाली पेट पिएं। स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अधिक मात्रा में दालचीनी का पानी पीने से बचें, क्योंकि यह पेट में जलन पैदा कर सकता है।

घुटने में होने वाले दर्द को इन आसान तरीकों कर सकते हैं दूर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घुटने का दर्द एक आम समस्या बन गया है, जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित करता है। यह दर्द अक्सर हमारे रोजमर्रा के कार्यों को मुश्किल बनाता है, चाहे वो उठना-बैठना हो, चलना-फिरना हो, या सीढ़ियां चढ़ना हो। गठिया, मांसपेशियों की कमजोरी, बढ़ता मोटापा या बैठने-चलने की गलत पोस्चर इसके कुछ बड़े कारण हो सकते हैं। अगर इस दर्द पर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकता है और जीवन को और कठिन बना सकता है।

अच्छी बात ये है कि घुटने के दर्द को कम करने के लिए कुछ आसान और असरदार उपाय अपनाया जा सकते हैं। आइए इस लेख में हम कुछ प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं, ताकि आप घुटने के दर्द से छुटकारा पा सकें।

वजन नियंत्रित करें

अतिरिक्त वजन घुटनों पर दबाव डालता है, जिससे दर्द और गठिया का खतरा बढ़ता है। संतुलित आहार अपनाएं, जिसमें फाइबर युक्त सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन शामिल हों। चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों से बचें। रोजाना 30 मिनट की टहलें या हल्का व्यायाम करें क्योंकि ये वजन कम करने में मदद करता है।

कम प्रभाव वाले व्यायाम

घुटनों की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए कम प्रभाव वाले व्यायाम, जैसे तैराकी, साइकिलिंग या योग बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। ये जोड़ों पर दबाव डाले बिना उन्हें लचीला बनाते हैं। क्वाड्रिसेप्स और हैमस्ट्रिंग को मजबूत करने वाली स्ट्रेचिंग करें। रोजाना 10-15 मिनट योग, जैसे ताड़ासन या वीरभद्रासन, घुटनों को मजबूत करने में मदद करते हैं। व्यायाम शुरू करने से पहले फिजियोथेरेपिस्ट से जरूर सलाह लें।

गर्म और ठंडी सिकाई

घुटने के दर्द में गर्म और ठंडी सिकाई बेहद प्रभावी होते है। सूजन या चोट के लिए पहले 48 घंटों में ठंडी सिकाई (आइस पैक) करें, जो सूजन और दर्द को कम करती है। पुराने दर्द को कम करने के लिए गर्म सिकाई (हॉट पैक) मांसपेशियों को आराम देती है और रक्त संचार बढ़ाती है। ध्यान रखें कि सिकाई सीधे त्वचा पर न करें, बल्कि कपड़े का उपयोग करें।

सही मुद्रा और सपोर्ट

गलत तरीके से बैठना, चलना या भारी वजन उठाना घुटनों पर दबाव डालता है। हमेशा रीढ़ सीधी रखें और बैठते समय घुटनों को 90 डिग्री पर रखें। अच्छे कुशन वाले जूते पहनें, जो झटके अवशोषित करें। जरूरत पड़ने पर नी ब्रेस या सपोर्ट बैंड का उपयोग करें। लंबे समय तक एक ही स्थिति में न रहें और हर 30 मिनट में हल्की गतिविधि करते रहें।

ऐसे बढाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता

प्रश्न : हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता कैसे बढ़ा सकते हैं? कृपया बताएं!

- ए श्रीनिवास राव, मेदक

उत्तर : आज के प्रदूषण और मौसम में भारी बदलाव के चलते हमें हमारी नैसर्गिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना जरूरी है। इस क्षमता के माध्यम से ही हम बीमारियों से काफी हद तक सुरक्षित रह सकते हैं। कुछ सरल उपाय हैं जिन्हें अपनाया जा सकता है

* अधिक मात्रा में प्रोटीनः दूध, दही, पनीर, सोयाबीन, देसी चने का प्रयोग।

* मेवे नित्य लेवेंः अखरोट, बादाम, अलसी, तिल आदि का प्रयोग।

* मौसमी फल व सब्जियों का सेवन।

* सुबह के नाश्ते में बाजरा, ओट्स, सोया, गेहूं, चना आदि शामिल करें।

* एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त आहार लेवेंः ऐसे आहार लेवें जिसमें जीवनीय द्रव्य बीटा कैरोटीन, जस्ता, सिलेनियम, लोह तत्व, प्रचुर मात्रा में हो। हरी सब्जियां, लाल टमाटर, शिमला मिर्च, चुकंदर, गाजर, पपीता, संतरा, अंगूर आदि लेवें।

* नित्य व्यायाम करें।

* यथासंभव तनावमुक्त रहें। प्रसन्न रहें ।

*मुलेठी, अश्वगंधादि चूर्ण, शतावर्यादि चूर्ण नित्य लेवें। आमलकी रसायन, कोहिनूर प्राश,रजवाड़ीप्राश, चवनप्राश, पंचासव, ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस, सिद्ध मकरध्वज आदि का प्रयोग करें ।

ये कुछ ऐसे उपाय हैं जिसका आप अपने जीवन में समावेश कर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं।

प्रश्न : मेरी उम्र 77 वर्ष है। शरीर वैसे स्वस्थ है, पर पिछले एक माह से रक्तचाप बढ़ा हुआ है। भोजन में कौन सी चीजें खाने और कौन सी चीजें कम करनी चाहिए ? साथ ही सरल उपचार बताएं।

- श्रीमती अन्नपूर्णा, सिद्दीपेट

उत्तर : आहार का रक्तचाप से गहरा संबंध है । वैसे आपकी आयु में सामान्यतः बीपी 140/90 एम एम हेच जी रहना चाहिए। इस स्तर से बढ़ने पर भोजन में परिवर्तन और हल्की दवा-दोनों का ही प्रयोग करना चाहिए।

मौसमी ताजी सब्जियां और फलों का प्रयोग करें। नमक की मात्रा को कम से कम कर दे । अचार, चटनियां, पापड़ व नमकीन पर रोक लगाएं। तले पदार्थ बंद करें। दूध फुल क्रीम लेने के बजाय डबल टोंड लेवें। स्नैक्स के बजाय सलाद लेवें। नित्य हल्के-फुल्के व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास करें। दिनभर की सक्रियता में से कुछ समय समुचित विश्राम किया करें। किसी भी प्रकार के तनाव से बचें। ईश्वर में पूरा विश्वास रखें। अपनी सोच सकारात्मक रखें। औषधियों में सर्पगंधा घनवटी टिकियां और

टेंसट्रीम टिकियां रात सोते समय गाय के दूध से लेकर आराम करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट एवं पुनर्नवासव 10-10 मिलीलीटर की मात्रा में लेकर दो गुना पानी मिलाकर सेवन करें। शवासन का प्रयोग भी शरीर की थकान मिटा कर शरीर को ताजा एवं सक्रिय रखता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है मेरे पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर मैंने लिपिड प्रोफाइल कराई थी उसमें ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर काफी बढ़ा हुआ(535mg/dl) था। कृपा करें ऐसे उपाय बताएं कि मैं इसे कंट्रोल कर सकूं।

- दिवाकर रेड्डी, खम्मम

उत्तर : सामान्य रूप से स्वस्थ व्यक्ति के खून में ट्राइग्लिसराइड्स 150 मिलीग्राम/ डेसी लीटर से कम रहना चाहिए । आपका ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर निश्चित रूप से सामान्य से अधिक हैं । खानपान में सावधानियां बरतने से आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं।

पहले आप भोजन की मात्रा कम करें। जिन खाद्य पदार्थों में अधिक कैलोरी मिलती है उसको पूरा बंद करें। तले पदार्थ, मिठाईयां, फास्ट फूड ,जंक फूड ,आलू टिक्की, पिज़्ज़ा, बर्गर, पकोड़े, समोसे, छोले भटूरे, कचौड़ी, पूरी, मठरी, दूध के पदार्थ, घी , मलाई आदि को बंद करें । फल, हरी सब्जियां, सलाद, लहसुन, अलसी के बीजों की बनी हुई सूखी चटनी, छिलकेदार दालें , चोकर युक्त आटे की रोटी या फुल्के, इसबगोल आदि का प्रयोग करें। नित्य कसरत करें। प्रातः काल पहले तेज पैदल चलें। एरोबिक्स करें। नृत्य करें । तैरें, जो भी व्यायाम आप कर सकते हैं, अवश्य करें ।

ोजन के पहले और बाद में गुनगुना पानी पिया करें । ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु, शुद्ध गुग्गुलु के संग ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टेबलेट का प्रयोग करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट और त्रिफलारिष्ट के10-10 मिलीलीटर दवा को गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में हल्का बनाता है और चर्बी का क्षय होता है। सर्दियों में सरसों के तेल की मालिश की जाती है जो चर्बी को नियंत्रण में रखती है। उपरोक्त दवाओं के संग कसरत करने से पूरा पूरा लाभ मिलता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

हाल के वर्षों में कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों का खतरा काफी तेजी से बढ़ा है, इन सभी के लिए कमजोर इम्युनिटी को प्रमुख कारण माना जाता है। इसका मतलब है कि अगर आप अपनी इम्युनिटी को मजबूत कर लेते हैं तो संक्रामक बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।

जब बात इम्युनिटी बढ़ाने की होती है तो विटामिन-सी वाली चीजों की सबसे ज्यादा चर्चा की जाती है। विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह पानी में घुलनशील विटामिन है, इसे नियमित रूप से आहार से प्राप्त करना जरूरी है।

अध्ययन बताते हैं कि विटामिन-सी वायरस, बैक्टीरिया और अन्य रोगजनकों से लड़ने में शरीर की मदद करता है। अपने आहार में विटामिन सी वाली चीजों को जरूर शामिल करें।

विटामिन-सी वाली चीजों को बनाएं आहार का हिस्सा

क्या आप अपने दैनिक आहार से विटामिन-सी की पूर्ति कर पा रहे हैं? अगर नहीं तो जरूरी है कि इसपर विचार करें और विटामिन-सी वाली चीजों के सेवन की नियमित आदत बनाएं।

विटामिन-सी न सिर्फ इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, बल्कि ये त्वचा को स्वस्थ बनाए रखता है और घावों को जल्दी भरने में मदद करता है। विटामिन-सी हमारे शरीर में एंटीऑक्सीडेंट के रूप में भी काम करता है जिससे शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद मिलती है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी सेहत के लिए इसे रोजाना भोजन के माध्यम से प्राप्त करना आवश्यक है।

आंवला

आंवला विटामिन-सी के प्रमुख स्रोतों में से एक है, जिसमें अन्य फलों की तुलना में कई गुना अधिक विटामिन-सी होता है। एक कप कच्चे आंवले में लगभग 42 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। अधिकांश वयस्कों के लिए प्रतिदिन 75 से 90 मिलीग्राम विटामिन सी की जरूरत होती है, आंवला खाने से इसकी पूर्ति की जा सकती है। आंवला में जिंक और विटामिन ई भी होता है, जो शरीर की प्राकृतिक क्षमता को बढ़ाता है।

संतरा और नींबू का सेवन

विटामिन सी के लिए संतरा और नींबू का सेवन करना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और स्किन की रंगत सुधारने में मदद करता है। 100 ग्राम संतरे में 53 ग्राम विटामिन-सी पाया जाता है। नींबू भी विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। नींबू पानी पीने से शरीर में इस विटामिन की पूर्ति की जा सकती है।

ब्रोकली भी फायदेमंद

ब्रोकली हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी सब्जी है, इसके नियमित सेवन की आदत बनाएं। विटामिन-सी के साथ-साथ ये फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। ब्रोकली में कैंसर रोधी गुण भी होते हैं। इसे हल्का उबालकर या सलाद के रूप में खा सकते हैं।

इन फलों का करिए सेवन

कई फल भी विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। पपीता और अनानास ऐसे ही लाभकारी फल हैं। पपीता विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, जो पाचन को सुधारने और त्वचा को निखारने में मदद करता है। इसी तरह से आप अनानास खाकर भी विटामिन सी पा सकते हैं। अनानास का सेवन पाचन को सुधारता है, शरीर में सूजन कम करता है और त्वचा को हाइड्रेट रखता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, विटामिन सी केवल एक पोषक तत्व नहीं, बल्कि संक्रामक बीमारियों से लड़ने वाला एक प्राकृतिक कवच है। इसकी पर्याप्त मात्रा न केवल इम्युनिटी को बूस्ट करती है, बल्कि त्वचा, आंखों, और दिल के लिए भी फायदेमंद है। प्राकृतिक स्रोतों से इसे प्राप्त करना सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।

ऑपरेशन सिंदूर की वजह से सरकार को कोई वित्तीय परेशानी नहीं है

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत में कंपनियां अब निवेश करने लगी हैं। हालांकि, शहरों में लोगों की खर्च करने की आदत को लेकर कुछ परेशानी है, लेकिन इस बात की उन्हें ज्यादा चिंता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आर्थिक सुधारों को रोकने वाली नहीं है।

गोल्डीलॉक्स सिचुएशन

सीतारमण ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 'गोल्डीलॉक्स सिचुएशन' में है। 'गोल्डीलॉक्स सिचुएशन' का मतलब है कि अर्थव्यवस्था न तो बहुत ज्यादा सनसनी की स्थिति है और न ही बहुत ज्यादा सुस्ती। यह उद्योग जगत के लिए एकदम सही स्थिति है। उन्होंने कहा कि यह नरेंद्र मोदी सरकार के 11 सालों की मेहनत का नतीजा है। सरकार जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) और इनकम टैक्स को और भी आसान बनाना चाहती है। साथ ही, जरूरी चीजों की सप्लाई को सुनिश्चित करना, जमीन से जुड़े कामों को तेजी से निपटाना और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को मजबूत करना चाहती है।

आत्मनिर्भर भारत ने दिखा दिया

सीतारमण ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत ने दिखा दिया है कि वह रक्षा क्षेत्र में क्या कर सकता है। यह सफलता से भी बढ़कर है। उन्होंने बताया कि दिवाला और दिवालियापन संहिता में बदलाव से जुड़े बिल को भी जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। इस समय बैंकिंग क्षेत्र बहुत अच्छा कर रहा है, लेकिन और भी बैंकों का स्वागत है। उन्होंने यह भी बताया कि आईडीबीआई बैंक का निजीकरण इस साल होने की उम्मीद है।

तेज होगी गति

सीतारमण ने अर्थव्यवस्था के बारे में बात करते हुए कहा, जमीन पर अच्छी गति दिख रही है। मुझे उम्मीद है कि आगे चलकर यह गति और भी तेज होगी, क्योंकि मानसून से अच्छी खबर आ रही है। उन्होंने बताया कि देश में अच्छी बारिश हुई है और ई-वे बिल और पीएमआई(परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) के आंकड़े भी मजबूत हैं, जिससे पता चलता है कि कारोबार अच्छा चल रहा है।

बढ़ रहा है निजी निवेश

निजी निवेश , जो विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, वापस आ रहा है। सीतारमण ने बताया, बेशक, वे आ रहे हैं। दुनिया की स्थिति को देखते हुए, मुझे लगता है कि भारतीय उद्योग भी सतर्क था, लेकिन अब मैं उन्हें आगे बढ़ते हुए देख सकती हूं। उन्होंने कहा कि बैंकरों ने उन्हें बताया है कि निजी क्षेत्र कर्ज के लिए उनसे संपर्क कर रहा है। राज्य भी निवेश आकर्षित करने में अच्छा काम कर रहे हैं। शहरों में लोगों की मांग को लेकर उन्हें ज्यादा चिंता नहीं है।

शहरी खपत के बारे में चिंता नहीं

शहरी इलाके में खपत या कंजप्शन में दिख रही कमी पर भी उन्होंने बात की। उन्होंने कहा, मुझे शहरी खपत के बारे में ज्यादा चिंता नहीं है, लेकिन चूंकि मैं इस पर नजर रख रही हूं, इसलिए मैं इस पर कड़ी नजर रखूंगी। बैंकरों को उम्मीद है कि आरबीआई(भारतीय रिजर्व बैंक) द्वारा हाल ही में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद ब्याज दरों में कमी आएगी। उन्होंने कहा, बेशक, इसमें कुछ समय लगेगा क्योंकि बैंकों को उधार देने और जमा करने दोनों को संभालना होगा। उन्होंने कहा, उन्हें एक मुश्किल रास्ते पर चलना है। ऐसा नहीं है कि वे कटौती को आगे नहीं बढ़ाना चाहेंगे।

सुधार जारी रहेगा

सीतारमण ने कहा कि कारोबार करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए काम जारी रहेगा और जीएसटी सुधारों पर पहले ही बहुत काम किया जा चुका है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं इसे जल्द ही पूरा कर लूंगी।

ट्रेन के किराए में 1 जुलाई से बड़ा बदलाव

बढ़ेंगे या घटेंगे? पूरी डिटेल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय ने यात्री किराए में बदलाव करने का फैसला किया है। यह बदलाव 1 जुलाई 2025 से लागू होगा। किराए में यह बदलाव आईआरसीए की ओर से प्रकाशित नई किराया सारणी के अनुसार होगा। उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लेकिन, अन्य सभी क्लास के किराए में कुछ बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी प्रति किलोमीटर के हिसाब से की जाएगी। यह फैसला रेल मंत्रालय ने इसलिए लिया है ताकि यात्री सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। रेल मंत्रालय ने 1 जुलाई 2025 से यात्री ट्रेनों के किराए में कुछ बदलाव करने का निर्णय लिया है। यह बदलाव इंडियन रेलवे कॉन्फ्रेंस एसोसिएशन (आईआरसीए) की ओर से जारी की गई नई किराया सारणी के अनुसार होगा। इस बदलाव में अलग-अलग दूरी और क्लास के हिसाब से किराए में बढ़ोतरी की गई है।

यहां नहीं हुआ है कोई बदलाव

सबसे पहले बात करते हैं कि किस तरह के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जो लोग लोकल ट्रेन में सफर करते हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। सबअर्बन यानी उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों (सबअर्बन और नॉन-सबअर्बन) के सिंगल जर्नी के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसका मतलब है कि लोकल ट्रेन से सफर करने वाले लोगों को पहले की तरह ही किराया देना होगा।

कहां बढ़ गया है किराया?

अब बात करते हैं कि किस क्लास के किराए में कितनी बढ़ोतरी की गई है। सेकंड क्लास ऑर्डिनरी में 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। लेकिन, 501 से 1500 किलोमीटर के लिए 5 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, 1501 से 2500 किलोमीटर के लिए 10 रुपये और 2501 से 3000 किलोमीटर के लिए 15 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। स्लीपर क्लास ऑर्डिनरी और फर्स्ट क्लास ऑर्डिनरी में आधा पैसा प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। मेल/एक्सप्रेस (नॉन-एसी) क्लासेस जैसे सेकंड क्लास, स्लीपर क्लास और फर्स्ट क्लास में 1 पैसा प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। एसी क्लासेस की बात करें तो एसी चेयर कार, एसी-3 टियर/3ई, एसी-2 टियर, एसी फर्स्ट क्लास/ईसी/ईए में 02 पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्ध हुई है।

सोना महंगा हुआ, चांदी के दाम में गिरावट : सोना 167 बढ़कर 95,951 पर पहुंचा, चांदी 1.06 लाख किलो बिक रही

सोने के दाम में आज यानी 30 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 167 बढ़कर 95,951 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 95,784 पर था। वहीं चांदी की कीमत 682 गिरकर 1,05,875 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,193 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,410 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,260 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,150

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,260 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,150

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,260 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,150

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,310 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,200

इस साल अब तक 19,789 महंगा हुआ

सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,789 रुपए बढ़कर 95,951 रुपए पर पहुंच गया है।

सेंसेक्स 452 अंक गिरकर 83,606 पर बंद

निफ्टी 121 लुढ़का, ट्रेंट, बीईएल और एसबीआई 3% चढ़े; रियल्टी और ऑटो शेयरों में गिरावट

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी आज सोमवार, 30 जून को सेंसेक्स 452 अंक गिरकर 83,606 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 121 अंक की गिरावट रही, ये 25,517 पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 में तेजी और 18 में गिरावट रही।

ट्रेंट का शेयर 3.10% चढ़ा, बीईएल और एसबीआई में भी 2% तक की तेजी रही। एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति के शेयरों में 2% से ज्यादा की गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 19 में तेजी और 31 में गिरावट रही। एनएसई के सरकारी बैंकों के इंडेक्स में 2.66% की तेजी रही। फार्मा, आईटी, मीडिया और हेल्थकेयर में भी 1% की तेजी रही। वहीं, प्राइवेट बैंक, रियल्टी और ऑटो में 1% तक की गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.84% ऊपर 40,487 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.52% चढ़कर 3,072 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.87% गिरकर 24,072 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.59% ऊपर नीचे 3,444 पर बंद हुआ। 27 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.00% चढ़कर 43,819 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.52% ऊपर 20,273 पर और एसएंडपी 500 0.52% चढ़कर 6,173 पर बंद हुए। क्रॉप प्रोटेक्शन, प्लांट न्यूट्रिएंट्स और बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस का आईपीओ गुरुवार, 26 जून से ओपन है।

निवेशक इस इश्यू के लिए आज यानी 30 जून तक बोली लगा सकेंगे।

27 जून को विदेशी निवेशकों (एफआईआईएस) ने कैश सेगमेंट में 1,397.02 करोड़ रुपए की खरीदारी की। वहीं, घरेलू निवेशकों (डीआईआई) ने 588.93 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 8,320.48 करोड़ और घरेलू निवेशकों ने 69,176.47 करोड़ की नेट खरीदारी है।

मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार, 27 जून को सेंसेक्स 303 अंक चढ़कर 84,059 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 89 अंक की तेजी रही, ये 25,638 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट रही। एशियन पेंट्स का शेयर 3.1% चढ़ा।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच उछल गया अनिल अंबानी का यह शेयर, जानिए कहां से मिली संजीवनी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में गिरावट के बीच अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर में आज तेजी आई। मजबूत वॉल्यूम के दम पर कंपनी का शेयर आज तीन फीसदी की तेजी के साथ 71.70 रुपये पर पहुंच गया।

पिछले पांच सत्र में इसमें 13% तेजी आई है। कंपनी विदेश में 1,500 मेगावाट गैस आधारित प्रोजेक्ट लगाना चाहती है। कंपनी ने कुवैत, यूएई और मलेशिया में इस तरह के प्रोजेक्ट्स के लिए बोली लगाई है। साथ ही कंपनी को भूटान में 1,270 मेगावाट प्रोजेक्ट का ठेका भी मिला है जो रिन्यूएबल सेक्टर में उस देश का सबसे बड़ी एफडीआई है। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी को 126 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ जबकि एक साल पहले उसे 397 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। दोपहर बाद दो बजे बीएसई सेंसेक्स 490.88 अंक यानी 0.58% की गिरावट के साथ 83,568.02 अंक पर ट्रेड कर रहा था। इस दौरान रिलायंस पावर का शेयर 0.65% की तेजी के साथ 69.45 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 71.70 रुपये तक गया। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 76.49 रुपये तक गया। कंपनी का शेयर 11 जून को इस स्तर तक पहुंचा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 25.76 रुपये हैं। रिलायंस पावर 1,500 मेगावाट की गैस आधारित बिजली परियोजना स्थापित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी इस संबंध में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बोलियों में भाग ले रही है। रिलायंस पावर ने कुवैत, यूएई और मलेशिया में गैस आधारित बिजली परियोजनाओं के लिए बोलियां दाखिल की हैं। कंपनी ने हाल ही में भूटान में दो बड़ी बिजली परियोजनाएं हासिल की हैं।

फार्मा सेक्टर की दुनिया हिलाने की तैयारी में गुजरात की कंपनी, एक झटके में बन जाएगी नंबर 2

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद की दवा कंपनी टोरेंट फार्मास्युटिकल्स बड़ा धमाका करने का तैयारी में है। यह कंपनी जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। यह सौदा लगभग 19,500 करोड़ रुपये का है।

इस डील के बाद टोरेंट भारत की दूसरी सबसे बड़ी फार्मा कंपनी बन जाएगी। यह सौदा भारत के फार्मा सेक्टर का दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2015 में सन फार्मा ने रैनबैक्सी लेबोरेटरीज को करीब 4 अरब डॉलर में खरीदा था। टोरेंट अमेरिका की पीई कंपनी केकेआर से 46.39% हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए टोरेंट लगभग 11,917 करोड़ रुपये देगी। इसके अलावा, जेबी केमिकल्स के कुछ कर्मचारियों से 2.8% हिस्सेदारी भी खरीदी जाएगी। इसके लिए 719 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। हर शेयर की कीमत 1,600 रुपये होगी। नियमों के अनुसार, इस डील के बाद टोरेंट को एक ओपन ऑफर लाना होगा। इसमें कंपनी, पब्लिक शेयरहोल्डर्स से 26% अतिरिक्त शेयर खरीदेगी। इसके लिए 6,842.8 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ओपन ऑफर में शेयर की कीमत 1,639.18 रुपये प्रति शेयर होगी। जेबी केमिकल्स के शेयर की कीमत शुक्रवार को बीएसई में 1,799.35 रुपये थी। ओपन ऑफर की कीमत इससे करीब 9% कम है।

कितने शेयर मिलेंगे

डील होने के बाद जेबी फार्मा का टोरेंट में मर्जर हो जाएगा। जेबी फार्मा के हर 100 शेयर के बदले शेयरहोल्डर्स को टोरेंट के 51 शेयर मिलेंगे। इस डील से टोरेंट को जेबी फार्मा के पुराने ब्रांड मिलेंगे। ये ब्रांड क्रोनिक थेरेपी सेगमेंट में हैं। साथ ही, टोरेंट को ऑप्थल्मोलॉजी जैसे नए क्षेत्रों में एंट्री करने का मौका मिलेगा। इससे टोरेंट को कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीडीएमओ) में भी मदद मिलेगी।

टोरेंट, 46.39% हिस्सेदारी शेयर परचेज एग्रीमेंट के जरिए खरीदेगी। कर्मचारियों से 2.80% हिस्सेदारी खरीदने के बाद, टोरेंट की हिस्सेदारी 49.19% हो जाएगी। इसके बाद, कंपनी को ओपन ऑफर लाना होगा। इस डील को एसईबीआई, स्टॉक एक्सचेंज, सीसीआई, एनसीएलटी और दूसरे रेगुलेटर्स से मंजूरी लेनी होगी। केकेआर ने 2020 में जेबी फार्मा में 65% हिस्सेदारी खरीदी थी। मार्च 2024 में, कंपनी ने ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के जरिए 1,460 करोड़ रुपये में 5.8% हिस्सेदारी बेची थी। जेबी फार्मा की स्थापना 1976 में हुई थी। यह कंपनी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, डर्मेटोलॉजी और डायबिटीज जैसी बीमारियों के लिए दवाएं बनाती है। यह 40 से ज्यादा देशों में दवाएं एक्सपोर्ट करती है। यह मेडिकेटेड लोजेंज की एक बड़ी सीडीएमओ प्लेयर है। इसके भारत में आठ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। टोरेंट फार्मा का सालाना रेवेन्यू 11,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह 45,000 करोड़ रुपये के टोरेंट ग्रुप का हिस्सा है। यह भारत में कार्डियोवैस्कुलर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, सीएनएस और कॉस्मो-डर्मेटोलॉजी थेरेपी में टॉप पांच कंपनियों में से एक है। इसकी घरेलू रेवेन्यू का लगभग 76% क्रोनिक और सब-क्रोनिक सेगमेंट से आता है।

ऐसा तो सोचा ना था: देश ही नहीं विदेशों में भी इंडिगो के यात्री हो रहे हैं परेशान

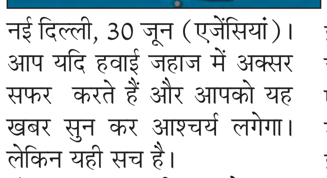

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। आप यदि हवाई जहाज में अक्सर सफर करते हैं और आपको यह खबर सुन कर आश्चर्य लगेगा। लेकिन यही सच है।

संयुक्त अरब अमीरात के रास अल-खैमाह में रहने वाले एक भारतीय मूल के यात्री ने इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में अपने बुरे अनुभव के बारे में बताया है। विनय मल्ल नाम के इस यात्री ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट लिखा है, जो अब वायरल हो गया है। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया है कि 23 जून को शारजाह से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6इ 1424 में बोर्डिंग के बाद उसे कैंसिल कर दिया गया। इससे 180 से ज़्यादा यात्री, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे, एयरपोर्ट पर नौ घंटे से ज़्यादा समय तक बिना किसी मदद के फंसे रहे। इंडिया टुडे ने इस बारे में एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

क्या लिखा है विनय ने

विनय ने अपनी पोस्ट में लिखा, फ्लाइट बोर्डिंग के बाद कैंसिल - इंडिगो एयरलाइंस के साथ एक चौंकाने वाला अनुभव (6इ 1424, एसएचजे-एलकेओ, 23 जून)। उन्होंने कहा, 23 जून को, मैं इंडिगो की फ्लाइट 6इ 1424 से शारजाह से लखनऊ के लिए रवाना हुआ, जिसमें लगभग 180 अन्य यात्री भी थे। इसके बाद जो हुआ वह बहुत निराशाजनक था और इसने यात्री अधिकारों, एयरलाइन जवाबदेही और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा कीं। विनय का आरोप है कि यात्रियों के बोर्ड करने और लगभग एक घंटे तक बैठे रहने के बाद, पायलट ने अचानक घोषणा की कि क्रू ड्यूटी के घंटे सीमा से अधिक होने के कारण उड़ान रद्द कर दी गई है। उन्होंने कहा, ₹कोई स्पष्टता नहीं थी, कोई मार्गदर्शन नहीं था - बस एक घोषणा, और फिर कुछ नहीं।

विमान से उतरने को कहा गया

विनय ने आगे कहा, एयर होस्टेस ने शांति से सभी को 'एक-एक करके' उतरने के लिए कहा, जिसके बाद पूरा क्रू एक कतार में खड़ा हो गया और टर्मिनल के अंदर यात्रियों को बेखबर छोड़ कर चला गया। क्या ये वही प्रोफेशनल्स हैं जिन पर हमें आपात स्थिति के दौरान भरोसा करने के लिए कहा जाता है? विनय के अनुसार, यात्रियों की मदद के लिए कोई इंडिगो कर्मचारी उपलब्ध नहीं था। उन्होंने कहा, 180 से ज़्यादा यात्री एयरपोर्ट टर्मिनल के अंदर 9.5 घंटे से ज़्यादा समय तक फंसे रहे - सुबह 1:55 बजे से अगली निर्धारित उड़ान सुबह 11:30 बजे तक और बाद में फिर से 1 घंटे की देरी से दोपहर 12:30 बजे तक। उन्होंने लिखा, बच्चों वाले परिवार, बुजुर्ग यात्री और महिलाओं को कोई सहायता नहीं मिली - यहां तक कि आराम करने के लिए कोई जगह भी नहीं थी।

आबादी यूपी-बिहार से कम और पेट्रोल-डीजल की खपत पूरे भारत से चार गुना, किस देश का है ऐसा हाल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। कच्चे तेल के उत्पादन और पेट्रोल-डीजल की खपत के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर है। दूर-दूर तक कोई उसके मुकाबले में नहीं है। अमेरिका की आबादी यूपी-बिहार से भी कम है लेकिन देश में तेल की खपत भारत से करीब चार गुना है। अमेरिका की आबादी करीब 34 करोड़ है जबकि यूपी और बिहार की जनसंख्या मिलकर करीब 37 करोड़ है। अमेरिका में तेल की रोजाना खपत 1.97 करोड़ बैरल है जबकि भारत में यह 49 लाख बैरल है। एक बैरल में 159 लीटर होते हैं। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से अधिक कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है। अमेरिका के बाद चीन दुनिया की दूसरी बड़ी इकॉनमी है। भारत की तरह चीन भी ज्यादातर कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है। वहां पेट्रोल-डीजल की रोजाना खपत 1.55 करोड़ बैरल है जो भारत से करीब तीन गुना है। दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों में से एक सऊदी अरब में भी तेल की खपत बहुत ज्यादा है। 3.33 करोड़ की आबादी वाले इस देश में तेल की रोजाना खपत 35 लाख बैरल है। इस लिस्ट में रूस रोजाना 34 लाख बैरल खपत के साथ पांचवें नंबर पर है।दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी वाले देश जापान में तेल की रोजाना खपत 33 लाख बैरल है। इसी तरह दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में लोग रोजाना 29 लाख बैरल पेट्रोल-डीजल का यूज करते हैं। सबसे ज्यादा तेल खपत करने वाले देशों की लिस्ट में ब्राजील सातवें नंबर पर है। साउथ कोरिया में तेल की रोजाना खपत 28 लाख बैरल, कनाडा में 22 लाख बैरल और जर्मनी में 21 लाख बैरल है। जर्मनी दुनिया की तीसरी और यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-49
सूर्यास्त 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन	04-40 बजे
चंद्र-	सिंह में	कर्क	06-53 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह	09-04 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या	11-11 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला	13-18 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक	15-26 बजे
शनि-	मीन में	धनु	17-40 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर	19-50 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ	21-37 बजे
		मीन	23-15 बजे
		मेष	00-51 बजे
		वृष	03-20 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 10-21 तक उपरान्त सप्तमी
मास - आषाढ़ शुक्ल, मंगलवार 01 July
नक्षत्र - पुर्वफाल्गुनी 08-53 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - व्यतिपात 17-18 तक उप वरियान
करण- तैतिल 10-21 तक उप गर
विशेष- विवस्वत सप्तमी
व्रत-त्योहार - डाक्टर दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:37 से 17:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:49 - 07:25	अशुभ	काल	18:50 - 20:15	अशुभ
उत्पात	07:25 - 09:03	अशुभ	लाभ	20:15 - 21:37	शुभ
चंचल	09:03 - 10:42	शुभ	उत्पात	21:37 - 22:58	अशुभ
लाभ	10:42 - 12:20	शुभ	शुभ	22:58 - 00:20	शुभ
अमृत	12:20 - 13:58	शुभ	अमृत	00:20 - 01:42	शुभ
काल	13:58 - 15:37	अशुभ	चंचल	01:42 - 03:04	शुभ
शुभ	15:37 - 17:15	शुभ	रोग।	03:04 - 04:25	अशुभ
रोग	17:15 - 18:50	अशुभ	काल	04:25 - 05:49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है, लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है , हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — घर्षण एवं विचारो की असमानता आप और आपके साथी के बीच विकसित होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने विचारो से नहीं हटना है और उसी के साथ रहना है , लेकिन आप चिंता न करे क्यों कि ये स्थिति एक स्थायी मनमुटाव को जन्म नहीं देगी । हालाँकि आपके साथी के साथ आपका थोड़ा मनमुटाव हो सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेग़ी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमिताभ जैन बने रहेंगे छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव

केंद्र सरकार से एक्सटेंशन को मिली मंजूरी, 13वें सीएस के लिए सुब्रत-पिंगुआ के नाम की थी चर्चा

रायपुर, 30 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन अभी रिटायर नहीं होंगे, बल्कि वह अपने पद पर बने रहेंगे। केंद्र सरकार से अनुमति मिलते ही राज्य सरकार ने अमिताभ को सेवा विस्तार देने पर मुहर लगाई है। अब वह आगामी आदेश तक चीफ सेक्रेटरी के पद पर बने रहेंगे।

अमिताभ जैन अगर आज रिटायर होते तो सुब्रत साहू या मनोज पिंगुआ को छत्तीसगढ़ का 13वां मुख्य सचिव बनाया जा सकता था। हालांकि रेस में सबसे आगे सुब्रत साहू थे। वहीं मनोज पिंगुआ के नाम की भी चर्चा जोरों पर थी।

इसके साथ ही नए मंत्रियों को भी कैबिनेट में शामिल करने पर विचार चल रहा है। रविवार शाम को सीएम साय ने राज्यपाल रामेन डेका से मुलाकात की थी। हालांकि सीएम सचिवालय ने दोनों की तस्वीरें जारी कर जानकारी दी थी कि राज्य हित से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई है।

मुख्य सचिव बनाए जाने में बड़ा नाम सुब्रत साहू का सामने

आ रहा था। सुब्रत साहू छत्तीसगढ़ कैडर के 1992 बैच के आईएएस हैं। एक सर्वे ने सुब्रत साहू को देश के 50 प्रभावशाली आईएएस में शामिल किया था। मुख्य सचिव बनाए जाने में दूसरे नंबर पर चॉइस सुब्रत हैं। वर्तमान में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण रामलला तीर्थ दर्शन योजना में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं। वो इस वक्त धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। प्रदेश के 1994 बैच के सीनियर आईएएस अफसरों में से एक मनोज पिंगुआ के नाम की भी चर्चा थी। मनोज पिंगुआ हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय के कुछ अफसरों से मिलने पहुंचे थे। इसके बाद से यह बात तय मानी जा रही थी कि पिंगुआ मुख्य सचिव बनाए जा सकते हैं।

वो साफ-सुथरी छवि के साथ बहुत ही शांत प्रशासनिक अधिकारी माने जाते हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय की पहली पसंद भी हैं। वर्तमान में मनोज कुमार पिंगुआ गृह,जेल, विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। मनोज पिंगुआ वर्तमान में छत्तीसगढ़ आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। मनोज पिंगुआ लंबे समय से गृह और जेल विभाग के प्रमुख सचिव रहें। वे व्यावसायिक परीक्षा मंडल और माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष भी रहे हैं। मनोज पिंगुआ विभिन्न जिलों में कलेक्टर रहे। जांजगीर-चांपा जिला निर्माण के बाद वे दूसरे कलेक्टर बने।

जिले के पहले कलेक्टर डॉक्टर वीएस निरंजन 31 अक्टूबर सन 2000 को मध्यप्रदेश चले गए थे। उसके बाद मनोज पिंगुआ जांजगीर-चांपा जिले के दूसरे कलेक्टर बने। वे धमतरी और सरगुजा कलेक्टर भी रहें। 2014 में मनोज पिंगुआ केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए थे।

प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले पिंगुआ छत्तीसगढ़ में आदिम जाति विकास और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव का पदभार संभाल रहे थे। उन्हें केंद्र में केंद्रीय जनजाति कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति मिली थी। 2016 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आने के बाद उन्होंने कई विभाग सम्हालें।

आईपीएस अरुण देव गौतम वर्तमान में अस्थायी डीजीपी हैं। प्रदेश में स्थायी डीजीपी को नियुक्त किया जाना है। गौतम राजनेताओं और अधीनस्थ अफसरों की पसंद है। प्रशासनिक पकड़ मजबूत है। डीजीपी चार्ज संभालने के बाद अब तक कन्ट्रोवर्सी में नहीं फंसे हैं।

वहीं प्रदेश में रिकॉर्ड रहा है, जो अस्थायी प्रभारी रहा है, उसे ही स्थायी पद मिला है।

युवक ने बोलेरो से 3 लोगों को रौंदा

एक की मौत, 2 गंभीर मामूली विवाद में चढ़ाई गाड़ी ग्रामीणों का थाने में हंगामा

बेमेतरा, 30 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में रविवार देर रात मामूली विवाद के बाद युवक ने 3 लोगों को बोलेरो से रौंद दिया। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो गंभीर रूप से घायल है। यह पूरा मामला साजा नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड क्रमांक 13 का है। जानकारी के मुताबिक मामूली विवाद के बाद सनकी युवक ने अपनी बोलेरो गाड़ी तीन लोगों पर जानबूझकर चढ़ा दी। बोलेरो चालक की पहचान मलवेंद्र बनर्जी के रूप में हुई है। मृतक की पहचान रतनू नेताम के रूप में हुई है। घटना के बाद आरोपी बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया। मृतक और आरोपी आपस में पड़ोसी थे। घटना से गुस्साए लोगों ने देर रात साजा थाने का घेराव कर दिया। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। मृतक के परिजनों ने मुआवजा देने की मांग की। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा में इलाज चल रहा। पूरे इलाके में तनाव का माहौल है।

पति संग मिल दूसरी पत्नी ने की तीसरी की हत्या

कुल्हाड़ी से किया मर्डर, सबको बताया छत की सीढ़ी से गिरने से मौत हुई

गुमला, 30 जून (एजेंसियां)। गुमला में 28 जून की रात हुई रिजवाना प्रवीण की मौत का पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, ये हादसा नहीं बल्कि मर्डर था। हत्या मृतका के पति शमशाद अंसारी और उसकी दूसरी पत्नी अफसाना खातून ने की थी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सिसई थाना क्षेत्र में रिजवाना की मौत एक हादसा बनकर रह जाती, अगर मृतका के भाई ने पुलिस से इसकी शिकायत ना की होती।

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि शमशाद ने तीन शादियां की थी। पहली पत्नी ने उसे छोड़ दिया था। दूसरी पत्नी अफसाना खातून दो बच्चों के साथ पति के साथ रहती थी। वहीं, शमशाद ने पिछले साल 6 नवंबर को रिजवाना प्रवीण से तीसरी शादी की थी। वो भी इसी घर में रहती थी।

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के अनुसार, घटना 28 जून की रात करीब 10:30 बजे की है। आटा गूंथने के दौरान अफसाना और रिजवाना में किसी बात पर विवाद हो गया। इसके बाद अफसाना ने कुल्हाड़ी से रिजवाना के सिर पर वार कर दिया। फिर दुपट्टे से गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। इस पूरी वारदात में पति शमशाद ने भी साथ दिया।

आरोपियों ने पहले इसे एक हादसा बताया। उन्होंने कहा कि रिजवाना छत से उतरते समय सीढ़ी से फिसलकर गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। लेकिन मृतका के भाई रिजवान अंसारी ने 29 जून को थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों महिलाओं में अनबन रहती थी।

अफसाना को डर था कि रिजवाना उसके बच्चों के अधिकार पर कब्जा कर लेगी। इसके बाद इस घटना को अंजाम दिया।

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी और कपड़ा बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को सोमवार को जेल भेज दिया गया है।

बारिश में और खूबसूरत हुआ लातेहार का लोध फॉल

470 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरता है पानी, कई राज्यों से पहुंचते हैं सैलानी

लातेहार, 30 जून (एजेंसियां)। लातेहार जिले में स्थित लोध फॉल जलप्रपात इन दिनों सैलानियों का आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। लगातार हो रही बारिश ने इसकी खूबसूरती को और बढ़ा दिया है। यह झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात माना जाता है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 470 फीट है। यहां से पानी नीचे गिरता है।

महुआडांड़ थाना क्षेत्र में स्थित यह जलप्रपात घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा है। इस क्षेत्र में हरी-भरी वादियां और जंगली नदियां हैं। छोटे-बड़े जलप्रपात इसकी प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाते हैं। नेतरहाट और लोध फॉल जैसे रमणीय स्थल पूरे साल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों से लोग यहां आते हैं। जनवरी के पहले सप्ताह में विदेशी पर्यटक भी यहां पहुंचते हैं। दिसंबर के आखिरी दिनों में पर्यटन स्थलों पर भीड़ बढ़ गई है। सभी पर्यटन स्थल अब गुलजार हो गए हैं।

4 दोस्तों ने युवक को काट-डाला, सीने पर 15 वार

पहले जमकर पीटा फिर धारदार हथियार से हमला किया, हाथ-पैर बांधकर नदी में फेंका

मुंगेली, 30 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में रथयात्रा के दिन एक युवक को उसके 4 दोस्तों ने मिलकर धारदार हथियार से काटकर मार डाला। मर्डर के बाद हाथ-पैर बांधकर नदी में डाल दिया। युवक के सीने पर घाव के करीब 15 निशान मिले हैं। मामला लोरमी थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम दशरथ वर्मा (22) डबरी पारा के वार्ड क्रमांक 2 का निवासी था। पुलिस ने 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है। उनसे मर्डर को लेकर पूछताछ जारी है।

दरअसल, वारदात 27 जून की शाम की है। दशरथ अपने दोस्तों के साथ घूमने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन रात तक वह वापस नहीं लौटा। इससे परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

इसके बाद 28 जून को मृतक के छोटे भाई संजय वर्मा ने लोरमी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस युवक की तलाश में जुट गई। युवक के परिचितों और दोस्तों से जानकारी जुटाई जा रही थी।

इसी बीच पुलिस को सूचना मिली मनियारी नदी के कंकालिन मंदिर घाट के पास पानी में एक युवक की लाश पड़ी है। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की मदद से शव को बाहर निकाला गया। इस दौरान हाथ-पैर बंधे हुए थे और सीने में 12 से 15 वार के निशान थे।

इस दौरान मृतक युवक की पहचान संजय वर्मा ने अपने बड़े भाई दशरथ के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज हत्यारों की तलाश में जुटी।

पुलिस के मुताबिक वह मारपीट के मामले की भी जांच कर रही थी। 28 जून की शाम को मारपीट के मामले में पुलिस ने चार नशेड़ियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान एक युवक ने कबूल किया कि उसकी दशरथ से पुरानी रंजिश थी। रंजिश के चलते चारों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई।

इसके बाद युवक को मनियारी नदी के कंकालिन मंदिर घाट के पास लेकर गए। वहां दशरथ वर्मा को जमकर पीटा, फिर धारदार हथियार से वार कर मार डाला। पुलिस चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मामले में लोरमी थाना प्रभारी अखिलेश वैष्णव ने बताया कि आरोपियों में से एक पर पहले से 2 आपराधिक मामले दर्ज हैं। चारों से पूछताछ जारी है। हत्या में इस्तेमाल हथियार की तलाश की जा रही है। पुलिस जल्द ही इस मामले में और खुलासे की बात कह रही है।

गैस सिलेंडर में लगी आग

खाना बनाते समय हुआ हादसा, कपड़े-बर्तन समेत लाखों का सामान जला

गिरिडीह, 30 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के गांवा थाना क्षेत्र के भेलवा गांव में खाना बनाते समय एक घर में गैस सिलेंडर में आग लग गई। घटना संतोष उर्फ सुधीर यादव के घर में हुई। उन्होंने 15 दिन पहले ही नया गैस सिलेंडर खरीदा था। रविवार रात संतोष की पत्नी खाना बना रही थीं। गैस चूल्हा जलाते ही अचानक सिलेंडर में आग लग गई। वह तुरंत घर से बाहर निकल गईं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और मुखिया राजेंद्र दास मौके पर पहुंचे। उन्होंने गांवा पुलिस को सूचित किया। पुलिस दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।

पुलिस और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पाया गया। आग की लपटें बगल के कमरे में रखी लकड़ी तक पहुंच गई थीं। परिवार के अनुसार इस हादसे में कपड़े, खाने का सामान, बर्तन समेत कई कीमती सामान जलकर राख हो गए।

महिला अफसर के पति के 2 लव-अफेयर

युवतियों ने पत्नी के सामने एक्स आर्मी मैन को पीटा चाकूबाजी में युवक की अतड़ी बाहर निकली

रायपुर, 30 जून (एजेंसियां)। रायपुर में अफेयर के चक्कर में एक रिटायर्ड आर्मी मैन पति का सिर फूट गया है। पति की अफसर पत्नी के सामने ही 2 लड़कियों ने जमकर पिटाई कर दी। इस मामले में विधानसभा पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से एफआईआर दर्ज की है। वहीं एक दूसरे मामले में युवक पर चाकू से हमला हो गया है। हमला इतना भयानक था कि युवक की अतड़ी बाहर आ गई।

आरोपियों ने मर्डर करने के फिराक में युवक पर जानलेवा हमला किया। विवाद की शुरुआत गाली-गलौज से हुई थी। यह मामला मौदहापारा थाना क्षेत्र का है।

पहले मामले में सोनी कुमारी (35) ने शिकायत की। जिसमें बताया कि वह गैलेक्सी आइलैंड कॉलोनी में रहती है। वह महालेखाकार कार्यालय में सहायक लेखाकार के पद पर है। 29 जून को रात 1:30 बजे दो लड़की रेशमा किरण (26) और पिंकी सिंह राजपूत (36) नशे की हालत में उनके घर पर घुसे। फिर उनके पति राजेश को खोजने लगे। फिर वापस चले गए।

सुबह 5:30 बजे उनके पति राजेश कुमार सिंह घर आए। उनके सिर से खून निकल रहा था। उनके पीछे दोनों लड़कियां भी घर आ गई, उन्होंने सोनी के सामने फिर एक बार राजेश की पिटाई कर दी।

विधानसभा पुलिस से सोनी कुमारी ने लड़कियों के खिलाफ दो अलग-अलग समय में मारपीट की शिकायत की है। इसके बाद लड़कियों पर एक के बाद एक 2 एफआईआर दर्ज किया गया है। दोनों लड़कियों ने सोनी के घर में भी जमकर तोड़फोड़ की है। जिससे करीब 50 हजार का नुकसान हुआ है।

इस मामले में रेशमा ने भी विधानसभा थाने में शिकायत दर्ज कराई हैं। जिसमें बताया कि वह राजेश को 3 साल से जानती हैं। वह दोनों एक दूसरे को पसंद करते हैं। रेशमा ने बताया कि वह जानती थी कि राजेश शादीशुदा है। लेकिन तभी पता चला कि एक पिंकी सिंह नाम की अन्य महिला के साथ भी उसका संबंध है।

एफआईआर के मुताबिक, 29 जून को पिंकी और रेशमा एक ही घर पर थे। तभी सुबह साढ़े 5 बजे राजेश घर आया। फिर उसने गाली गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

बिहार चुनाव में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 4 नेता ऑब्जर्वर बनाए गए

इनमें पूर्व मंत्री अमरजीत और पूर्व विधायक शैलेश पांडेय शामिल, 58 नेताओं को जिम्मेदारी

रायपुर, 30 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों में जुटी कांग्रेस पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने राज्य के लिए 58 ऑब्जर्वर (निरीक्षक) नियुक्त किए हैं। इसमें छत्तीसगढ़ के 4 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पार्टी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने आदेश जारी किया है। छत्तीसगढ़ से जिन नेताओं को बिहार चुनाव के लिए ऑब्जर्वर बनाया गया है, उनमें पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत, बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेश पांडेय, संगठन से जुड़े नेता दीपक मिश्रा और वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर बघेल का नाम शामिल है।

कांग्रेस ने इन सभी नेताओं को बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी संगठन को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर बूथ मैनेजमेंट सुनिश्चित करने और स्थानीय कार्यकर्ताओं को एकजुट कर कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस हाईकमान ने इन नेताओं को उनके पिछले चुनावी अनुभव, सांगठनिक पकड़ और जमीनी सक्रियता को देखते हुए बिहार जैसी रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य में जिम्मेदारी दी है। पार्टी का लक्ष्य है कि बिहार में अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए विपक्षी दलों को कड़ी चुनौती दी जा सके। बिहार में कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है। आने वाले चुनाव में सीटों के तालमेल, उम्मीदवारों की घोषणा और प्रचार रणनीति जैसे कार्यों में ऑब्जर्वर की भूमिका अहम होगी। यही कारण है कि पार्टी ने अनुभव और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए पूरे देश से नेताओं की नियुक्ति की है। बताया जा रहा है कि सभी 58 ऑब्जर्वर जल्द ही बिहार का दौरा करेंगे। अपने-अपने क्षेत्र में संगठनात्मक समीक्षाएं शुरू करेंगे। इससे न केवल कांग्रेस को स्थानीय स्तर पर मजबूती मिलेगी, बल्कि चुनाव पूर्व गठबंधन की रणनीति को भी जमीन पर उतारने में मदद मिलेगी।

पुलिस टीम पर पथराव आरक्षक का सिर फूटा

कोरबा, 30 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में चोरी की जांच करने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। उनसे मारपीट भी की गई। इस हमले में 3 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। मामला बांगो थाना क्षेत्र के बगबुड़ा गांव का है।

घटना रविवार दोपहर को हुई। हमले में आरक्षक अभिषेक पांडेय, गजेंद्र बिघावार और अनिल पोर्ते गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं आरक्षक अनिल पोर्ते 5 घंटे बाद शाम को जंगल में एक नाले के पास बेसुध हालत में मिले।

जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों के दौड़ाए जाने पर वह जंगल की ओर भाग गए थे। वहीं बेहोश होकर गिर पड़े। थाना प्रभारी की रिपोर्ट पर कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरक्षक के लापता होने पर पुलिस महकमे में खलबली मच गई। सूचना पर एसपी सिद्धार्थ तिवारी खुद मौके पर पहुंचे। घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए आगे की कार्रवाई शुरू की। सर्च अभियान चलाया गया। लापता आरक्षक को 5 घंटे बाद एक नाले के पास बेहोशी की हालत में बरामद किया गया। एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि बगबुड़ा में पुलिस टीम चोरी के मामले में जांच करने गई हुई थी। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पार्टी पर पथराव कर दिया और मारपीट की गई।

स्वर्णरेखा नदी खतरे के निशान के पार

जमशेदपुर, 30 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर में लगातार हो रही बारिश और डैम से पानी छोड़े जाने से स्थिति गंभीर हो गई है। स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। इसका सबसे ज्यादा असर मानगो कुंवर बस्ती के निचले इलाकों में देखने को मिल रहा है। बाढ़ का पानी मानगो कुंवर बस्ती के सैकड़ों घरों में घुस गया है। स्थानीय लोग अपने सामान को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में जुटे हैं। निचले इलाकों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। उनकी मांग है कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

स्थानीय जीतू सिंह ने कहा कि पिछली बार जब बाढ़ के हालात हुए थे तो जिला प्रशासन ने पूर्व से ही अवगत कराया था। मगर इस बार ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई। इसकी वजह से अचानक से बाढ़ का पानी उनके घरों में घुस गया, जिससे काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने जिला प्रशासन से नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने की मांग की है। वहीं, स्थानीय दुर्गा सिंह ने कहा कि कम से कम जिला प्रशासन बाढ़ से प्रभावित लोगों को उचित स्थान पर रखने और उनके भोजन की व्यवस्था की जाए। ताकि लोगों को राहत मिल सके। क्योंकि अभी जमशेदपुर में लगातार बारिश हो रही है।

इधर, लगातार बारिश से शहर में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। आधी रात से हो रही लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर जलजमाव हो गया। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मानगो छोटा पुल पर बारिश का पानी जमने से आवागमन बाधित हो गया। पुल पर करीब 2 फीट तक पानी भर गया।

नान घोटाला: पूर्व मैनेजर की फ्रेंड ने अवैध कमाई निवेश किया

ब्यूटी पार्लर संचालिका से 1.60 करोड़ की संपत्ति मिली, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

बिलासपुर, 30 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नागरिक आपूर्ति निगम (नान) में हुए घोटाले के आरोपी पूर्व मैनेजर शिवशंकर भट्ट की महिला मित्र और ब्यूटी पार्लर संचालिका की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। महिला ने एसीबी के केस दर्ज करने के बाद आरोप तय करने के खिलाफ आपराधिक पुनरीक्षण याचिका (रिवीजन पिटीशन) लगाई थी।

मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने माना है कि ब्यूटी पार्लर संचालिका ने नान के पूर्व मैनेजर की अवैध कमाई को निवेश करने का षड्यंत्र किया है।

दरअसल, नागरिक आपूर्ति निगम में घोटाले की शिकायत पर एंटी करप्शन ब्यूरो और ईओडब्ल्यू ने नान के मुख्यालय समेत कई अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पूर्व मैनेजर शिवशंकर भट्ट के आवास सहित अन्य ठिकानों पर भी दबिश दी थी। ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आया कि भट्ट ने 3.89 करोड़ की अवैध संपत्ति जुटाई थी, जो उसकी वास्तविक आय से कई गुना अधिक थी।

ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि पूर्व मैनेजर शिवशंकर भट्ट की महिला मित्र मधुरिमा शुक्ला ब्यूटी पार्लर चलाती है। उसने उसकी अवैध कमाई को निवेश कर षड्यंत्र किया है। लिहाजा, उसे भी सहआरोपी बनाया गया।

एसीबी ने जांच के दौरान मधुरिमा के पास से 1.60 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। जबकि उसकी आय मात्र 24 लाख रुपए थी। इस मामले में चार्जशीट पेश होने के बाद स्पेशल कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(ई), 13(2) और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत आरोप तय किए हैं। जिसके खिलाफ मधुरिमा ने हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी।

आरोपी महिला मधुरिमा ने हाईकोर्ट में प्रस्तुत अपनी याचिका में बताया कि उसे सुनियोजित तरीके से फंसाया गया है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह तथ्यहीन हैं। उसने ब्यूटी पार्लर के व्यवसाय से संपत्ति जुटाई है। उसने किसी तरह का अवैध काम नहीं किया है और न ही किसी के पैसे निवेश किए हैं।

इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एसीबी से दस्तावेज मंगाए। जिसके बाद दस्तावेजों का परीक्षण कराया गया। जिसकी जांच के बाद पाया कि मधुरिमा के पास 1.60 करोड़ रुपए की संपत्ति मिली। जबकि उसकी कुल वैध आय सिर्फ 24.74 लाख थी।

सुनवाई के बाद कोर्ट ने माना कि उसने शिवशंकर भट्ट की अवैध कमाई को अपने नाम से निवेश कर षड्यंत्र में सक्रिय भूमिका निभाई है। ऐसे में उसकी याचिका खारिज की जाती है।

फरार गैंगस्टर के भाई पर कार्रवाई

प्रिंस खान के भाई ऋतिक के घर पुलिस ने की कुर्की-जब्ती, लोगों की जुटी भीड़

धनबाद, 30 जून (एजेंसियां)। धनबाद पुलिस ने सोमवार को वासेपुर में फरार गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई ऋतिक खान के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। भूली ओपी पुलिस की टीम ने कमर मुखदमी रोड स्थित ऋतिक के मकान में यह कार्रवाई की।

ऋतिक खान पर वर्ष 2019 में आर्म्स एक्ट के तहत दो मामले दर्ज हैं। उस पर अवैध हथियार रखने और गैंग की आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। फरार रहने के कारण उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस ने पहले ऋतिक के घर पर कुर्की की नोटिस चिपकाई थी। न्यायालय में समर्पण के लिए समय दिया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर कोर्ट के आदेश से यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने मकान से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दस्तावेज और अन्य घरेलू वस्तुएं जब्त कीं। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शांतिपूर्वक ऑपरेशन पूरा किया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फरार और घोषित अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह कार्रवाई वासेपुर क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकेत है।

यूक्रेन के 'सफेद सोने' के खजाने पर रूस का हो गया कब्जा

देखते रह गए ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग का बढ़ेगा दुनिया में दबदबा

मॉस्को, 30 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस को बीते हफ्ते एक बड़ी कामयाबी मिली है। रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के शेवचेंको गांव के आसपास के इलाके पर नियंत्रण कर लिया है। शेवचेंको गांव डोनेट्स्क में है, जिसे रूस ने यूक्रेनी सेना से छीन लिया है। रूस का इस क्षेत्र पर कब्जा इसलिए अहम है क्योंकि यहां लिथियम के बड़े भंडार हैं। इस भंडार पर रूस के कब्जे से यूक्रेन के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप को भी तगड़ा झटका लगा है। यूक्रेन की खनिज संपदा पर नियंत्रण पाने के लिए ट्रंप ने हाल ही में वोलोडिमीर जेलेंस्की से डील की है। दूसरी ओर रूस के इस क्षेत्र पर कब्जे से चीन की पहुंच लीथियम भंडार तक हो सकती है। इससे उसे वैश्विक खनिज बाजार में अपना दबदबा बनाने में मदद मिलेगी।

शेवचेंको के आसपास वैज्ञानिकों ने 1982 में लिथियम का भंडार होने की पुष्टि की थी। जमीन में दबा ये खजाना इस क्षेत्र में 40 हेक्टेयर में फैला है। शेवचेंको में अनुमानित 13.8 मिलियन टन लिथियम अयस्क है, जिसमें लिथियम ऑक्साइड की उच्च सांद्रता है। यह ड्रोन और उन्नत सैन्य प्रणालियों में उपयोग होने वाली बैटरी के लिए बेशकीमती संपत्ति है। इस क्षेत्र पर कब्जे के बाद रूसी अधिकारियों का कहना है कि जब स्थिति सुधरेगी तो लिथियम भंडार का खनन शुरू किया जाएगा। रूस के पास लीथियम का ये भंडार आना वैश्विक शक्ति संतुलन को बदल सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और उसके दोस्त चीन को शेवचेंको गांव के लिथियम भंडार से बड़ी मदद मिलने जा रही है। लिथियम उन्नत सैन्य और तकनीकी प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण है। इस नुकसान से अमेरिका-यूक्रेन की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला की योजना खतरे में पड़ गई है, और मास्को का यह कदम वैश्विक तकनीक और रक्षा बाजारों को फिर से आकार दे सकता है।

लिथियम को इसकी अहमियत की वजह से सफेद सोना कहा जाता है। यह आधुनिक रक्षा प्रणालियों के लिए बेहद जरूरी है, इसका इस्तेमाल ड्रोन, पोर्टेबल संचार उपकरणों और उन्नत सेंसर में उच्च क्षमता वाली बैटरियों में होता है। ड्रोन के अलावा काउंटर-बैटरी रडार बनाने के लिए भी लीथियम अहम है। इसका इस्तेमाल अमेरिकी और यूक्रेनी सेना दुश्मन तोपखाने का पता लगाने के लिए करती है।

शेवचेंको पर रूस के कब्जे से उसे ड्रोन और दूसरी तकनीकों के लिए लीथियम आयात नहीं करना पड़ेगा। वह खासतौर से चीन से लीथियम लेता है। चीन वैश्विक लिथियम प्रसंस्करण पर हावी है। चीन वैश्विक लिथियम शोधन क्षमता का करीब 60% नियंत्रित करता है। चीन और रूस का हालिया वर्षों में रक्षा सहयोग बढ़ा है। ऐसे में रूस के पास लिथियम का भंडार चीन को भी अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद कर सकता है। रूस ने शेवचेंको पर कब्जा जमा लिया है लेकिन खनन की चुनौती अभी बनी हुई है। शेवचेंको की जटिल भूवैज्ञानिक संरचना की वजह से उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों की आवश्यकता होगी, जो पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते फिलहाल रूस के पास नहीं है। हालांकि इसमें भी उसे चीन से मद मिल सकती है।

एसएएआरसी को दरकिनार करने की साजिश

चीन-पाक बनाएंगे नया मंच? इन देशों को जोड़ने की तैयारी

इस्लामाबाद, 30 जून (एजेंसियां)। दक्षिण एशिया में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान और चीन मिलकर एक नए क्षेत्रीय संगठन की योजना पर काम कर रहे हैं, जो दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन (एसएएआरसी) की जगह ले सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नए संगठन के जरिए क्षेत्रीय देशों को एकजुट कर व्यापार और कनेक्टिविटी बढ़ाने पर फोकस होगा। खास बात यह है कि इस मंच में भारत को भी शामिल होने का न्योता देने की योजना है। इस्लामाबाद के राजनयिक सूत्रों के हवाले से पाकिस्तान के अखबार 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने दावा किया है कि चीन और पाकिस्तान के बीच इस नए संगठन को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। दोनों देश मानते हैं कि दक्षिण एशिया में स्थायी विकास और आपसी जुड़ाव के लिए ऐसा संगठन जरूरी है। बताया जा रहा है कि इस संगठन का ढांचा कुछ हद तक एसएएआरसी जैसा होगा।

थाईलैंड में प्रधानमंत्री शिनवात्रा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

कंबोडियाई नेता के साथ फोन कॉल पर सेना के जनरल की आलोचना की थी

बैंकॉक, 30 जून (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शनिवार को हजारों लोगों ने प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन कंबोडिया के साथ सीमा विवाद के बीच हुआ।

मई में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक विवादित बॉर्डर इलाके को लेकर झड़प हुई थी। इसके बाद पाइतोंग्तार्न ने कंबोडिया के पूर्व पीएम हुन सेन से फोन पर बात की। इस बातचीत में शिनवात्रा ने सेना के जनरल बून्सिन पड़क्लांग की आलोचना की थी।

इस बातचीत का बाद में ऑडियो लीक हो गया। जिसे लेकर शिनवात्रा को माफी मांगनी पड़ी।

बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने शिनवात्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना विरोध तेज करने की कसम खाई है। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को विजय स्मारक पर अपनी रैली बाद यह शपथ ली।

कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन ने शुक्रवार को टेलीविजन पर एक लंबा भाषण दिया। यह भाषण कई घंटों तक चला।

इसमें हुन सेन ने पाइतोंग्तार्न और उनके परिवार पर सीधा हमला बोला। सेन ने खुले तौर पर थाईलैंड में सत्ता परिवर्तन की मांग की।

थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने इसे असाधारण कदम बताया। मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड कूटनीति के रास्ते से समाधान चाहता है।

पूर्व पीएम थाक्सिन शिनवात्रा की बेटी हैं पाइतोंग्तार्न

38 वर्षीय पाइतोंग्तार्न देश की 31वीं प्रधानमंत्री हैं। वे थाईलैंड के इतिहास की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री भी हैं। पाइतोंग्तार्न पूर्व पीएम थाक्सिन शिनवात्रा की बेटी और शिनवात्रा फैमिली से प्रधानमंत्री बनने वाली तीसरी नेता हैं।

साथ ही वे इस पद पर पहुंचने वाली देश की दूसरी महिला हैं। उनकी बुआ यिंगलुक थाईलैंड की प्रधानमंत्री बनने वाली देश की पहली महिला थीं।

पाइतोंग्तार्न शिनावत्रा 2023 से फू थाई पार्टी की अध्यक्ष हैं। वे अप्रैल 2023 में हुए चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार भी रही थी। उनके नेतृत्व में पार्टी चुनाव में दूसरे स्थान पर रही।

चीन को 2030 तक चांद पर अंतरिक्ष यात्री उतारने के मिशन में बड़ी कामयाबी

स्पेसक्राफ्ट मेंगझोउ पर किया एस्केप फ्लाइट टेस्ट

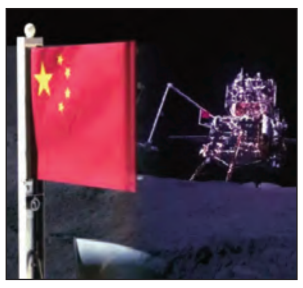

बीजिंग, 30 जून (एजेंसियां)। चीन ने चांद पर अपने अंतरिक्षयात्रियों को भेजने की तरफ एक और कदम बढ़ा दिया है। चीन की योजना 2030 तक तीन अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने की है। इसके लिए चीनी वैज्ञानिकों ने अपने चंद्र अंतरिक्ष यान (लूनर स्पेसक्राफ्ट) मेंगझोउ का सफलतापूर्वक एस्केप परीक्षण किया है।

17 जून को चीन ने टेस्ट किया, जिसमें मेंगझोउ के रिटर्न कैप्सूल को एस्केप टॉवर से कामयाबी के साथ अलग किया गया। यह चीन की अगले तीन साल में चांद पर उतरने की योजना में बड़ी छलांग है।

चीन का मेंगझोउ के रिटर्न कैप्सूल को एस्केप टॉवर से अलग करने का परीक्षण 27 वर्षों में यानी 1998 में शेनझोउ मानवयुक्त अंतरिक्ष यान से किए गए पहले परीक्षण के बाद दूसरा शून्य-ऊंचाई एस्केप उड़ान परीक्षण था। इस टेस्ट का मकसद आपातकाल की स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रूप से बचाने की तकनीक को परखना था।

चीनी अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) ने अपने बयान में कहा है कि मेंगझोउ के एस्केप और बचाव सबसिस्टम अंतरिक्ष यान में ही केंद्रित हैं।

1998 के शेनझोउ के मामले में रॉकेट एस्केप कार्यों को संभालता था। मेंगझोउ का अर्थ ड्रीम शिप यानी सपनों का जहाज है। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब चीन चंद्रमा पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

चीन एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉर्प (कासिक) लॉन्च एस्केप टॉवर के डेवलपर ने कहा कि उसकी टीम ने एसआरएमएस विकसित करने में अहम सफलता हासिल की है, जो थ्रस्ट उत्पन्न करने के लिए ठोस प्रणोदक (प्रोपेलेंट) का उपयोग करते हैं। लांच एस्केप सिस्टम या टॉवर ठोस रॉकेट मोटर्स (एसआरएमएस) से संचालित होता है, जिसे मेंगझोउ विमान के रिटर्न कैप्सूल के टिप पर स्थापित किया गया था। कासिक फोर्थ एकेडमी ने कहा कि शेनझोउ की तुलना में मेंगझोउ की एस्केप प्रणाली में सुधार किया है।

बयान में कहा गया है कि पहली बार हम स्व-विकसित सेंसर और यांत्रिकी का उपयोग करके एस्केप सिस्टम के सर्वर को विकसित करने में कामयाब रहे हैं।

चीन ने जापानी सीफूड पर दो साल पुराना प्रतिबंध हटाया

फुकुशिमा विवाद पर भी दी आंशिक राहत

बीजिंग, 30 जून (एजेंसियां)। चीन ने जापानी समुद्री खाद्य पदार्थों पर लगभग दो साल से लगा प्रतिबंध आखिरकार हटा दिया है। यह प्रतिबंध साल 2023 में लगाया गया था, जब जापान ने फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से हल्का रेडियोधर्मी पानी समुद्र में छोड़ने की योजना पर अमल शुरू किया था। जापान के ज्यादातर हिस्सों से समुद्री खाद्य उत्पादों का आयात फिर से शुरू किया जाएगा। फुकुशिमा का परमाणु संयंत्र साल 2011 में आई विनाशकारी सुनामी में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ था। संयंत्र में आज भी ईंधन को ठंडा करने के लिए लगातार पानी डाला जाता है। पानी बाद में टैंकों में इकट्ठा होता था। वर्षों तक बहस के बाद जापानी सरकार ने इस पानी को समुद्र में धीरे-धीरे छोड़ने की अनुमति दी, लेकिन इसके लिए रेडियोधर्मी तत्वों को पहले हटा दिया गया।

सर्बिया में राष्ट्रपति के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन

हजारों लोगों ने सड़कें ब्लॉक कीं, रेलवे स्टेशन का शेड गिरने को लेकर 8 महीने से नाराजगी

बेलग्रेड, 30 जून (एजेंसियां)। सर्बिया में राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के इस्तीफे और तुरंत चुनावों की मांग को लेकर कई शहरों में प्रदर्शन ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है। रविवार रात से आज सुबह तक हजारों प्रदर्शनकारियों ने राजधानी बेलग्रेड और अन्य शहरों में सड़कें जाम कर दीं।

प्रदर्शनकारियों ने बेलग्रेड में कई जगहों पर लोहे की बाड़ और कचरे के कंटेनर से सड़कों को ब्लॉक कर दिया। सावा नदी पर बने पुल पर भी गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई। नोवी सैड में प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पोपुलिस्ट सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी के ऑफिस पर अंडे फेंके।

इससे पहले शनिवार रात, बेलग्रेड में लगभग 1 लाख 40 हजार लोग सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और साउंड बम दागे और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अब इनकी रिहाई की मांग हो रही है।

सर्बिया में 1 नवंबर, 2024 को नोवी सैड रेलवे स्टेशन का शेड गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई थी। दिसंबर में सरकार के खिलाफ लोगों का विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था, जो पिछले 7 महीने से जारी है। लोगों का आरोप है कि निर्माण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की वजह से हादसा हुआ।

हादसे के कारण 28 जनवरी, 2025 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा था। इससे पहले पूर्व परिवहन मंत्री गोरन वेसिक ने भी इस्तीफा दे दिया था। नोवी सैड की घटना में 13 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। इनमें गोरन वेसिक का नाम भी था। पूर्व प्रधानमंत्री वुसेविक ने कहा था कि वे नहीं चाहते कि देश में तनाव और ज्यादा बढ़े इसलिए वे हालात को शांत करने के लिए अपना पद छोड़ रहे हैं। वुसेविक मई 2024 से प्रधानमंत्री के पद पर थे। इससे पहले वे उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के पद पर रह चुके हैं। वुसेविक 2012 से 2020 तक नोवी सैड के मेयर थे। इसी दौरान रेलवे स्टेशन पर भवन से जुड़ा काम हुआ था। इसके कारण वुसेविक पर पीएम पद छोड़ने का भारी दबाव था। हालांकि सर्बिया में असली ताकत राष्ट्रपति के पास होती है। अलेक्जेंडर वुसिक 2017 से सर्बिया के राष्ट्रपति हैं। उनका दूसरा कार्यकाल 2027 में खत्म हो रहा है। तभी संसदीय चुनाव भी होने हैं। हालांकि, प्रदर्शनकारी जल्द से जल्द चुनाव करवाने की मांग पर अड़े हैं। राष्ट्रपति चुनाव करवाने से लगातार इनकार कर रहे हैं।

वुसिक 2012 से 2014 तक उप प्रधानमंत्री और 2014 से 2017 तक प्रधानमंत्री रहे और फिर राष्ट्रपति बने। उनकी पोपुलिस्ट सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के पास 250 संसदीय सीटों में से 156 सीटें हैं। आलोचकों का कहना है कि उनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार और अपराध बढ़ें हैं।

चीन ने दुनिया को दिखाया नया ब्लैकआउट बम

हमला करते ही दुश्मन का पूरा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पड़ जाएगा ठप, कितना खतरनाक

बीजिंग, 30 जून (एजेंसियां)। चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसा बम तैयार किया है, जिसके बारे में कहा गया गया है कि दुश्मन के बिजलीघरों को नष्ट कर सकता है। यह एक ग्रेफाइट बम है, जिससे हमला करने पर टारगेट किए गए इलाके में बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से खत्म हो सकता है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसका एक वीडियो साझा किया गया है। एनिमेटेड वीडियो में हथियार को जमीन पर तैनात एक वाहन से लॉन्च किया जा रहा है। हालांकि, चीनी सरकारी टीवी ने इस हथियार के नाम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

वीडियो में हथियार के लॉन्च होते ही सिलिंडर के आकार के 90 सबम्यूनिशन बाहर निकलते दिखाते देते हैं। ये कनस्तर जमीन में गिरने के बाद उछलते हैं और फिर इनमें विस्फोट होता है। इनके अंदर हाई वोल्टेज बिजली के बुनियादी ढांचे को शॉर्ट सर्किट करने के लिए डिजाइन किए गए महीन, रासायनिक रूप से उपचारित कार्बन फिलामेंट होते हैं, जो विस्फोट के साथ ही बिखर जाते हैं। ये कार्बन फिलामेंट दुश्मन के बिजलीघर को बर्बाद कर देते हैं। चैनल के अनुसार, यह हथियार 10,000 वर्ग मीटर से ज्यादा क्षेत्र में बिजली को काटकर पूरी तरह ब्लैकआउट कर सकता है, जो दुश्मन की कमान और नियंत्रण प्रणाली को बाधित करने के लिए प्रभावी है।

ट्रम्प बोले- मस्क स्मार्ट हैं, लेकिन उनकी नाराजगी गलत

टेस्ला सीईओ ने अमेरिकी टैक्स बिल को विनाशकारी बताया था, ट्रम्प शासन से इस्तीफा दे चुके हैं

वॉशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के बहुचर्चित टैक्स बिल को लेकर टकराव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क को स्मार्ट व्यक्ति बताया। ट्रम्प ने रविवार को फॉक्स न्यूज पर एक इंटरव्यू में कहा, 'मस्क एक शानदार व्यक्ति हैं, लेकिन वे थोड़े नाराज हो गए थे, जो ठीक नहीं था।'

ट्रम्प ने कहा, मैंने उनसे ज्यादा बात नहीं की है, लेकिन वे एक स्मार्ट व्यक्ति हैं। मुझे पता है कि वे हमेशा अच्छा परफॉर्म करेंगे। उन्होंने चुनाव के दौरान मेरे लिए प्रचार किया। वे (मस्क) इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैक्स कटौती रद्द करने से परेशान थे। मैं नहीं चाहता कि हर किसी के पास इलेक्ट्रिक कार हो। उनके लिए यह मुश्किल बात है।

ट्रम्प इस बिल को 'बिग ब्यूटीफुल बिल' भी कहते हैं। मस्क ने इस बिल को 'पूरी तरह पागलपन भरा और देश के लिए विनाशकारी' करार दिया। मस्क के मुताबिक, यह बिल बीते जमाने की इंडस्ट्रीज को तो सब्सिडी देता है, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डेटा सेंटर जैसी भविष्य की तकनीकों को करों से दबा देता है। मस्क ने 28 जून को अपने 54वें जन्मदिन पर X पर पोस्ट के जरिए बिग ब्यूटीफुल बिल की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि बिल में विंड और सोलर सब्सिडी को 2027 तक खत्म करने का प्रस्ताव है और चीन से जुड़े ग्रीन टेक प्रोजेक्ट्स पर अतिरिक्त टैक्स लगाए गए हैं।

वहीं, मस्क ने 5 जून को ही ट्रम्प का नाम 'एपस्टीन सेक्स फाइल्स' में होने का आरोप तक लगा दिया था। हालांकि, 11 जून को मस्क ने माफी मांग ली थी।

बिग ब्यूटीफुल को लेकर मस्क के 3 तर्क

अमेरिका कर्ज से दिवालिया हो जाएगा : मस्क ने बिल को 'घृणित विकृति' करार देते हुए कहा कि यह बिल अमेरिका को दिवालिया बना देगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि यह रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक आत्महत्या साबित हो सकता है। कांग्रेसनल बजट ऑफिस (सीबीओ) के मुताबिक, बिल से अगले 10 सालों में करीब 250 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नया कर्ज पैदा हो सकता है। बिल में 2017 के टैक्स कट्स को स्थायी बनाया गया है और नए टैक्स ब्रेक जोड़े गए है। इनका सबसे ज्यादा फायदा अमीर वर्ग को मिलेगा। उच्च आय वालों को औसतन 10 लाख रुपए तक की टैक्स राहत, जबकि गरीब वर्ग पर लगभग 1.33 लाख रुपए का आर्थिक बोझ पड़ेगा।

फिलिस्तीनी फुटबॉल एसोसिएशन का दावा- इजराइली सेना ने अब तक 785 फिलिस्तीनी एथलीटों और खेल अधिकारियों की हत्या की

यरुशलम, 30 जून (एजेंसियां)। फिलिस्तीनी फुटबॉल एसोसिएशन के अनुसार, अनादोलु एजेंसी की रिपोर्ट से पता चला है की, इजराइली सेना ने अक्टूबर 2023 से गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में लगभग 785 फिलिस्तीनी एथलीटों और खेल अधिकारियों को मार डाला है।

एसोसिएशन की उप-प्रमुख सुजैन शालाबी ने कहा कि मृतकों में खिलाड़ी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश गाजा में और 23 कब्जे वाले पश्चिमी तट में मारे गए हैं।

शालाबी ने बताया कि मारे गए लोगों में से 437 फुटबॉल खिलाड़ी थे, जिनमें 15 पश्चिमी तट के थे।

उन्होंने बताया कि एसोसिएशन खिलाड़ियों के पंजीकरण रिकॉर्ड और गाजा शाखा से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करके आंकड़े एकत्र कर रहा है।

हालांकि, शलाबी ने कहा कि मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है, क्योंकि कई प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंच नहीं होने के कारण मलबे के नीचे दबे लापता लोगों का पता नहीं चल पाया है।

उन्होंने इजराइल के फिलिस्तीनी खेलों को जानबूझकर निशाना बनाए जाने पर रोक लगाने की मांग की और गाजा और पश्चिमी तट दोनों में एथलीटों और खेल स्थलों की सुरक्षा का आह्वान किया।

बांग्लादेश में हिंदू महिला के साथ घर में घुसकर बीएनपी नेता ने किया रेप

वीडियो वायरल होने पर भड़के लोग, 5 गिरफ्तार

ढाका, 30 जून (एजेंसियां)। मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश में कोमिला जिले में एक 27 वर्षीय हिंदू युवती के साथ उसके घर में घुसकर बलात्कार करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यही नहीं, युवती का वीडियो भी बनाया गया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। वायरल हो रहे वीडियो में एक नग्न महिला अपनी इज्जत बचाने के लिए गुहार लगाती हुई दिख रही है, जबकि उसके साथ मारपीट की जा रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। मामले में पुलिस ने बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्थानीय नेता समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना 26 जून की है लेकिन 27 जून को इसका वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश फैला। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट न्यू एज के अनुसार, बीएनपी नेता फजर अली (36) रात करीब 11 बजे पीड़िता के घर में जबरन घुस गया और उसके साथ बलात्कार किया और पिटाई की। चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग जमा हो गए और आरोपियों को पकड़ लिया। मुरादनगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी जाहिदुर रहमान ने कहा कि महिला दो बच्चों की मां है और हिंदू समुदाय से है। पुलिस के बयान के अनुसार, '26 जून को कोमिला जिले के मुरादनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रामचंद्रपुर पंचकित्ता गांव के फजर अली, उसके पिता शाहिद मियां को उसी गांव के एक प्रवासी की पत्नी के साथ बलात्कार करने के आरोप में इलाके के लोगों ने हिरासत में लिया और उसकी पिटाई की।'बयान में बताया गया कि बाद में घायल फजर अली वहां से भाग गया। घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने पीड़िता का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर फैला दिया।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मुरादनगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी फजर अली और वीडियो बनाने वाले चार अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और पीड़िता के लिए न्याय की मांग की। बीते साल अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद बांग्लादेश के कई इलाकों में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यों के खिलाफ हिंसा और अत्याचार की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।

इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध में विभिन्न संगठनों ने 31 मई को ढाका में नेशनल प्रेस क्लब के सामने मानव श्रृंखला और विरोध मार्च का आयोजन किया था और इन घटनाओं को रोके जाने की मांग की थी।

ईरान के धर्मगुरु का ट्रम्प और नेतन्याहू के खिलाफ फतवा

बोले- पछताने पर मजबूर कर दो, मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की

तेहरान, 30 जून (एजेंसियां)। ईरान के सबसे सीनियर शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्ला नासिर मकारिम शिराजी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक धार्मिक फतवा जारी किया है।

उन्होंने इन दोनों नेताओं को अल्लाह का दुश्मन बताया है। साथ ही दुनिया भर के मुसलमानों से कहा है कि वे एकजुट होकर इन नेताओं को ईरान पर हमले के लिए पछताने के लिए मजबूर करें।

मकारिम शिराजी ने अपने फतवे में कहा- जो कोई भी ईरान के सर्वोच्च नेता या किसी मरजा को नुकसान पहुंचाने या धमकाने की कोशिश करता है, वह मोहरिब यानी जंग को पसंद करने वाला अपराधी होगा। ईरान ने इजराइल के साथ युद्धविराम पर शक जताया। ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मूसवी ने रविवार को सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से फोन पर बातचीत में कहा- हमें दुश्मन (इजराइल) के साथ युद्धविराम पर शक है। अगर फिर से कोई हमला हुआ, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

मूसवी ने कहा कि जब ईरान अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में व्यस्त था, तब इजराइल ने उस पर हमल कर दिया और अमेरिका ने उसका साथ दिया। इससे पता चलता है ये दोनों देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का पालन नहीं करते।

उन्होंने यह भी कहा-जंग हमने शुरू नहीं की है, लेकिन हमने हमलावर को अपनी पूरी ताकत से जवाब दिया। दोनों अधिकारियों ने डिफेंस के साथ- साथ कई द्विपक्षीय मुद्दे पर भी बात की।

इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन की लड़ाई के बाद 24 जून को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसका ऐलान किया है। इस लड़ाई में ईरान के 610 और इजराइल के 28 लोग मारे गए।

यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने रविवार को कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है। जबकि अमेरिकी ने बी-2 बॉम्बर से हमला कर ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। आईएईए डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का तीखा पलटवार

गहलोत के राज में होती थी सत्ता बदलने की साजिश

झुंझुनू, 30 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सत्ता बदलने की साजिश दिल्ली में कांग्रेस के राज में होती थी। उस समय अशोक गहलोत को सत्ता बचाने के लिए होटलों में छिपना पड़ता था। ऐसी संस्कृति भाजपा में नहीं है। भाजपा अनुशासित पार्टी है।

सर्किट हाउस में सत्ता का चेहरा बदलने की दिल्ली में साजिश रचने के गहलोत के बयान पर शेखावत ने कहा कि गहलोत उस पुरानी बीमारी से ग्रसित हैं, जो उनके समय के हालात में उनको थी। उनके समय में ऐसी साजिश होती थी। उनके समय उनकी पार्टी में असंतोष था, रोज उनको लगता था कि उनकी सरकार गिर सकती है। गहलोत अभी भी उसी स्वपन की अवस्था में है। यह भारतीय जनता पार्टी है, इसमें ऐसे काम नहीं होते। यह अनुशासित पार्टी है।

लोकसभाध्यक्ष व विधान सभाध्यक्ष के दबाव में काम करने के बयान पर शेखावत ने कहा कि गहलोत जब दो बार मुख्यमंत्री पद से हटे तब दिल्ली में उनको केन्द्रीय संगठन में पद दिया गया। अब तीसरी बार उनको दिल्ली में अस्वीकार कर दिया गया। अब खुद को प्रासंगिक बनाने के लिए ऐसी अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। गहलोत उस पार्टी के नेता हैं, जिन्होंने आपातकाल लगाकर संविधान की हत्या प्रत्यक्ष रूप से की थी। इनके नेता संविधान को जेब में रखते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान की पूजा करते हैं। इस दौरान जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, विधायक राजेन्द्र भाबू व अन्य मोजूद रहे।

जोधपुर के लिए ट्रेन चलेगी

झुंझुनूं होते हुए जोधपुर तक ट्रेन चलाने के सवाल शेखावत ने कहा कि इसकी तैयारी चल रही है। सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर बात करेंगे। यदि आवश्यकता होगी तो ट्रेन जरूर चलाई जाएगी।

टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा

शेखावत ने कहा कि शेखावाटी सहित पूरे राजस्थान में टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। शेखावाटी में हेरिटेज सपदा है। सरकार से जो भी प्रस्ताव आएंगे उन पर चर्चा कर पर्यटन को बढावा दिया जाएगा।

रेप केस में बिश्नोई महासभा के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र बुढ़िया गिरफ्तार, वकील ने कहा- सरेंडर किया

जोधपुर, 30 जून (एजेंसियां)। 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के आरोप में बिश्नोई महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुढ़िया को हरियाणा पुलिस की स्टेट क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से पहले देवेंद्र बुढ़िया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि उन्होंने 25 जून को मुकाम मुक्तिधाम में लिए गए निर्णय का पालन करते हुए स्टेट क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी पवन कुमार सिंह के समक्ष जांच में सहयोग के लिए उपस्थित होने का फैसला लिया, ताकि उनके खिलाफ चल रहे 'षड्यंत्र' का खुलासा हो सके।

रातानाडा (जोधपुर) थाना अधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि हरियाणा पुलिस की क्राइम ब्रांच ने स्थानीय पुलिस को सूचित कर जाप्ता मांगा था, जिसके बाद बुढ़िया की गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

गौरतलब है कि देवेंद्र बुढ़िया इस मामले में लंबे समय से फरार चल रहे थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक का रुख किया, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। हिसार पुलिस लगातार इस केस में सक्रिय थी और राजस्थान के कई इलाकों में दबिश दे रही थी। इसी सिलसिले में बुढ़िया के पर्सनल असिस्टेंट (PA) कल्पेश को पहले ही गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया जा चुका है।

मामला हरियाणा के आदमपुर थाने में दर्ज हुआ था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि विदेश जाने की योजना के तहत उसने देवेंद्र बुढ़िया से संपर्क किया, जिन्होंने मदद का भरोसा दिलाया। आरोप है कि बुढ़िया ने उसे चंडीगढ़ की एक होटल में बुलाकर नशीला पदार्थ पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और विरोध करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

पीड़िता का यह भी आरोप है कि जयपुर में भी बुढ़िया ने उसके साथ यौन शोषण किया और उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। हाल ही में बुढ़िया का हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बेटे कुलदीप बिश्नोई से भी विवाद हुआ था। सोशल मीडिया पर लाइव आकर उन्होंने कुलदीप बिश्नोई के खिलाफ कई बार बयानबाजी भी की थी। फिलहाल देवेंद्र बुढ़िया हरियाणा पुलिस की हिरासत में हैं और आगे की पूछताछ जारी है।

आलाकमान से परेशान हैं अशोक गहलोत

कांग्रेस के बयानों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का तीखा प्रहार

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बड़ा राजनीतिक हमला बोलते हुए कांग्रेस में गहराते आंतरिक मतभेदों को उजागर किया है। अमर उजाला के साथ विशेष बातचीत में मदन राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत इन दिनों अपने ही आलाकमान से खासे परेशान हैं, क्योंकि आलाकमान अब गहलोत के विरोधी माने जाने वाले सचिन पायलट को तरजीह दे रहा है। यह बदलाव गहलोत के राजनीतिक प्रभाव को कमजोर कर रहा है।

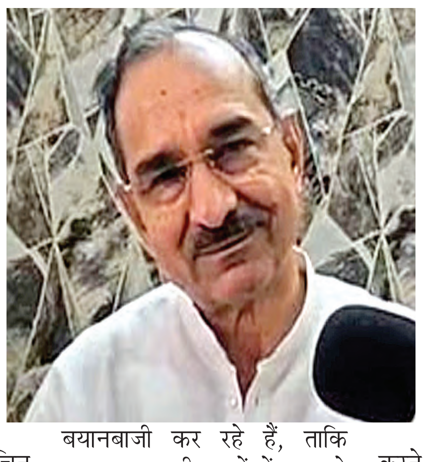

राठौड़ ने कहा- अशोक गहलोत को अब यह डर सता रहा है कि यदि पार्टी आलाकमान ने सचिन पायलट को ही राजस्थान का भविष्य मान लिया तो उनकी राजनीति लगभग खत्म मानी जाएगी। इसी भय के चलते वे किसी भी हद तक जाकर बयानबाजी कर रहे हैं, ताकि आलाकमान की नजरों में खुद को जिंदा रख सकें। भाजपा नेता ने चुटकी लेते हुए कहा कि गहलोत को दूसरों के घर में झांकने से पहले अपना घर देखना चाहिए। अगर वे अपने संगठन और पार्टी के भीतर झांकेंगे तो उन्हें खुद समझ में आ जाएगा कि असली हालात क्या हैं।

मदन राठौड़ ने केवल अशोक गहलोत ही नहीं, बल्कि पूरी कांग्रेस पार्टी पर तीखा वार करते हुए कहा- कांग्रेस के संस्कार ही ऐसे हैं कि वे अपने ही उपमुख्यमंत्री को निकम्मा और नकारा कह देते हैं। ऐसे शब्द भाजपा की कार्य संस्कृति में नहीं हैं। हमारी पार्टी में परस्पर सम्मान और अनुशासन है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से व्यवस्थित और विकासोन्मुखी है। हमारे मुख्यमंत्री दिन-रात प्रदेश के विकास में जुटे हैं। गहलोत जैसे वरिष्ठ और गंभीर नेता को ऐसी हल्की टिप्पणियां करने से बचना चाहिए।

मदन राठौड़ के इस बयान से साफ है कि कांग्रेस के अंदरूनी संघर्ष को लेकर भाजपा पूरी तरह सतर्क है और वह इस मौके को राजनीतिक लाभ में बदलने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। सचिन पायलट को लेकर आलाकमान के बदले रुख और गहलोत की प्रतिक्रियाओं को भाजपा अब अपने नैरेटिव का हिस्सा बना रही है।

अर्जुन राम मेघवाल का कांग्रेस पर हमला

बोले- संविधान बचाओ यात्रा अतीत के पाप छिपाने की कोशिश

बीकानेर, 30 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल बीकानेर दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने अपने निवास पर जनसुनवाई की और मीडिया से बातचीत में कांग्रेस की 'संविधान बचाओ यात्रा' को लेकर तीखा हमला बोला। अर्जुनराम मेघवाल ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह संविधान की रक्षा की बात कर अपने अतीत के पापों को छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में संविधान का सबसे अधिक अपमान कांग्रेस ने ही किया है।

उन्होंने कहा, "जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने संविधान यात्रा निकाली थी। वे प्रधानमंत्री नहीं थे, फिर भी उन्होंने संविधान को हाथी पर रखकर पदयात्रा की और उसका सम्मान किया। अब वही कांग्रेस संविधान की दुहाई दे रही है, जिसका इतिहास संविधान के उल्लंघन से भरा हुआ है।"

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संविधान के प्रति सम्मान औपचारिकता नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक है, जो उनके कार्यों और नीतियों में साफ झलकता है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता अब समझ चुकी है कि संविधान की असली रक्षा कौन कर रहा है और उसका अपमान किसके द्वारा हुआ है।

एक लाख शिक्षक कर रहे हैं स्थानांतरण का इंतजार

आखिर कब खुलेगा थर्ड ग्रेड शिक्षकों का ट्रांसफर लॉक?

डूंगरपुर, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कई वर्षों से दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की सरकारें बारी-बारी से बनी और हर बार सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों के नीति बनाने के नाम पर कोहनी पर गुड़ ही लगाया है। तृतीय श्रेणी के अध्यापक तबादलों पर लगे प्रतिबंध हटने के इंतजार में जिदंगी काट रहे हैं। राजनीतिक पार्टियां चुनावी घोषणा पत्र में तबादलों को लेकर पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाने और सरकार बनने के साथ ही तबादलों करने के जुमले के साथ सत्ता में आती हैं। पर, सत्ता में आने के साथ ही यह मुद्दा बिसरा दिया जाता है। कई बार शिक्षकों को तबादले के लिए आवेदन भी करवा दिए जाते हैं। ऐसे में शिक्षक घर वापसी की उम्मीदें बांधते हैं। पर, ऐनवक्त पर सरकार तबादलों से मुंह मोड़ लेती है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों को छोड़कर अन्य सभी शिक्षक संवर्गों से हर साल ऑनलाइन आवेदन करवाए जाते हैं और पारदर्शी स्थानांतरण के दावे किए जाते हैं। पर, हर सरकार डिजायर के आधार पर ही तबादला करती है। स्थायी तबादला नीति का अभाव प्रदेश में साफ नजर आ रहा है। ऑनलाइन आवेदन केवल खानापूर्ति है। आवेदनों के लिए शिक्षक नेताओं एवं उनके निजी सहायकों के घरों के चक्कर काटकर डिजायर तैयार करवाते हैं। पर, तबादले नहीं होने से यह कागज फिर रद्दी की टोकरी में ही पड़े रह जाते हैं।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों की बात करें, तो वर्ष 2018 में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने आखरी बार तबादले किए थे। मौजूदा प्रदेश सरकार का डेढ़ वर्ष का कार्यकाल हो गया है। पर, अब तक शिक्षा विभाग एक भी बार तबादला नहीं कर पाया है और नहीं नीति बना पाया है। जबकि, मौजूदा सरकार के कार्यकाल में दो बार तबादलों से प्रतिबंध हटाया है। पहली बार 10 से 20 फरवरी 2024 एवं दूसरी बार एक से दस जनवरी 2025 तक प्रतिबंध हटाया। इस समयावधि में अन्य सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के ट्रांसफर हुए। पर, शिक्षा विभाग से प्रतिबंध लगा रहा। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. ऋषिन चौबीसा, जिलाध्यक्ष बलवंत बामणिया एवं जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह चौहान ने कहा कि स्थानान्तरण नीति बनाकर पारदर्शी तरीके से शिक्षकों के तबादले करने करने चाहिए। शिक्षक वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। उन्हें राहत दें। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के जिलाध्यक्ष अशोक गामोठ, जिलामंत्री अरविंद पाटीदार, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित त्रिवेदी ने कहा कि तबादलों को लेकर सरकार को कोई ठोस नीति बनानी चाहिए तथा हर वर्ष ग्रीष्मावकाश में शिक्षकों को इच्छित जिलों या ब्लॉक में स्थानांतरण करना चाहिए। गंभीर बीमारी एवं एकल महिलाओं को वरीयता मिले। प्रदेश के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के गत दिनों सांवरियाजी में हुए प्रांतीय अधिवेशन में बोर्ड परीक्षा के बाद स्थानान्तरण करने की घोषणा की थी। पर, बोर्ड परीक्षा होने के तीन माह बाद भी तबादलों पर प्रतिबंध नहीं हटा है। प्रारभिक एवं माध्यमिक शिक्षा में प्रदेशभर में वर्तमान में कुल 2 लाख 41 हजार 60 तृतीय श्रेणी लेवल वन एवं लेवल टू के शिक्षक कार्यरत हैं।

राजस्थान का आईएएस बेटा बना महाराष्ट्र का मुख्य सचिव

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मूल निवासी और 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी राजेश कुमार मीना को महाराष्ट्र का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 30 जून 2025 को निवर्तमान मुख्य सचिव सुजाता सौनिक की सेवानिवृत्ति के बाद की गई। उनकी नियुक्ति की खबर से सवाई माधोपुर और पूरे राजस्थान में खुशी की लहर है। राजेश मीना पूर्व सांसद जसकौर मीना के दामाद हैं। हाल ही में 29 जुलाई 2024 को उन्हें उत्तर प्रदेश का गृह सचिव नियुक्त किया गया था। इस पद पर उन्होंने कानून-व्यवस्था, पुलिस सुधार और अपराध नियंत्रण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम किया।

ऑनलाइन क्लास के दौरान अश्लील वीडियो चलने से मचा हड़कंप

अस्थाई रूप से छात्र निलंबित

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। शहर के एक निजी स्कूल की ऑनलाइन क्लास के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब कक्षा के बीच में अचानक एक अश्लील वीडियो चलने लगा। यह घटना 11वीं कक्षा की एक वर्चुअल क्लास के दौरान हुई, जिसमें कई छात्र और शिक्षक जुड़े हुए थे।

बताया जा रहा है कि क्लास सामान्य रूप से चल रही थी, तभी एक छात्र की ओर से स्क्रीन पर अश्लील कंटेंट शेयर हो गया। वीडियो कुछ ही सेकंड्स के लिए चला लेकिन इतने समय में सभी छात्रों और शिक्षक ने वह दृश्य देख लिया। शिक्षक ने तुरंत क्लास बंद कर दी और स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रशासन ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया। प्राथमिक जांच के बाद संदिग्ध छात्र को अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया है। स्कूल की ओर से यह भी कहा गया है कि मामले की आंतरिक जांच जारी है और जल्द ही पूरी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

स्कूल ने अभिभावकों को आश्वासन दिया है कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी उपाय किए जाएंगे। ऑनलाइन क्लास के दौरान स्क्रीन शेयरिंग, माइक और कैमरे जैसी सुविधाओं पर सख्त नियंत्रण लगाने की योजना बनाई जा रही है। इस घटना के बाद छात्रों और अभिभावकों में चिंता का माहौल है। कई अभिभावकों ने स्कूल से संपर्क कर ऐसी घटनाओं से बच्चों को होने वाले मानसिक प्रभाव पर सवाल उठाए हैं। कुछ का कहना है कि ऑनलाइन शिक्षा में सुरक्षा की कमी बच्चों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। वहीं छात्रों में भी इस घटना को लेकर असहजता देखी गई है। कई छात्र इस अनुभव से विचलित हुए हैं, खासकर वे जो पहली बार इस तरह की स्थिति का सामना कर रहे थे।

प्यार में पागल युवती चली सात समंदर पार

राजस्थान से दिल्ली एयरपोर्ट तक पहुंची; प्लेन में बैठने से पहले हुआ चौंकाने वाला खुलासा

चूरू, 30 जून (एजेंसियां)। यह लव जिहाद का अनोखा मामला है या ह्यूमन ट्रैफिकिंग। पर हकीकत है कि खाड़ी में बैठे 35 वर्ष के युवक ने गांव की 18 वर्ष की युवती को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्यार में पागल कर लिया। खाड़ी बुलाने के लिए युवती का ना केवल पासपोर्ट बनवाया। बल्कि उसका हवाई यात्रा का टिकट भी खाड़ी से ही बनाकर भेज दिया। युवती घर से जेवरात समेटकर दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंच गई, लेकिन चूरू पुलिस की सतर्कता से उसे दिल्ली में दस्तयाब कर लिया गया। पुलिस ने अब युवक को नामजद कर लिया गया है। आशंका है कि युवक ऐसे गिरोह का सदस्य है जो ग्रामीण युवतियों को प्रेमजाल में फांसकर वहां बेचने का कार्य करता है।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि युवती जिले के तारानगर इलाके की रहने वाली है। कॉलेज में अंतिम वर्ष में पढ़ने वाली यह युवती शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे घर से बिना बताए निकल गई। दिनभर परिवार के लोग उसकी तलाश करते रहे। शाम पांच बजे उनके पास यह सूचना पहुंची। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की तो युवती के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर होने की जानकारी मिली। ऐसे में पुलिस ने दूतावास और दिल्ली पुलिस से युवती की दस्तयाबी के लिए सहयोग मांगा। युवती तब तक प्लेन में बैठने की लाइन में लग चुकी थी। इमीग्रेशन, दूतावास और दिल्ली पुलिस के सहयोग से युवती को बरामद कर लिया गया।

थानाधिकारी गौरव खिड़िया ने बताया कि आरोपी युवक मोहम्मद इस्लाम मुलतः तारानगर क्षेत्र का ही रहने वाला है। वह शादीशुदा है। वह खाड़ी के देश ओमान में रहता है। 10 वर्ष से अधिक समय से वह घर नहीं आया है। ऐसे में उसे उसकी पत्नी ने छोड़ दिया है। इस्लाम ने करीब आठ माह पहले युवती से सोशल मीडिया पर दोस्ती की। इसके बाद वह उसे लग्जरी लाइफ का सपना दिखाने लगा। सीकर भेजकर उसका पासपोर्ट बनवाया। दिल्ली से मस्कत जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट का टिकट बनाकर भेज दिया। यहां तक की युवती के घर से दिल्ली जाने की भी व्यवस्था की।

साइबर ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में देश में पहले भी सामने आते रहे हैं। चूरू पुलिस भी इसे इसी से जोडक़र देख रही है। ऐसे मामलों में युवतियों को प्रेम जाल में फांसकर लग्जरी लाइफ का सपना दिखाकर खाड़ी ले जाया जाता है। वहां पर जबरन धर्म परिवर्तन के बाद युवतियों को बेच दिया जाता है। मध्यप्रदेश में तो पुलिस ने ऐसे मामलों को लेकर पिछले दिनों एडवाइजरी भी जारी की थी।

डंपर की चपेट में आया पूरा परिवार

पिता और दो बच्चों की मौके पर मौत, मां का पैर कटा

कोटा, 30 जून (एजेंसियां)। जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में खुशियों का माहौल पल भर में मातम में बदल गया। भामाशाह मंडी रोड पर डंपर की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उद्योग नगर थाना क्षेत्र में हुआ, जहां रानपुर निवासी 32 वर्षीय कन्हैया उर्फ कृष्णा अपनी पत्नी ज्योति (28), तीन साल की बेटी यशस्वी और तीन माह के बेटे पार्थ के साथ बाइक से कंसुआ जा रहे थे। परिवार कंसुआ इलाके में एक मोबाइल शॉप के उद्घाटन समारोह में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कन्हैया, यशस्वी और पार्थ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ज्योति गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में ज्योति का एक पैर कट गया जबकि दूसरा पैर भी बुरी तरह फ्रैक्चर हो गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मोर्चरी भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। हादसे के बाद घटनास्थल पर कोहराम मच गया। एएसआई हरवीर सिंह चौधरी ने बताया कि पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

जमीनी विवाद की सुनवाई के लिए आए मां-बेटे पर जानलेवा हमला

सोने की चेन और नकदी लूटकर फरार हुए बदमाश

अलवर, 30 जून (एजेंसियां)। जिले के मुंडावर थाना क्षेत्र में दिल्ली में कार्यरत एक होमगार्ड जवान और उसकी मां पर जानलेवा हमला कर लूटपाट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब जवान अपनी मां के साथ जमीन से जुड़े विवाद की सुनवाई के लिए अलवर कोर्ट में पेशी पर आया था।

जानकारी के अनुसार स्वरूप सराय गांव निवासी शशिकांत दिल्ली में होमगार्ड के पद पर कार्यरत है। वह अपनी मां के साथ पेशी के लिए अलवर आया था। जैसे ही दोनों एसडीएम कार्यालय की ओर कार से रवाना हुए, रास्ते में बाइक पर सवार पांच बदमाशों ने उनकी कार को घेर लिया।

बदमाशों में शामिल मारुति, सुरेश, दीपक, सुनील समेत अन्य ने पहले कार पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया और फिर शशिकांत और उसकी मां को कार से बाहर खींचकर बेरहमी से पीटा। हमले में दोनों के हाथ-पैर बुरी तरह घायल हो गए हैं। हमलावर बदमाश कट्टे से लैस थे। उन्होंने शशिकांत को जान से मारने की धमकी दी और उसकी सोने की चेन और 50 हजार रुपये नकद लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को गंभीर हालत में अलवर के सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

बीते 24 घंटों में आबूरोड में 59 मिमी बारिश

बावली गांव में कार बही, ग्रामीणों ने रेस्क्यू किया

सिरोही, 30 जून (एजेंसियां)। जिलेभर में लगातार हो रही तेज एवं मध्यम बारिश के चलते नदी-नालों में पानी की आवक शुरू हो गई है। कई नदी-नाले अपने पूरे उफान पर बह रहे हैं। बावली गांव में रपट पार करते समय एक कार अचानक खराब हो गई। इससे पहले कि कार को सही करके रपट को पार किया जाता, वहां अचानक तेज बहाव आ गया, जिससे कार बहने लगी। आसपास में मौजूद ग्रामीणों ने ड्राइवर एवं कार को रस्से की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ। इसी प्रकार दूसरे मामले में पालड़ीएम थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा में एक कैंपर निर्माणाधीन पुलिया के पास कच्चे रास्ते पर पानी के तेज बहाव में फंस गया। इसे भी खासी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। बीते 24 घंटों में आबूरोड में सबसे ज्यादा 59 मिमी एवं पिंडवाड़ा में सबसे कम 11 मिमी बारिश हुई है। जबकि रेवदर में 52 मिमी, सिरोही में 47 मिमी, देलदार में 45 मिमी, माउंटआबू में 29 मिमी और पिंडवाड़ा में 11 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मोटर रिपेयर करते समय कुएं में गिरा युवक

एसडीआरएफ की टीम ने 8 घंटे बाद निकाला शव

दौसा, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में कुएं में गिरे युवक के शव को 8 घंटे बाद बाहर निकाला गया। कुएं में जहरीली गैस के बीच एसडीआरएफ की टीम को आधी रात तक मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार देर रात करीब 2 बजे शव को कुएं से बाहर निकाला गया। शव को बसवा के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। बसवा कस्बे के पास जूनवालों की ढाणी में पानी की मोटर ठीक करते समय एक युवक कुएं में गिर गया था। लोगों ने बताया कि ढाणी में सुखराम (35) पुत्र लटूर मीना कुएं पर पानी की मोटर ठीक कर रहा था। अचानक पैर फिसल जाने के कारण कुएं में गिर गया।

सूचना पर हैड कांस्टेबल चंदन सिंह जाप्ते के साथ घटनास्थल पहुंचे। जहां ग्रामीणों के सहयोग से उसे कुएं से बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन कुएं में जहरीली गैस बनने के कारण सफलता नहीं मिली। इसके बाद रात करीब 8 बजे दौसा से एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और कुएं से युवक को निकालने का कार्य शुरू किया। लेकिन,सफलता नहीं मिली।

देर रात जयपुर से एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। कुएं में जहरीली गैस होने के कारण टीम को राहत कार्य में परेशानी हुई। स्थिति को कंट्रोल करने के लिए कंप्रेसर मशीन मंगाई गई, जिससे गैस का प्रभाव कम हुआ। इसके बाद रात 2 बजे युवक के शव को कुएं से बाहर निकाला गया।

दमरे जीएम के सेवानिवृत्ति पर विशेष विदाई परेड का आयोजन

राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने में आरपीएफ के असाधारण कार्य की प्रशंसा

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, मौला अली, हैदराबाद में एक विशेष औपचारिक विदाई परेड का आयोजन किया। श्री जैन को दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले महाप्रबंधक होने का गौरव प्राप्त है। वे अपने दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत प्रशासन और रेलवे संचालन, यात्री सुरक्षा और सुरक्षा में सुधार के लिए गहरी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवा के दौरान, दक्षिण मध्य रेलवे ने सुरक्षा में सुधार, सुरक्षा प्रणालियों को अद्यतन करने और बुनियादी ढांचे के विकास में बड़ी प्रगति की। अपने विदाई भाषण में, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने यात्रियों की सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने में आरपीएफ के असाधारण कार्य की गहरी प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से पुलिस कर्तव्यों के अलावा संकट में फंसे बच्चों को बचाने में आरपीएफ के मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने बताया कि निर्भया फंड के तहत 72 स्टेशनों पर सीसीटीवी लगाने का काम पूरा हो चुका है और शेष प्रमुख स्टेशनों पर 2-3 महीने के भीतर काम पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 81 तस्करी किए गए बच्चों को बचाने और खोए हुए मोबाइल फोन को बरामद करने में उल्लेखनीय भूमिका के लिए साइबर सेल की सराहना की। श्री जैन ने प्रमुख अभियानों के प्रभावशाली परिणामों को स्वीकार किया: यात्री सुरक्षा (1104 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, 8.02 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की गई), नन्हे फरिश्ते (3435 बच्चों को बचाया गया), एएएचटी (552 तस्करों से 1161 पीड़ितों को बचाया गया) और एनएआरसीओएस (6,778 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, 381 अपराधी गिरफ्तार) हुए। उन्होंने "मेरी सहेली" टीमों की पहल, महिलाओं के नेतृत्व वाले विशेष दस्तों "रुद्रम्मा" और

"नागम्मा" की तैनाती और नए खरीदे गए वाहनों के साथ मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने की भी प्रशंसा की। अपने संबोधन में, आ ई ज ी - क म - पीसीएससी/आरपीएफ सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ए.के. जैन को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उनके दूरदर्शी नेतृत्व, दयालु स्वभाव और आरपीएफ को दिए गए उनके अथक सहयोग की प्रशंसा की। डीआईजी/सीएससी आरपीएफ, मोहम्मद शादान जेब खान द्वारा हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ विदाई समारोह का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में रेलवे के सभी विभागों के प्रमुख प्रमुख, डीआरएम/हैदराबाद, डीआरएम/सिकंदराबाद और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, इस भावपूर्ण और यादगार विदाई समारोह में पूरे जोन से आरपीएफ के जवान एकत्रित हुए थे। परेड के बाद आरपीएफ कर्मियों ने कमांडो कौशल, चपलता, समन्वय और देशभक्ति का प्रदर्शन किया। महिला कमांडो द्वारा एक शो और दो देशभक्ति और भक्ति नृत्य नाटिका विशेष आकर्षण थे।

आसिफाबाद में अनियमित बिजली कटौती के खिलाफ किसानों और ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुरादागुड़ा, सीआर नगर, अंकुशपुर, नरलापुर, महाजन गुडा और आसपास के गांवों के 300 से अधिक किसानों और निवासियों ने सोमवार को कागजनगर में उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एनपीडीसीएल) के डिवीजनल इंजीनियर कार्यालय के सामने धरना दिया और अनियमित और अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बढ़ती बिजली कटौती पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बिजली कटौती से उनके दैनिक जीवन और कृषि कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि रात में बार-बार बिजली कटौती से सांप के काटने और मलेरिया और डेंगू जैसी मच्छर जनित बीमारियों का डर पैदा हो गया है। कथित लापरवाही के लिए एनपीडीसीएल के सहायक अभियंता को निलंबित करने की मांग करते हुए, उन्होंने दावा किया कि अधिकारी बार-बार शिकायतों के बावजूद चल रही समस्याओं का समाधान करने में विफल रहे हैं। ग्रामीणों ने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान ऐसी समस्याएं प्रचलित नहीं थीं।

पुलिस की नौकरी चुनौतियों से भरी : सुधीर बाबू

आयुक्त ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में काम करते हुए आज 14 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों में सिविल सेवा निरीक्षक एस. गोपाल, जवाहरनगर ट्रैफिक पीस, पी. मोहन रेड्डी (वीआरएस) नेरेडमेट पीस, सी. यादव रेड्डी, चौटुप्पल पीएस शामिल है। इसी क्रम में टी. महेंद्र, घटकेसर पीएस, बीवीके राजू, कार्यालय अधीक्षक, अंबरपेट सशस्त्र मुख्यालय से सहायक रिजर्व उप निरीक्षक (5), मोहम्मद गफूर, रफी अहमद, किशन लाल, सुब्बैया, रामंजनेयुलु, धोबी नसरीन बेगम, श्रीनिवास, एएसआई उप्पल ट्रैफिक, वीरा भद्र रेड्डी, एएसआई चारलापल्ली, यादगिरी रेड्डी, कांस्टेबल भुवनागिरी सीसीएस को रचाकोंडा कार्यालय में सीपी सुधीर बाबू, आईपीएस द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिस की नौकरी चुनौतियों से भरी है और उन्होंने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कई उतार-चढ़ावों का सामना करने के बावजूद लंबे समय तक पुलिस विभाग में प्रभावी और अनुशासित तरीके से काम करने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने उन्हें अपनी सेवानिवृत्ति को शांतिपूर्वक बिताने, अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखने और पेंशन और अन्य वित्तीय मामलों के बारे में अनुशासित रहने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए कि उन्हें मिलने वाले सभी लाभ जल्दी मिलें।

उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए स्थापित पेंशन डेस्क के माध्यम से जल्दी से जल्दी पेंशन प्रदान करें। इस कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन इंदिरा, एडिशनल डीसीपी एडमिन शिव कुमार, स्पेशल ब्रांच एसीपी रविंदर रेड्डी, सीएओ अकाउंट्स सुगुन, सीएओ एडमिन पुष्पराज, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएच. भद्र रेड्डी, कृष्ण रेड्डी, पुलिस सहकारी समिति के कोषाध्यक्ष के. बलराज, निदेशक सांगी वलाराजू, टेकुला रविंदर रेड्डी, बी. सुवर्णा और अन्य ने भाग लिया।

3 दिनी एआईएसबीओएफ का त्रैवार्षिक सामान्य का समापन

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएसबीओएफ (दि आल इण्डिया स्टेट बैंक आफिसर्स फेडरेशन-अखिल भारतीय बैंक अधिकारी संघ) की 29वें त्रैवार्षिक सामान्य परिषद (जनरल काउन्सिल) का सफलपूर्वक समापन हुआ।

एआईएसबीओएफ फेडरेशन प्रेसिडेंट कामरेड अरुण कुमार बिशोयी तथा महासचिव कामरेड रुपम राय के कुशल नेतृत्व में 29वें त्रैवार्षिक सामान्य परिषद (जनरल काउन्सिल) का कार्यक्रम किया गया। 27 जून से 29 जून तक उपरोक्त जनरल परिषद का समापन हुआ। इस तीन दिन के कार्यक्रम में पूरे भारत के डेलिगेट्स एवं आबजर्व्स ने भाग लेकर सभी बैंक अधिकारियों की एकता व बंधुत्व का बेजोड परिचय दिया।

इस सत्र या सेशन में स्टेट बैंक आफ इंडिया आफिसर्स एसोसिएशन के 17 सर्किल्स के करीब दो हजार अधिकारियों सहित डेलिगेट्स एवं आबजर्व्ज ने हिस्सा लिया। इस जनरल काउंसिल सेशन में एसबीआई के सीनि. एग्जीक्यूटिव्ज की उपस्थिति में, जिन गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान किया गया तथा जिन गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढाई उनमें, प्रबंध निदेशक (आरबी एण्ड ओ) विनय एम. टोन्से, उप प्रबंध निदेशक (एचआर) एण्ड सीडीओ किशोर कुमार पोलुदासु तथा मुख्य महाप्रबंधक हैदराबाद सर्किल सहदेवन राधाकृष्णन आदि का समावेश है। इस सेशन में विशेष अतिथियों में जिन गणमान्य व्यक्तियों का समावेश रहा उनमें ट्रेड युनियन लीडर्स एआयबीइए महासचिव सीएच. वेंकटाचलम, एनसीबीई महासचिव एल. चंद्रशेखर, एआयबीओसी अध्यक्ष आऱ. शेखर आदि शामिल हैं।

जनता की शिकायतों के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिए : विजयलक्ष्मी

मेयर ने जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन शिकायत कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि जनता की शिकायतों के समाधान में कोई देरी न हो। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन के साथ सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन शिकायत कार्यक्रम में भाग लिया। शहर के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं को सीधे मेयर के ध्यान में लाया। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि उनकी सरकार लोगों की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रजावाणी में प्राप्त प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जाएगी और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके उन्हें शीघ्रता से हल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि समस्याओं के समाधान में कोई देरी न हो। अधिकारियों ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान सफाई, सड़क मरम्मत, जल निकासी के मुद्दे और संपत्ति कर से संबंधित बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हुईं। मेयर ने शिकायतकर्ताओं से सीधे बात की और उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना।

शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राज नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) उपक्रम हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, हैदराबाद हवाई अड्डा में शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अवसर पर हैदराबाद हवाई अड्डा के महाप्रबंधक समन्वय प्रभारी अचिंत कुमार दत्ता ने बताया कि राजभाषा हिंदी राष्ट्रीय एकता एवं अखणडता का प्रतीक है। हिंदी को भारतीय चिंतन और संस्कृति का वाहक माना गया है। नगर राज नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद सिकंदराबाद के सदस्य सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने नगरद्वय स्थित विभिन्न उपक्रमों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, हैदराबाद हवाई अड्डा में जारी राजभाषा कार्यों की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती नीलभा तिवारी, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना ने संघ की राजभाषा नीति एवं हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आपने प्रतियोगिता से संबंधित नियमों की जानकारी दी। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन द्वीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया, श्रीमती नीता सुरेश, संयुक्त महाप्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी ने अतिथियों का स्वागत कर उनका परिचय दिया। शुक्ला उपेंद्र कुमार नें स्वागत भाषाण दिया जबकि अपूर्व जैन, संयुक्त महाप्रबंधक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विकास एवं कल्याण कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका : सी एच प्रियंका

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास एवं कल्याण कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है, यह बात सूचना एवं जनसंपर्क विशेष आयुक्त सी एच प्रियंका ने कही। सूचना विभाग मुख्यालय में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत मुल्लापुड़ी श्रीनिवास कुमार सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर हैदराबाद राज्य सूचना विभाग कार्यालय में कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पीआरओ श्रीनिवास कुमार का अभिनंदन किया।

विशेष आयुक्त ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सूचना विभाग के अधिकारी सरकार और लोगों के बीच सेतु बनकर खड़े होकर सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने का निरंतर काम कर रहे हैं।

सूचना एवं जनसंपर्क विशेष आयुक्त सी एच प्रियंका ने सूचना विभाग कार्यालय में अपने कर्तव्यों का निष्ठा एवं कुशलता से निर्वहन करने के लिए पीआरओ मुल्लापुड़ी श्रीनिवास कुमार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति एक नया जीवन है।

जब कोई व्यक्ति नौकरी में होता है तो उसे अपनी बीती जिंदगी बहुत याद आती है और वह रिटायरमेंट के बाद अपने परिवार के सदस्यों के साथ खुशी-खुशी जीवन बिताना चाहता है। बाद में विशेष आयुक्त ने श्रीनिवास कुमार के परिवार के सदस्यों का परिचय कराया। सूचना विभाग के पीआरओ मुल्लापुड़ी श्रीनिवास कुमार ने कहा कि उनका 38 साल का कार्य जीवन संतोषजनक रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि उन्होंने अपनी ईमानदारी से काम करने के कारण सूचना विभाग के लिए जितनी सेवाएं दी हैं, उससे कहीं अधिक उन्हें मिला है। इस कार्यक्रम में प्रभारी अपर निदेशक डी.एस. जगन, संयुक्त निदेशक के. वेंकट रमना, वेंकटेश्वर राव, उप निदेशक मधुसूदन, वाई वेंकटेश्वरलु, प्रसाद, हाशमी, सूचना विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति ने रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दीर्घकालिक शैक्षणिक सहयोग की एक महत्वपूर्ण पुष्टि में, उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) के माननीय कुलपति प्रो. कुमार मोलुगरम ने संस्थागत संबंधों को मजबूत करने के लिए सोमवार को रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय (सीडीएम), सिकंदराबाद का दौरा किया। सीडीएम और उस्मानिया विश्वविद्यालय के बीच सहयोग 14 अगस्त 1994 को हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से मजबूत हुआ और पिछले तीन दशकों में विकसित हुआ है। उस्मानिया विश्वविद्यालय प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम - उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम की सामग्री और संचालन को क्यूरेट करने में सीडीएम के साथ सहयोग करता है और प्रबंधन अध्ययन में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष 1994-95 से अब तक 3494 भारतीय अधिकारियों और 34 मित्र देशों के 213 अधिकारियों को उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एमएमएस) की डिग्री प्रदान की गई है।

काचवानी सिंगारम आरकेएम फंक्शन हॉल स्थित परम पूज्य गुरुदेव श्री माधवरावजी के पावन आर्शीवाद से पूज्य संत श्री सोहनरामजी महाराज के सानिध्य में रविवार 6 जुलाई गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित गुरुवाणी पूजन, हुक्मीचन्द पिपाड़ा, ओमप्रकाश मानणिया की मधुर आवाज में भजन संध्या एवं भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में विचार-विमर्श करते हुए समस्त गुरुभक्त मंडल हैदराबाद के पदाधिकारी व सदस्यगण।

एबीवीपी ने दोस्त 2025 प्रवेश के दौरान फीस उल्लंघन का किया विरोध

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने चल रहे दोस्त 2025 प्रवेश में नियमों का उल्लंघन कर पूरी ट्यूशन फीस वसूलने वाले डिग्री कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सोमवार को यहां तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) पर विरोध प्रदर्शन किया।

एकजुटता दिखाने के लिए सैकड़ों छात्र एकत्र हुए, एक घंटे से अधिक समय तक शांतिपूर्वक बैठे रहे और गैरकानूनी शुल्क प्रथा के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। प्रदर्शनकारी चाहते थे कि टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिशन रेड्डी सीधे तौर पर उनकी शिकायतों का समाधान करें और दोषी कॉलेजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करें। एबीवीपी नेताओं ने शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही और पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया। छात्र संगठन ने चेतावनी दी कि अगर संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करने में विफल रहे तो वे विरोध प्रदर्शन तेज करेंगे।

बिजनेस नेटवर्किंग आयोजित

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग प्रगति (विशाखापट्टनम शाखा) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट का आयोजन किया। बैठक का आयोजन विशाखापट्टनम में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

यह बैठक होटल आईटीसी ग्रैंड बे, आरके बीच विशाखापट्टनम में आयोजित की गई थी और इस बैठक के मुख्य अतिथि गोपाल बलदावा सामाजिक कार्यकर्ता थे। अध्यक्ष निर्मला वोम्मी के साथ-साथ समिति के सदस्य डॉ राधिका, साईं श्रीनिवास, राम मूर्ति और सलाहकार श्रीनिवास चड्डा और एम. श्रीकांत ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। यह बैठक विशाखापट्टनम के क्षेत्रीय प्रमुख श्रीधर दधिराव और संस्थापक गीतेश काटे के नेतृत्व में हुई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

4 साल में ...

इसके लिए 26,968 करोड़ का बजट है। इसे अक्टूबर 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने मंजूरी दी थी।

इस योजना के तहत इसरो 21 सैटेलाइट बनाएगा और लॉन्च करेगा, जबकि 31 सैटेलाइट्स तीन निजी भारतीय कंपनियां तैयार करेंगी। पहला सैटेलाइट अप्रैल 2026 तक लॉन्च किया जाएगा, लेकिन समय सीमा को और घटाने का प्रयास जारी हैं। ये सैटेलाइट्स लो-अर्थ ऑर्बिट और जियोस्टेशनरी ऑर्बिट में तैनात किए जाएंगे।

एन. रामचंदर राव ...

शारीरिक हमलों का सामना करने के बावजूद-जिसमें विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में एक गंभीर हमला भी शामिल है, जिसके कारण उन्हें हफ्तों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा-राव अडिग रहे और परिसर में राष्ट्रवादी कारणों के लिए लड़ते रहे। एबीवीपी के साथ उनका जुड़ाव एक दशक (1977-1985) से अधिक समय तक रहा, जिसके दौरान उन्होंने कानून और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करते हुए राज्य समिति के सदस्य और शहर अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। उस्मानिया विश्वविद्यालय के शैक्षणिक समुदाय में गहराई से निहित एक मामूली ब्राह्मण परिवार में जन्मे राव ने आराम की जगह सक्रियता और व्यक्तिगत सुरक्षा की जगह सार्वजनिक सेवा को चुना। पिछले कुछ वर्षों में, श्री रामचंदर राव ने कानूनी और सार्वजनिक जीवन में सहजता से बदलाव किया। 1986 में नामपल्ली आपराधिक न्यायालयों और बाद में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक अभ्यासरत वकील के रूप में अपना करियर शुरू करते हुए, उन्होंने राज्य में सबसे सम्मानित कानूनी आवाज़ों में से एक के रूप में ख्याति अर्जित की। उन्हें 2012 में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था, और आज वे सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं और संगठन को कानूनी सहायता प्रदान करना जारी रखते हैं।

भाजपा के भीतर, श्री राव ने कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है, जिनमें भाजयुमो सचिव, शहर इकाई उपाध्यक्ष, कानूनी प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक, राष्ट्रीय कानूनी प्रकोष्ठ सदस्य, राज्य महासचिव और आधिकारिक पार्टी प्रवक्ता शामिल हैं। उनकी राजनीतिक सूझबूझ और आम सहमति बनाने की क्षमता ने उन्हें 2015 में हैदराबाद, रंगारेड्डी और महबूबनगर जिलों को कवर करने वाले स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधान परिषद में सीट दिलाई। रामचंदर राव को पदोन्नत करने के पार्टी हाईकमान के फैसले का वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जा रहा है, जो उन्हें पार्टी की वैचारिक दृष्टि और जमीनी हकीकत दोनों की गहरी समझ रखने वाली एक एकीकृत शक्ति के रूप में देखते हैं। वह अपनी सुलभता, विनम्रता और पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा के लिए जाने जाते हैं। ऐसे समय में जब भाजपा तेलंगाना में अपना विस्तार करने की सोच रही है, यह नियुक्ति एक स्पष्ट संदेश है: पार्टी करिश्मा से अधिक प्रतिबद्धता और दिखावे से अधिक सार को महत्व देती है। जबकि सोशल मीडिया पर कुछ आलोचकों ने श्री राव को लो-प्रोफाइल विकल्प के रूप में खारिज करने का प्रयास किया है, पार्टी के अंदरूनी कामकाज से परिचित लोग उनकी विश्वसनीयता, शांत प्रभाव और उद्देश्य के प्रति अडिग समर्पण को पहचानते हैं। भाजपा तेलंगाना इकाई राष्ट्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को उनके बुद्धिमान और दूरदर्शी निर्णय के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती है। एन. रामचंदर राव के नेतृत्व में, पार्टी को नए मील के पत्थर हासिल करने और तेलंगाना के लोगों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने का भरोसा है।

भाजपा विधायक टी राजा ...

2022 में पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी : टी. राजा सिंह ने एक वीडियो में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद हैदराबाद में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। इसके परिणामस्वरूप, उन्हें 23 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया और भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। हालांकि, उसी दिन उन्हें जमानत मिल गई, लेकिन 25 अगस्त को फिर से गिरफ्तार किया गया क्योंकि उन्होंने जमानत की शर्तों का उल्लंघन करते हुए एक और विवादित वीडियो जारी किया था।

2023 में राम नवमी रैली में बयान : टी. राजा सिंह ने हैदराबाद में राम नवमी रैली के दौरान विवादित बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि भारत हिंदू राष्ट्र बना तो केवल दो बच्चों की नीति का पालन करने वालों को वोट देने का अधिकार होगा। इस बयान के लिए उनके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ...

याचिका में पश्चिम बंगाल में पेशेवरों, खासकर महिला वकीलों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए सीबीआई जांच, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संस्थागत सुधारों की मांग की गई है। याचिका में पीड़िता के लिए न्याय के साथ-साथ कानूनी बिरादरी की सुरक्षा और न्यायिक व्यवस्था की अखंडता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

25 जून को कोलकाता के लॉ कॉलेज में एक स्टूडेंट के साथ गैंगरेप किया गया था। इसमें तीन आरोपी शामिल थे। तीनों ही छात्र इसी कॉलेज के थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत के आयुष ने यूएस ओपन का खिताब जीता

उन्हे पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल

तन्वी को फाइनल में मिली हार

आयोवा, 30 जून (एजेंसियां)। भारत के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत के साथ अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही इस सत्र में भारत का खिताबी सूखा खत्म हुआ। 2023 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता 20 वर्षीय आयुष ने तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट में 21-18, 21-13 से हरा दिया। वहीं, महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा शीर्ष वरीय अमेरिका की बेवेन झांग से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारकर उप विजेता रहीं। अपना पहला विश्व टूर फाइनल खेल रहीं गैरवरीय तन्वी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

आयुष बनाम यांग

आयुष की यांग पर यह तीसरी जीत रही। उन्होंने इस साल के शुरू में मलयेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था। आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। पुरुष एकल फाइनल की शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने कई विनर्स लगाकर मिड तक याग पर 11-6 की बढ़त बना ली।

यांग ने अंतर को 13-11 तक कम कर दिया और 16-16 से बराबरी हासिल कर ली, लेकिन आयुष ने अच्छी तरह से लगाए गए शॉट्स के साथ नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक जंप स्मैश के साथ शुरुआती गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारत के स्टार शटलर ने 7-2 की बढ़त बना ली, लेकिन यांग ने कुछ समय बाद स्कोर फिर से बराबर कर जिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और अटैक-डिफेंस का सही तरीके से उपयोग करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को मैच से दूर रखा। 17-12 से आगे होने के बाद आयुष ने क्रॉस-कोर्ट पंच के साथ मैच को लगभग समाप्त कर दिया। इसके बाद एक और शक्तिशाली स्मैश से अपना पहला वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। आयुष 2023 बहरीन इंटरनेशनल और 2024 डच ओपन में फाइनल में जगह बनाने के अलावा 2023 ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे।

तन्वी बनाम झांग

महिला एकल फाइनल में तन्वी को शुरू से ही जूझना पड़ा क्योंकि झांग ने पहले गेम में 11-5 की बढ़त बना ली, जिससे तन्वी पार नहीं पा सकीं। दूसरे गेम में तन्वी ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 4-0 की बढ़त बना ली और झांग ने लंबी रैलियों के साथ उन्हें फंसाने की कोशिश की, लेकिन तन्वी ने पूरा ध्यान स्थिति पर बनाए रखा। दूसरे गेम के मिड ब्रेक तक तन्वी ने 11-9 की बढ़त बना रखी थी। झांग ने फिर गलतियां कीं और तन्वी ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया और मैच निर्णायक गेम में पहुंचा। हालांकि, तन्वी तीसरे गेम में झांग ने जबरदस्त वापसी की और मिड ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली। उन्होंने इस बढ़त को बनाए रखा और मैच भी अपने नाम कर लिया।

अगले साल छठा विश्व कप खेलेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

लिस्बन, 30 जून (एजेंसियां)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रिकॉर्ड छठे फीफा विश्व कप में खेलने के लिए क्लब विश्व कप का हिस्सा नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह लंबा सत्र है और वह आराम कर के खुद को फिट और तरोताजा रखना चाहते हैं। रोनाल्ड अगले साल फीफा विश्व कप तक 41 वर्ष के हो जाएंगे। रोनाल्डो ने सऊदी अरब के अपने क्लब अल नस्र द्वारा पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, 'मेरे पास क्लब विश्व कप खेलने के कुछ प्रस्ताव थे, लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई मतलब है क्योंकि मैं अच्छी तरह से आराम करना और बेहतर तैयारी करना पसंद करता हूं। यह सत्र बहुत लंबा होगा क्योंकि सत्र के अंत में विश्व कप खेला जाना है।' उन्होंने अल नस्र के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, 'इसलिए मैं न केवल अल नस्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी तैयार रहना चाहता हूं।' 40 वर्षीय रोनाल्डो ने तीन हफ्ते पहले स्पेन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत के साथ पुर्तगाल को नेशंस लीग ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं। वह और लंबे समय से अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी वाले टूर्नामेंट में छह विश्व कप में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से ललित मोदी को झटका

बीसीसीआई से ईडी का जुर्माना भरने की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व क्रिकेट प्रशासक ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने बीसीसीआई को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए ईडी द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करने का आदेश देने की मांग की थी। हालांकि, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ललित मोदी कानून के मुताबिक, उपलब्ध दीवानी उपचार का लाभ उठाने के हकदार होंगे।

पिछले साल 19 दिसंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने ललित मोदी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, जबकि उनकी याचिका खारिज कर दी थी। याचिके में ललित ने कोर्ट से बीसीसीआई को आदेश देने की मांग की थी कि वह प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फेमा का उल्लंघन करने के लिए उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करे। हाईकोर्ट ने तब कहा था कि याचिका 'तुच्छ और पूरी तरह से गलत' है, क्योंकि फेमा के तहत न्यायाधिकरण ने ललित मोदी पर जुर्माना लगाया है।

ललित मोदी ने अपनी याचिका में कहा कि उन्हें बीसीसीआई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था, इस दौरान वह आईपीएल की शासी संस्था, बीसीसीआई की एक उपसमिति के अध्यक्ष भी थे। याचिका में दावा किया गया है कि बीसीसीआई को उपनियमों के अनुसार उन्हें क्षतिपूर्ति देनी चाहिए। हालांकि, हाईकोर्ट की बेंच ने 2005 के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि बीसीसीआई संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत परिभाषित 'राज्य' की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता है। हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद ललित मोदी ने 2018 में यह याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने कहा था, 'ईडी द्वारा याचिकाकर्ता (ललित) पर लगाए गए जुर्माने के संदर्भ में याचिकाकर्ता (ललित) की कथित क्षतिपूर्ति के मामले में किसी सार्वजनिक कार्य के निर्वहन का सवाल ही नहीं उठता है और इसलिए इस उद्देश्य के लिए बीसीसीआई को कोई रिट जारी नहीं की जा सकती।' अदालत ने कहा था, 'किसी भी स्थिति में, राहत पूरी तरह से गलत है। यह याचिका तुच्छ है और तदनुसार हम इस याचिका को खारिज करते हैं।' साथ ही ललित मोदी को चार सप्ताह के भीतर टाटा मेमोरियल अस्पताल को एक लाख रुपये की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया।

निकहत और अंकुशिता की शानदार जीत

एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में बनाई जगह

हैदराबाद, 30 जून (एजेंसियां)। दो दफा की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने कल्पना पर 5-0 से शानदार जीत के साथ

घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया।

पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई।

तमिलनाडु की वी लक्ष्या (51 किग्रा) ने लक्ष्मी देवी पर 5-0 की जीत से प्रभावित किया जबकि तनु (54 किग्रा), शशि (65 किग्रा) और यशी शर्मा (65 किग्रा) भी मजबूत प्रदर्शन की बदौलत अगले दौर में पहुंची। अंकुशिता की 'टॉप्स' साथी गीतिमोनी गोगोई 70 किग्रा में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के जरिए आगे बढ़ीं और बेबीरोजसाना चानू (57 किग्रा) ने भी जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल सोमवार को होंगे। यह टूर्नामेंट पटियाला में होने वाले एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाने के लिए आयोजित कराया जा रहा है।

'अब ज्यादा महत्वाकांक्षी, जल्द से जल्द कैंडिडेट्स स्थान पक्का करना है'

उजचेस कप जीतने पर बोले भारत के नंबर एक प्रज्ञानंद

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने पिछले खराब सत्र के बाद इस साल तीन बड़े खिताब अपने नाम किए हैं उन्होंने बढ़ते आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा को इसका श्रेय देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य जल्द से जल्द कैंडिडेट्स स्थान पक्का करना है। प्रज्ञानंद में सर्वश्रेष्ठ को हराने की काबिलियत थी लेकिन निरंतरता की कमी थी। पर उन्होंने आखिरकार साल की शुरुआत में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स जीतने के दौरान निरंतरता हासिल की।

बुकारेस्ट में सुपरबेट क्लासिक और हाल में उजचेस कप मास्टर्स के रूप में उन्होंने दो और क्लासिकल खिताब अपने नाम किए। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने कहा, 'मैं पिछले वर्ष जितने मैच जीतना चाहता था, उतने नहीं जीत पाया। लेकिन अब मैं पहले की तुलना में आत्मविश्वास से भरा हूं और अधिक महत्वाकांक्षी हूं। उम्मीद है कि मैं कैंडिडेट्स में जगह बना लूंगा।'

यह पूछे जाने पर कि क्या यह परिपक्वता की वजह से है तो उन्होंने कहा कि वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'नहीं पता कि इसका जवाब कैसे दूं। मैं हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं और इस साल अब तक मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है।' ऐसा लगता है कि इस युवा खिलाड़ी ने कैंडिडेट्स में जगह बनाने का रास्ता बना लिया है और उन्हें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी जगह सुरक्षित रखने का पूरा भरोसा है।

प्रज्ञानंद ने कहा, 'निश्चित रूप से मैं अभी मौजूदा समय में कैंडिडेट्स स्थान के लिए दौड़ में सबसे आगे हूं। लेकिन दिसंबर तक काफी चुनौती रहेगी। मुझे लगता है कि मैं ग्रैंड स्विस और विश्व कप भी खेलूंगा। इसलिए अगर मैं उनमें से किसी एक में जगह बना पाता हूं तो यह बेहतर होगा क्योंकि मुझे दिसंबर तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।' विश्व चैंपियन गुकेश और अर्जुन एरिगेसी को पछाड़कर फिडे रेटिंग में चौथे नंबर पर सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय बनने वाले प्रज्ञानंद ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं गुकेश से शायद एक अंक आगे हूं। मुझे नहीं लगता कि इससे कोई बड़ा अंतर पड़ता है।'

उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैं टूर्नामेंट जीतने के बारे में सोचता हूं क्योंकि यह ज्यादा विशेष होता है। और मैं एक बार में एक टूर्नामेंट के बारे में ही सोचता हूं। और जब मैं अच्छा करता हूं तो मैं बस इसके बारे में खुश होता हूं। इसलिए मेरे लिए यही सब मायने रखता है, लेकिन मुझे लगता है कुल मिलाकर हम (भारतीय) अच्छा कर रहे हैं। गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप जीती, पिछले साल उनका प्रदर्शन शानदार रहा, उन्होंने ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने कैंडिडेट्स जीता। और अर्जुन ने पिछले साल असाधारण प्रदर्शन करते हुए 2800 अंक पार किए। हम एक-दूसरे को प्रेरित भी कर रहे हैं।'

पाकिस्तान क्रिकेट में हुआ बड़ा बदलाव

टेस्ट में अजहर महमूद को सौंपी गई हेड कोच की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद, 30 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन बीते काफी समय से खराब दौर से गुजर रही है। टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र के लिए पीसीबी ने बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। टेस्ट क्रिकेट में अब अजहर महमूद को पाकिस्तान क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। अजहर बीते काफी लंबे समय से बतौर सहायक कोच टीम का हिस्सा हैं और अब इस नई भूमिका को उनके प्रमोशन के तौर पर देखा जा रहा है। बोर्ड को पूरा विश्वास है कि वो टीम के लिए कुछ खास कर पाएंगे और एक बार फिर से पाकिस्तानी टीम विश्व

क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हो पाएगी।

रेड बॉल में शानदार रहा है उनका रिकॉर्ड

एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनको कई देशों के साथ क्रिकेट खेलने का अच्छा खासा अनुभव भी है। काउंटी चैंपियनशिप में उनकी लीडरशिप वाली टीम 2 बार किताब पर कब्जा कर चुकी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट की तरफ से जारी किए गए स्टेटमेंट में कहा गया है कि, "रेड बॉल में वो 2 काउंटी चैम्पियनशिप के खिताब अपनी टीम को जिता चुके हैं जो कि उनकी प्रतिभा को दिखाता है। पीसीबी को विश्वास है कि अजहर महमूद की गाइडेंस पाकिस्तान टीम लाल गेंद से अपनी ताकत दुनिया को दिखा पाएगी।"

खराब प्रदर्शन के चलते हो रहा लगातार बदलाव

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी के पद से हटने के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद ये कार्यभार संभाल रहे थे। आकिब जावेद साल 1992 में विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। अब ये जिम्मेदारी अजहर महमूद के हाथों में है। उनकी कोचिंग में पहला असाइनमेंट पाकिस्तानी टीम का दक्षिण अफ्रीका का दौरा होगा। इस दौरे पर टीम को 2 मैचों की सीरीज खेलनी है।

डु प्लेसी के शतक से टीम को प्लेऑफ का टिकट

पोलार्ड ने छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा पर कुछ नहीं बदला

वाशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में टेक्सस सुपर किंग्स ने मौजूदा सीजन के प्लेऑफ का टिकट कटा लिया है. उसने ये कामयाबी मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क को हराते हुए हासिल की है. ये लगातार तीसरी बार है जब टेक्सस सुपर किंग्स एमएलसी के प्लेऑफ में पहुंची है. अब सवाल है कि टेक्सस सुपर किंग्स ने ये कामयाबी हासिल की कैसे? तो इसका जवाब है उनके कप्तान फाफ डु प्लेसी का शतक. डुप्लेसी ने अपनी टीम के लिए बड़े मौके पर बड़ी पारी खेली. उनके शतक का असर इतना तगड़ा रहा कि पोलार्ड ने अपनी टीम के लिए छक्कों का जो रिकॉर्ड तोड़ा, उससे भी कुछ नहीं हुआ.

टेक्सस सुपर किंग्स ने बनाए 223 रन, डुप्लेसी का शतक

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टेक्सस सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाए. इसमें से नाबाद 103 रन अकेले फाफ डु प्लेसी के रहे, जो उन्होंने 53 गेंदों का सामना करते 9 छक्के और 5 चौके की मदद से बनाए. ये MLC 2025 में फाफ डु प्लेसी के बल्ले से निकला दूसरा शतक रहा. MI के खिलाफ खेली इस शतकीय पारी के दौरान डुप्लेसी ने दूसरे विकेट के लिए मुक्कामल्ला के साथ 80 रन की पार्टनरशिप की. तीसरे विकेट के लिए स्टोइनिस के साथ 57 रन जोड़े जबकि चौथे विकेट के लिए ड्वेन फरेरा के साथ मिलकर उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में ही 81 रन की साझेदारी की.

अब मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के सामने 224 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करने उतरी वो टीम 200 रन की दहलीज भी नहीं लांघ सकी. ?एमआई न्यूयॉर्क ने 20 ओवर खेलने के बाद 9 विकेट पर बस 184 रन बनाए. इस तरह उन्होंने 39 रन से मैच गंवा दिया, जो कि एमएलसी 2025 में उनकी 7 मैचों में छठी हार रही.

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल बल्लेबाज काइरन पोलार्ड रहे, जिन्होंने 39 गेंदों में 70 रन जड़े. अपनी पारी में उन्होंने 5 छक्के लगाए, जिसके दम पर उन्होंने एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया. एमएलसी में पोलार्ड अब 18 छक्कों के साथ MI न्यूयॉर्क के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. ये रिकॉर्ड पहले मोनांक पटेल के नाम था, जिन्होंने 17 छक्के जड़े थे.

पीएसजी ने मेसी की इंटर मियामी को हराया

हैरी केन के दो गोल से म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को दी शिकस्त

मियामी गार्डेंस, 30 जून (एजेंसियां)। जोआओ नेवेस के दो गोल की बदौलत चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को 4-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेसी मेजर लीग सॉकर में आने से पहले दो सीजन पीएसजी से भी खेल चुके हैं। अटलांटा के स्टेडियम में 65,574 दर्शकों के अपार समर्थन के बावजूद अर्जेंटीना का स्टार खिलाड़ी कोई जादू नहीं कर पाया और उनकी टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। नेवेस ने मैच के छठे मिनट में अपना पहला गोल दागा। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने 39वें मिनट में एक और गोल किया। इंटर मियामी पहले हाफ के अंतिम चरण में पूरी तरह से बिखर गया और उसने आत्मघाती गोल कर दिया। अचरफ हकीमी ने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करके पीएसजी को मध्यांतर से पहले चार गोल की बढ़त दिला दी। पीएसजी की इस जीत ने एक महीने पहले खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल की याद ताजा कर दी जब फ्रांस के इस क्लब ने इंटर मिलान को 5-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

कभी टीम इंडिया में नहीं मिली जगह, अब विदेशी लीग में खेलेगी भारतीय खिलाड़ी

खेल डेस्क, 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट में सलोनी डंगोरे का नाम भले ही अभी नया हो, लेकिन इस खिलाड़ी को क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाने का बड़ा मौका मिल गया है. सलोनी डंगोरे जल्द ही एक विदेशी क्रिकेट लीग में खेलती हुईं नजर आएंगे. खास बात ये है कि सलोनी डंगोरे ने अभी तक कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है. इतना ही नहीं, वह कभी भी महिला प्रीमियर लीग (WPL) का भी हिस्सा नहीं बनी हैं. ऐसे में इस खिलाड़ी का विदेशी लीग में सेलेक्शन होना काफी चौंकाने वाला है.

विदेशी लीग में खेलेगी भारतीय खिलाड़ी

27 साल की लेग स्पिन ऑलराउंडर सलोनी डंगोरे ने बिना इंटरनेशनल क्रिकेट खेले और महिला प्रीमियर लीग में जगह बनाए, 2025 के महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स का कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है. यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि विदेशी टी20 लीग में किसी अनकैप्ड खिलाड़ी का सेलेक्शन होना रेयर है. सलोनी का जन्म इंदौर में हुआ, जहां उन्होंने अपने शुरुआती साल एथलेटिक्स को दिए. 100 मीटर, 200 मीटर दौड़

और लंबी कूद में नेशनल लेवल पर प्रतिस्पर्धा करने वाली सलोनी को क्रिकेट से कोई लगाव नहीं था.

सलोनी डंगोरे

वह लगभग 17 साल की थी जब उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया. बता दें, पिछले दो महिला प्रीमियर लीग सीजन में, डंगोरे दिल्ली कैपिटल्स में नेट बॉलर थीं. अब वब लिजेल ली, शिखा पांडे और जेस जोनासेन के साथ टीकेआर में चार विदेशी खिलाड़ियों में से एक हैं. सलोनी ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न को अपना आदर्श मानती हैं और उनकी गेंदबाजी के वीडियो को धीमी गति में देखकर तकनीक सीखी है. सलोनी डंगोरे ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'मैं शेन वॉर्न और उनके गेंद को घुमाने के तरीके से प्रेरित थी. किन मेरा हाथ दूसरी दिशा में घूमता था और मेरी ज्यादातर गेंदें गुगली बनकर रह जाती थीं. इसलिए मैं उनके वीडियो को धीमी गति में देखती थी ताकि समझ सकूं कि वह ऐसा कैसे करते थे.'

2018 में मध्य प्रदेश के लिए किया डेब्यू

2017-18 में सलोनी डंगोरे ने मध्य प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया. हालांकि, शुरुआती सालों में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले. बेहतर अवसरों की तलाश में उन्होंने 2024-25 सीजन से पहले छत्तीसगढ़ का रुख किया. इस फैसले ने उनके करियर को नई दिशा दी. छत्तीसगढ़ के लिए वनडे टूर्नामेंट में उन्होंने 6 मैचों में 15 विकेट लिए और 144 रन बनाए. अब वह कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलने के लिए तैयार हैं.

मंत्री के निर्देश पर मीसेवा में जोड़ी गई लैंड मार्केट वैल्यू और विवाह पंजीकरण सेवाएँ

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू के दूरदर्शी नेतृत्व में, मीसेवा ने एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है।

आज सचिवालय में आयोजित समीक्षात्मक बैठक के दौरान मंत्री श्रीधर बाबू ने मीसेवा की सेवाओं की प्रगति का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों को नागरिक-केंद्रित, नवाचारी सेवाएँ शुरू करने हेतु स्पष्ट निर्देश दिए, जिनमें सुविधा, पारदर्शिता और दक्षता को प्रमुखता दी गई। इस निर्देशानुसार, मीसेवा ने लैंड मार्केट वैल्यू सर्टिफिकेट प्रदान करने तथा विवाह पंजीकरण के लिए स्लॉट बुकिंग सिस्टम जैसी दो नई, अत्यावश्यक सेवाओं की शुरुआत की है, जिससे यह प्लेटफ़ॉर्म तेलंगाना के नागरिकों के लिए और भी सुदृढ़ और विश्वसनीय बन गया है। नई लैंड मार्केट वैल्यू सेवा के तहत नागरिक अब आसानी से लैंड या अपार्टमेंट की वैल्यू प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें मीसेवा सेंटर पर जाना है या ऑनलाइन पोर्टल पर लॉग इन करना है, जहाँ वे लैंड या अपार्टमेंट का चयन कर जिला, मण्डल और गांव जैसी आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करते हैं। संबंधित आवेदन तुरंत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय को भेजा जाता है, जो 24 घंटे के भीतर स्वीकृति सुनिश्चित करता है। अधिकारी की मंजूरी मिलने के बाद सर्टिफिकेट तुरंत प्रिंट के लिए उपलब्ध हो जाता है। साथ ही, मीसेवा में विवाह पंजीकरण के लिए एक सुव्यवस्थित स्लॉट बुकिंग प्रणाली भी लागू की गई है। इसके अंतर्गत पात्र जोड़े ऑनलाइन आवेदन में निर्धारित शुल्क के साथ दस्तावेज़ जमा करेंगे: विवाह आमंत्रण पत्र, समारोह में विवाहित दंपति का फोटो, किसी एक साथी का आवासीय प्रमाण, और उम्र प्रमाण के रूप में एसएससी प्रमाणपत्र या पासपोर्ट की प्रतियाँ। इसके अतिरिक्त, तीन गवाह आवेदन फ़ॉर्म और रजिस्ट्रार कार्यालय में दर्ज में हस्ताक्षर करेंगे। यह आवेदन फ़ॉर्म "A' में दोनों पक्षों या उनके अभिभावकों द्वारा हस्ताक्षरित होकर सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा। यह पंजीकरण विवाह स्थल या किसी ऐसे कार्यालय में हो सकता है जहाँ शादी से कम से कम छह महीने पूर्व से दंपति का रहवास था। सब-रजिस्ट्रार अधिकारी प्रमाणपत्र जारी करेंगे, जिससे नागरिकों को मीसेवा केंद्र की पुनः यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। ये नई सेवाएँ मीसेवा की डिजिटल पारदर्शिता, समय की बचत और भौतिक यात्रा की आवश्यकता को कम करने की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। बाजार मूल्य प्रमाणपत्र को एक दिन में मंजूरी और विवाह पंजीकरण की सरल प्रक्रिया, यह सभी नागरिकों, निर्माण क्षेत्र और परिवारों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे। यह विस्तार तेलंगाना की डिजिटल शासन दृष्टि से भी सुसंगत है, जिसमें मीसेवा कियोस्क का विस्तार, आरटीए और पैन सेवाओं का एकीकरण, रेत-बुकिंग सुविधाएं, और टी-फाइबर परियोजना शामिल हैं। मंत्री डड्डिल्ला श्रीधर बाबू ने दोबारा जोर देते हुए कहा है कि सरकार को सीधे नागरिकों तक पहुँच बनानी चाहिए, और जटिलता को दूर कर, आवश्यक सेवाओं को आधुनिक अपेक्षाओं के अनुरूप बनाना चाहिए।

मोबाइल छीनने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोपालपुरम पुलिस ने एक त्वरित कार्रवाई में मोबाइल छीनने वाले एक गिरोह को पकड़ा, जिसमें दो बदमाश और एक किशोर शामिल हैं। यह मामला 28 जून का है। एक कैब ड्राइवर डेरेनगुला दुर्गा राव से प्राप्त शिकायत से शुरू हुआ, जिन्होंने बताया कि उनका मोबाइल फोन चिलकलगुडा एक्स रोड के पास दोपहिया वाहन पर तीन व्यक्तियों द्वारा छीन लिया गया था, जब वह उबर बाइक का इंतजार कर रहे थे। शिकायत के आधार पर, एक मामला दर्ज किया गया और गहन जांच की गई। पुलिस ने इस मामले में मदना रवि तेजा, बल्ला नागा चेन्ना केशव राव, एक किशोर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 50 से अधिक निगरानी कैमरों से सीसीटीवी फुटेज की गहन समीक्षा और विश्वसनीय जानकारी के माध्यम से मामले का पता लगाया गया। इस विश्लेषण के आधार पर, आरोपी तीनों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, उन्होंने चिलकलगुडा एक्स रोड पर मोबाइल छीनने का अपराध कबूल किया। उन्होंने आरोपी बल्ला नागा चेन्ना केशव राव के पड़ोसी के घर से एक और चोरी करना भी स्वीकार किया, जहां उन्होंने पीएस चिलकलगुडा की सीमा में दो मोबाइल फोन, दो पर्स और दो स्मार्ट घड़ियां चुराई थीं।

कविता ने बीसी कोटे को लेकर रेल रोको का पोस्टर जारी

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने सोमवार को 17 जुलाई को होने वाले रेल रोको आंदोलन के लिए एक पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें शिक्षा, रोजगार और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है। तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट (यूपीएफ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों पर दबाव बनाना है।

एक बयान में, कविता ने बताया कि हालांकि राज्य विधानसभा और विधान परिषद में दो अलग-अलग विधेयक पारित किए गए थे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने उन्हें कानूनी रूप से वैध बनाने या दिल्ली में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ले जाने का कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार को पिछड़ा वर्ग आरक्षण को अंतिम रूप दिए बिना स्थानीय निकाय चुनाव कराने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, यह पार्टी टिकटों का मामला नहीं है, बल्कि पिछड़े वर्गों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों का मामला है। कविता ने लोगों से अपील की है कि वे 16, 17 और 18 जुलाई को प्रस्तावित आंदोलन के मद्देनजर यात्रा करने से बचें। कई राजनीतिक दलों और संगठनों ने पहले ही विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दे दिया है।

ओआरआर पर 9 कारें आपस में टकराईं, 5 घायल

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके राजेंद्रनगर में आउटर रिंग रोड पर सोमवार सुबह तेज रफ्तार 9 कारों के आपस में टकरा जाने से कम से कम 5 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब तेज गति से कार चला रहे चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे चल रही कारें आपस में टकरा गईं। घटना के कारण सड़क पर यातायात जाम हो गया, जिससे कम से कम 2 किमी तक यातायात ठप्प हो गया। सूचना मिलने पर राजेंद्रनगर पुलिस और ओआरआर के जवान मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त कारों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया। दुर्घटना में घायल लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

लोअर मनैर बांध में मछुआरा डूबा, शव बरामद

करीमनगर, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोअर मनैर डैम (एलएमडी) में रविवार दोपहर लापता हुआ मछुआरा गुव्वा रवि (43) सोमवार को मृत पाया गया। गन्नेरुवरम मंडल के मेलाराम गांव के मूल निवासी रवि मछली पकड़ने के लिए एलएमडी जलक्षेत्र में गए थे, जब उनकी देशी नाव तेज हवाओं के कारण पलट गई, जिससे वह पानी में गिर गए। घटना को देखने वाले अन्य मछुआरे उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन असफल रहे। हालांकि उन्होंने घटना के तुरंत बाद इलाके में खोजबीन की, लेकिन वे उसे नहीं ढूंढ पाए। सोमवार सुबह फिर से तलाशी अभियान शुरू किया गया, जिसके दौरान उसका शव बरामद किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने तेलंगाना से संबंधित विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा की।

पॉक्सो मामले के आरोपी ने किया आत्महत्या का प्रयास

मेदक, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पॉक्सो मामले में दोषसिद्धि के डर से एक व्यक्ति ने सोमवार तड़के शिववमपेट मंडल के सभाशपल्ली गांव में सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड करते समय जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। आरोपी की पहचान पनागरी सुधाकर रेड्डी के रूप में हुई है, जो इसी गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ करीब दो साल पहले यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालती कार्यवाही अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही वह संभावित सजा के बारे में चिंतित हो गया। सेल्फी वीडियो में रेड्डी ने दावा किया कि उसने कोई अपराध नहीं किया है। वीडियो देखने के बाद उसके दोस्तों ने उसका पता लगाया और उसे इलाज के लिए नरसापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

हाइड्रा ने अतिक्रमण को किया ध्वस्त

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आक्रोश और विरोध के बीच, हैदराबाद आपदा प्रबंधन और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने सोमवार को सुन्नम चेरुवु के तटीय क्षेत्र पर अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। भवन स्वामियों ने इस ध्वस्तीकरण की निंदा करते हुए कहा कि हाइड्रा की कार्रवाई उनके अधिकारों का उल्लंघन है। यह ध्वस्तीकरण तब हुआ जब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट का उपयोग हाइड्रा द्वारा सुन्नम चेरुवु में जल प्रदूषण का दावा करने के लिए किया गया था।

पुलिस सुरक्षा के बीच, हाइड्रा अधिकारियों ने तड़के ही ध्वस्तीकरण का काम शुरू कर दिया। सुन्नम चेरुवु के तटीय क्षेत्र में स्थापित 50 से 70 से ज़्यादा अस्थायी आश्रयों, पानी के कुओं और बोरवेल को ध्वस्त कर दिया गया। पिछले सप्ताह, कुछ निजी व्यक्तियों ने सुन्नम चेरुवु में विरोध प्रदर्शन किया और दावा किया कि उनके पास चेरुवु में उन्हें आवंटित भूखंडों के दस्तावेज हैं। सोमवार की सुबह, प्लॉट मालिकों ने तोड़फोड़ की निंदा की, और कहा कि अदालत के आदेशों के बावजूद, हाइड्रा उनकी सीमाओं को ध्वस्त कर रहा है। सुन्नम चेरुवु, सेरिलिंगमपल्ली और कुकटपल्ली मंडलों की सीमा पर गुट्टल बेगमपेट और अल्लापुर गांवों के बीच 32.60 एकड़ में फैला हुआ है।

हरीश राव ने की यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की मांग

गुरुकुल स्कूलों की स्थिति खराब करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने तेलंगाना भर में गुरुकुल स्कूलों की स्थिति खराब करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने ठेकेदारों को बकाया राशि तथा निजी भवनों में संचालित गुरुकुलों के किराये का भुगतान तत्काल करने की मांग करते हुए कहा कि भुगतान न होने के कारण भोजन और यूनिफॉर्म सहित आवश्यक आपूर्ति बाधित हो रही है।

हरीश राव ने एक बयान में कहा कि गुरुकुल स्कूल, जो कभी बीआरएस शासन के तहत देश के लिए एक मॉडल थे, अब कांग्रेस शासन में चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहे हैं। इस साल जनवरी से लंबित बिलों का भुगतान न होने के कारण अंडे, मांस और केले की आपूर्ति बंद कर दी गई है।

उन्होंने कहा, 'ठेकेदारों ने पहले ही चेतावनी दी है कि जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता, 1 जुलाई से सभी खाद्य आपूर्ति निलंबित कर दी जाएंगी।' पूर्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार की उदासीनता के कारण लाखों एससी, एसटी, बी.सी. और अल्पसंख्यक छात्रों का स्वास्थ्य और शिक्षा खतरे में है। उन्होंने बताया, 'पिछले 13 महीनों से 450 करोड़ रुपये से ज़्यादा किराया बकाया है। कुछ मामलों में, बिल्डिंग मालिक स्कूलों को बंद कर रहे हैं। शैक्षणिक वर्ष के कई महीने बीत जाने के बाद भी छात्रों को यूनिफ़ॉर्म, जूते या स्कूल बैग नहीं मिले हैं, जिससे उन्हें फटी हुई या मरम्मत की हुई यूनिफ़ॉर्म पहनने पर मजबूर होना पड़ रहा है।'

कुकटपल्ली में युवक की हत्या

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को कुकटपल्ली में देव इस्थाना होम्स के पास एक सुनसान जगह पर एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस को संदेह है कि हत्या की वजह पुरानी दुश्मनी हो सकती है। पीड़ित की पहचान सैयद शाहिद के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ अल्लापुर थाने में एक मामला दर्ज था। वह वहीद पहलवान का बेटा था और बोराबंडा का निवासी था। पुलिस के अनुसार, सैयद शाहद की हत्या का संदेह अज्ञात लोगों द्वारा किया गया है, जो उसे पहले से जानते थे। पिछली दुश्मनी को लेकर उनके बीच बहस हुई थी। उस पर चाकू से हमला किया गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर कुकटपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वे हत्यारों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। पीड़िता के शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया।

कामारेड्डी में करंट से मौत

मंचेरियल, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले का एक व्यक्ति रविवार रात मंचेरियल शहर के इस्लामपुरा में कथित तौर पर कीमती सामान चोरी करने का प्रयास करते समय करंट के झटके से मर गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कामारेड्डी के गांधारी मंडल के मलोथ रमेश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि एक इमारत की छत पर छिपे रहने के दौरान करंट के तार के संपर्क में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रमेश एक घर में चोरी करने के इरादे से घुसा था, लेकिन उसे वहां रहने वाले लोगों ने देख लिया और शोर मचा दिया। छिपने की कोशिश में वह नीचे झुका और उसकी गर्दन करंट के तार में उलझ गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है, जिसमें दुर्घटनावश मौत और रमेश द्वारा आत्महत्या के प्रयास का संदेह भी शामिल है।

बदमाशों ने बैंक को लूटने का किया प्रयास

मेदक, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात बदमाशों ने रविवार रात वेलुदुरथी मंडल मुख्यालय स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा को लूटने का असफल प्रयास किया। बदमाशों ने बैंक की दीवार तोड़कर स्टोर रूम के ताले तोड़ दिए लेकिन, जैसे ही वे लॉकर रूम में घुसे, बैंक का ऑटोमेटिक अलार्म सिस्टम चालू हो गया, जिससे वे मौके से भाग निकले। सतर्क स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही संदिग्ध भागने में सफल हो गए। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस गिरोह की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए मंडल मुख्यालय से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

केसीआर ने मच्छमैलारम अग्निकांड में हुई मौतों पर जताया शोक

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को संगारेड्डी जिले के मच्छमैलारम में एक औद्योगिक इकाई में भीषण आग दुर्घटना में कई श्रमिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने उन रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त की, जिनमें कहा गया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। चंद्रशेखर राव ने राज्य सरकार से घायलों को तुरंत गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्रदान करने और मृतक श्रमिकों और कर्मचारियों के परिवारों को वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया। उन्होंने भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने में मदद के लिए दुर्घटना के कारणों की गहन जांच की भी मांग की। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस घटना को चौंकाने वाला बताते हुए कहा कि उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

साइबर जालसाजों ने हैदराबाद के व्यक्ति से 5.4 लाख रुपये ठगे

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 35 वर्षीय व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने 5.4 लाख रुपये की ठगी कर ली, जिन्होंने खुद को एक लोकप्रिय लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी कंपनी का प्रतिनिधि बताया। जानकारी के अनुसार, पीड़ित पार्सल डिलीवरी का व्यवसाय शुरू करना चाहता था, उसने गूगल पर विकल्प खोजे और एक लिंक मिला। उसे असली समझकर उसने दिए गए फोन नंबर पर कॉल किया। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति ने कॉल का जवाब दिया और कंपनी का रिलेशनशिप मैनेजर होने का दावा करते हुए शिकायतकर्ता को फ्रैंचाइज़ी लेने के लिए राजी किया। पंजीकरण, समझौते, एनओसी, मशीनरी लागत आदि सहित विभिन्न बहानों के तहत उन्होंने शिकायतकर्ता से कुल 5.4 लाख रुपये एकत्र किए और कुछ भी नहीं देकर उसे धोखा दिया। शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.